THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 184 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.7 2082 सोमवार, 29 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सेना ने दो आतंकी ढेर किए

कुपवाड़ा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। ये आतंकी एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, शव एलओसी के बहुत करीब पड़े हैं।

सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें निकालने का अभियान जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पिछले 8 दिनों में सेना और आतंकवादियों के बीच यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले 20 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया था।

नूंह में पुलिस पर पथराव-फायरिंग वीडिया

पंजाब से गाड़ियां चुराने वालों को पकड़ने गई थी टीम, आरोपियों ने भीड़ बुलाई, 3 पुलिसकर्मी घायल, 13 गिरफ्तार

नूंह, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में पंजाब से गाड़ियां चुराने के मामले में आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला हो गया। इंदाना गांव में आरोपियों ने पुलिस को देखकर पिस्टल से फायरिंग कर दी। इसके बाद गांव में जाकर लोगों को इकट्ठा कर लिया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया।

पुलिस का कहना है कि कुछ लोगों ने राइफल से भी फायरिंग की। हमले में 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। बिछौर थाना पुलिस ने 30 लोगों को नामजद कर 60 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, इनमें 3 महिलाएं भी शामिल हैं। अब पुलिस टीम पर पथराव का वीडियो भी सामने आया है।

अमृतसर में खालिस्तानी नारे लिखने वालों का एनकाउंटर

एसएफजे आतंकी पन्नू के एक साथी को लगी गोली, घायल समेत 2 गिरफ्तार

अमृतसर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में खालिस्तानी नारे लिखने वाले बदमाशों का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी के पैर पर गोली लगी है, जबकि दूसरे को पुलिस पकड़ने में कामयाब रही। पकड़े गए दोनों ही साथ खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के साथी हैं। फिलहाल घायल को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

दिल्ली एयरपोर्ट, स्कूलों और अन्य संस्थानों को बम की धमकी

सभी जगह बम निरोधक दस्ते भेजे गए, सुबह जम्मू एयरपोर्ट को भी भेजा गया ईमेल

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट, विभिन्न स्कूलों और अन्य संस्थानों को ईमेल के जरिए बम धमकी दी गई। दिल्ली पुलिस का कहना है कि सभी जगह बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है, जबकि स्कूलों से छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

इससे पहले सुबह जम्मू एयरपोर्ट प्रशासन को ईमेल भेजा गया था। इसमें एक निजी एयरलाइन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि जांच के बाद जांच टीम को कुछ नहीं मिला। इससे पहले 13 सितंबर को दिल्ली और बॉम्बे हाईकोर्ट को बम की धमकी मिली थी। दो घंटे की तलाशी के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। दिल्ली-मुंबई के अलावा बिहार में भी बम ब्लास्ट की धमकी दी गई थी। यहां 11 सितंबर को बम की धमकी का मेल भेजा गया था।

ईडी जल्द कुछ क्रिकेटर-अभिनेताओं की संपत्ति जब्त करेगी

सट्टेबाजी ऐप के प्रचार का मामला, युवराज सिंह, रैना और सोनू सूद समेत कई से पूछताछ हो चुकी

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही कुछ खिलाड़ी और अभिनेताओं की करोड़ों की संपत्तियां जब्त करने जा रहा है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत ऑनलाइन बेटिंग एप 1xबीईटी के प्रमोशन मामले में होगी।

ऑफिशियल सोर्स ने बताया कि 1xबीईटी ऐप से मिले एडवर्टाइजमेंट पैसों का इस्तेमाल कुछ सेलिब्रिटीज ने अलग-अलग तरह की संपत्ति खरीदने में किया है। ऐसे में इन्हें प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानी अपराध से कमाई गई संपत्ति माना गया है। ईडी जल्द ही सेलिब्रिटीज की इन चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी करेगी। कुछ सेलिब्रिटीज की संपत्तियां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों में भी हैं। फिलहाल इनकी कीमत और मूल्यांकन किया जा रहा है। नियमों के अनुसार, अपराध से जुड़ी संपत्तियों को जब्त कर लिया जाता है ताकि दोषी उनका फायदा न उठा सकें। आदेश जारी होने के बाद इसे पीएमएलए के तहत बनाए गए एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी को भेजा जाएगा और कोर्ट से मंजूरी मिलते ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

पिछले कुछ हफ्तों में ईडी ने 1xबीईटी ऐप मामले में क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन, अभिनेता सोनू सूद, अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती (पूर्व टीएमसी सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली सिनेमा) से पूछताछ की है। कुछ ऑनलाइन इन्फ्लुएंसर्स से भी सवाल किए गए।

पीएम की त्योहारों में स्वदेशी खरीदने की अपील

मन की बात का 126वां एपिसोड

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो शो 'मन की बात' के 126वें एपिसोड में फेस्टिव सीजन, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल पर बात की। पीएम ने कहा- इस बार त्योहारों में स्वदेशी सामान ही खरीदें। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे।

इसके अलावा पीएम ने दशहरा और छठ पर्व पर भी बात की। मोदी ने कहा- भारत सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की लिस्ट में शामिल करने पर काम कर रही है। इसके बाद पूरी दुनिया में पर्व की भव्यता फैलेगी।

कार्यक्रम की शुरुआत, भगत सिंह- लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि :

पीएम ने कहा- आज लता मंगेशकर की जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रूचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वो सब कुछ है जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोरता है। मराठी सुगम

संगीत की महान हस्ती सुधीर फड़के जी ने सबसे पहले लता दीदी से मेरा परिचय कराया था। मैंने लता दीदी को कहा कि मुझे आपका गाया गाना ज्योति कलश छलके बहुत पसंद है।

अमर शहीद भगत सिंह, हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूट कर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह जी ने अंग्रेजों को एक पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप मुझे और मेरे साथियों से युद्धबंदी जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मार कर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है।

वोकल फॉर लोकल पर :

हम ठान लें कि इस बार

सागर परिक्रमा करने वाली दो अफसरों की चर्चा : छठ पूजा-दिवाली का जिक्र

त्योहार सिर्फ स्वदेशी चीजों से ही मनाएंगे, तो देखिएगा, हमारे उत्सव की रौनक कई गुना बढ़ जाएगी। 'वोकल फॉर लोकल' को खरीदारी का मंत्र बना दीजिए। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसे देश के लोगों ने बनाया है, वही घर ले जाएंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे।

छठ पर्व पर :

हमारे पर्व, त्योहार भारत की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं। छठ पूजा ऐसा एक पावन पर्व है जो दीवाली के बाद आता है। सूर्य देव को समर्पित यह महापर्व बहुत ही विशेष है। इसमें हम डूबते सूर्य को भी अर्घ्य देते हैं, उनकी आराधना करते हैं। छठ ना सिर्फ देश के अलग-अलग हिस्सों में मनाई जाती है, बल्कि दुनिया भर में इसकी छटा देखने को मिलती है। आज ये एक ग्लोबल फेस्टिवल बन रहा है। मुझे आपको ये बताते हुए बहुत खुशी है कि भारत सरकार भी छठ पूजा को लेकर एक बड़े प्रयास में जुटी है।

गांधी जयंती पर :

2 अक्टूबर को गांधी जयंती है। गांधी जी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद, खादी की रौनक कुछ फीकी पड़ती जा रही थी लेकिन बीते 11 साल में खादी के प्रति देश के लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में खादी की बिक्री में बहुत तेजी देखी गई है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि 2 अक्टूबर को कोई ना कोई खादी प्रोडक्ट जरूर खरीदें। गर्व से कहें ये स्वदेशी हैं। इसे सोशल मीडिया पर वोकल फॉर लोकल के साथ शेयर भी करें।

आरएसएस को लेकर :

इस बार विजयादशमी एक और वजह से बहुत विशेष है। इसी दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 साल हो रहे हैं।

'भीड़ प्रबंधन विफल, सख्त नीति जरूरी...'

तमिलनाडु के करूर में भगदड़ पर बोले कांग्रेस नेता थरूर

तिरुवनंतपुरम, 28 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर में भगदड़ को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि यह बहुत ही दुखद और दर्दनाक स्थिति है। उन्होंने कहा, हमारे देश में भीड़ प्रबंधन में कुछ गड़बड़ है। हर साल कोई न कोई घटना होती ही रहती है। हमें बेंगलूरू की घटना भी याद है। जब हम इन भगदड़ों में बच्चों के मारे जाने की खबर सुनते हैं तो बहुत दुख होता है।

उन्होंने आगे कहा, सवाल यह है कि हम आम लोगों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक संगठित नीति बनाने के लिए क्या कर सकते हैं। थरूर ने कहा, लोग किसी राजनेता, फिल्म स्टार या क्रिकेटरों को सुनने के लिए जाते हैं। मूल बात यह होनी चाहिए कि कुछ नियम, मानक और प्रोटोकॉल होने चाहिए।

छह उग्रवादी गिरफ्तार :

थरूर ने कहा, मैं केंद्र और सभी राज्य सरकारों से आग्रह करता हूं कि वे किसी भी परिस्थिति में सभी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बहुत सख्त प्रक्रिया अपनाने पर सहमत हों, ताकि हमें इन खौफनाक भगदड़ों में अपनों के खोने का दुख न हो और बेवजह पीड़ा न झेलनी पड़े।

कांग्रेस नेता ने कहा, दुनिया परिवर्तनशील है। बहुत सारे बदलाव हो रहे हैं। मैं लगातार न केवल विश्व व्यवस्था की बात कर रहा हूं, बल्कि विश्व अराजकता की भी चर्चा कर रहा है, जिसका हम सामना कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में चुस्त-दुरुस्त रहना होगा।

मुझे लगता है कि हमें इन बदलावों को लेकर सतर्क रहना होगा और जितने विकल्प हो सकें, उतने रखने चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मैं बहु-ध्रुवीय अवधारणा में भरोसा करता हूं, ताकि हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले रहें और हम किसी एक देश के प्रभाव में न आएं, चाहे वह अमेरिका हो या चीन। हमें इतना कमजोर नहीं होना चाहिए कि दूसरों के मनमाने फैसलों का शिकार बन जाएं। इसलिए हमारे पास अपनी ताकत, साहस और क्षमता होनी चाहिए, ताकि हम अपने पैरों पर मजबूती से खड़े रह सकें, चाहे हमारे सामने कोई दरवाजा बंद हो या दूसरी तरफ कोई खिड़की खुली हो।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाक ड्रोन की हरकत

बीएसएफ ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

जम्मू, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हरकत की सूचना मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी ड्रोन सुबह 6:30 बजे रामगढ़ सेक्टर के करालियां गांव के ऊपर मंडराता हुआ देखा गया, जिसके बाद वह अचानक गायब हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की टुकड़ियों ने तुरंत गांव और आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीमा पार से हथियार या नशे के पदार्थ गिराए नहीं जा रहे हैं।

तीन अक्टूबर को कुरुक्षेत्र आएंगे गृह मंत्री अमित शाह

विशाल रैली को करेंगे संबोधित, प्रदर्शनी का करेंगे उद्घाटन

कुरुक्षेत्र, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जिस मेला ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले ही कार्यकाल में 11 साल पहले विशाल रैली में गरजे थे। वहीं, अब दशहरे से अगले ही दिन तीन अक्तूबर को गृह मंत्री अमित शाह की गर्जना होगी। यहां से वे न केवल लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे बल्कि विशाल रैली को भी संबोधित करेंगे।

यहीं से वे कांग्रेस को भी निशाना साधते हुए वोट चोरी से लेकर बिहार चुनाव के दृष्टिगत अन्य मुद्दों पर घेर सकते हैं। इसके साथ ही वे अपने ड्रीम प्रोजेक्ट सहकारिता के जरिए आत्मनिर्भरत भारत अभियान को सफल बनाने, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को खास गुर दे सकते हैं। पहले यह आयोजन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में किया जाना था लेकिन अब पार्टी ने इसे विशाल रूप देने का फैसला किया है, जिसके चलते यह आयोजन अब मेला ग्राउंड में होगा।

हालांकि गृह मंत्री द्वारा लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाना है लेकिन अब कार्यक्रम विशाल रैली का रूप लेगा और इसी दृष्टिगत ही पार्टी इस आयोजन की तैयारी में भी जुट गई है। मेला ग्राउंड में न केवल खास शामियाना लगाया जाना शुरू कर दिया गया है बल्कि यहां ब्रह्मसरोवर के आसपास बनी अस्थाई अनाज मंडी को भी हटाया जाने लगा है।

मुख्यमंत्री 29 सितंबर को करेंगे तैयारियों की समीक्षा

भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र गोल्डी का कहना है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का यह कार्यक्रम अब विशाल रैली के रूप में ही होगा, जिसके लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। इसी के चलते ही कार्यक्रम स्थल में भी बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी 29 सितंबर को बाबैन में आयोजित कार्यक्रम में पहुचेंगे, जिस दौरान वे भी तैयारियों पर समीक्षा कर सकते हैं। अभी पूरा कार्यक्रम तय होना है। उधर हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने छह अक्टूबर 2014 को इसी मेला ग्राउंड से विशाल रैली को संबोधित किया था। अब गृह मंत्री भी यहां से खास आह्वान कर सकते हैं।

2016 में आर्य युवा महासम्मेलन में पहुंचे थे अमित शाह

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में आयोजित आर्य युवा महासम्मेलन व गुरुकुल के 104वें वार्षिकोत्सव के लिए 22 अक्तूबर 2016 में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पत्नी सोनल शाह के साथ कालका शताब्दी ट्रेन से पहुंचे थे। उन्होंने उस दौरान कहा था कि विश्व की तमाम समस्याओं का समाधान पवित्र गीता में समाहित है।

गोपालगंज में सीएम नीतीश कुमार ने किया 1599 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ

गोपालगंज, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और सांसद संजय झा रविवार को गोपालगंज पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने सबेया फील्ड में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और योजनाओं के लाभुकों से सीधा संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कुल 1599 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि सरकार जनहित में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने लाभुकों से बातचीत के दौरान उनकी समस्याएं और सुझाव सुने और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि यह कार्यक्रम राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, सांसद संजय झा ने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गिरी ने किया। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, जनक राम, भाजपा के पूर्व विधायक मिथिलेश तिवारी, रामसेवक सिंह और जदयू जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और अधिकारी मौजूद रहे।

लद्दाख के हालात को लेकर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी गलत

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख में बिगड़ते हालात और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बयान जारी कर भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं के साथ बार-बार विश्वासघात किया गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा, कांग्रेस लद्दाख में सरकार की शर्मनाक नाकामी और सोनम वांगचुक की सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में पिछले एक साल से अशांति का माहौल है।

वहां के लोग संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष दर्जे की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार न उनकी बात सुन रही है और न ही कोई संवाद कर रही है। इसके उलट, विरोध कर रहे लोगों को दमन और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने लद्दाख को छठी अनुसूची के अंतर्गत लाने का वादा किया था, लेकिन अब वह वादा भी भुला दिया गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा, कांग्रेस पार्टी लद्दाख में शांति चाहती है। दशकों तक हमने इस सीमावर्ती क्षेत्र में सद्भाव और सुरक्षा सुनिश्चित की है। हमने लोकतंत्र की भावना और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों का समान रूप से सम्मान किया है।

'लद्दाख में लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करने की जरूरत'

उन्होंने लद्दाख में हुई घटनाओं में चार निर्दोष युवकों की मौत और कई अन्य के घायल होने पर चिंता जताई और इन मामलों की न्यायिक जांच की मांग की है। खड़गे ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट के अंत में लिखा, लद्दाख में लोकतांत्रिक संस्थाओं और लोकतंत्र को पुनर्जीवित और बहाल करने की आवश्यकता है।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लोकतंत्र का मजाक बताया। उन्होंने कहा कि वे जलवायु परिवर्तन की लड़ाई लड़ रहे थे और उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग तथा ग्लेशियरों के पिघलने जैसे मुद्दों पर आवाज बुलंद की थी। सोनम वांगचुक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें जेल में डालने से लद्दाख की समस्याएं खत्म नहीं हो जाएंगी।

पंजाबी सिंगर का एक्सीडेंट: बाइक पर सवार थे गायक राजवीर जवंदा, हार्ट अटैक भी आया, अस्पताल में भर्ती

पंचकूला, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पंचकूला के पिंजौर में पंजाब सिंगर का एक्सीडेंट हुआ है। पिंजौर-नालागढ़ रोड पर सेक्टर-30 टी पॉइंट के पास बाइक से आ रहे पंजाबी सिंगर राजवीर जवंदा सांडों की लड़ाई में घायल हो गए। सिंगर बद्दी से पिंजौर आ रहे थे। अचानक सांड आगे आने पर उनकी बाइक अनियंत्रित हुई और हाईवे पर गिर गए। इस हादसे में सिंगर के सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद घायल सिंगर को पहले पिंजौर के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया।

इस बीच उन्हें हार्ट अटैक भी आया, जहां से उन्हें पंचकूला सिविल अस्पताल में रेफर किया गया। इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों ने सिंगर की हालत नाजुक देखते हुए पीजीआई रेफर कर दिया। लेकिन परिजनों ने सिंगर को पीजीआई के बजाय मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में दाखिल करवाया। जहां उपचार के दौरान उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

'सुरक्षा में चूक और बिजली गुल होने से मची रैली में भगदड़'

अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी का दावा

करूर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की रैली के दौरान हुई भगदड़ को लेकर अन्नाद्रमुक महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री ईके पलानीस्वामी ने पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक हादसे की वजह साफ तौर पर सुरक्षा में चूक है। हादसे में 40 लोगों की मौत हो गई और 51 लोग घायल हो गए। पलानीस्वामी ने कहा कि अगर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन ने पहले से सावधानी बरती होती तो इस खौफनाक हादसे को टाला जा सकता था। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट के आधार पर कहा कि अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की रैली के दौरान बिजली गुल हो गई, जिससे वहां भ्रम की स्थिति बनी और भगदड़ मच गई। उन्होंने यह भी कहा कि टीवीके ने अब तक चार रैलियां की हैं।

ऐसे में उसे सुरक्षा इंतजामों को लेकर पहले से तैयार रहना चाहिए था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को पिछली रैलियों में जुटी भीड़ और करूर की स्थिति को देखकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए थी। सरकार और टीवीके नेतृत्व को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए था। पलानीस्वामी ने करूर के सरकारी अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। उन्होंने कहा कि एक राजनेता को भीड़ पर नजर रखनी चाहिए और किसी भी चूक को तुरंत सुधारना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता रैलियों में इस भरोसे के साथ आती है कि पार्टी, सरकार और पुलिस उनकी सुरक्षा ध्यान रखेंगे। इतने लोगों की जान चली गई। यह बहुत ही दुखद और चौंकाने वाली घटना है। उन्होंने हा कि राज्य की दूसरी राजनीतिक पार्टियों की रैलियों में ऐसा कभी नहीं हुआ। पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि जब उनकी सरकार थी, तब राजनीतिक कार्यक्रमों के दौरान सभी जरूरी एहतियात बरते जाते थे।

लेकिन अब की सरकार और पुलिस निष्पक्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस एक तरफ सत्तारूढ़ द्रमुक के कार्यक्रमों में पूरी सुरक्षा देती है। लेकिन विपक्ष को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का फर्ज बनता है कि वह पीड़ितों से मिलने अस्पताल जाएं और राहत की घोषणा करें। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने भगदड़ रोकने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए और पुलिस बिल्कुल निष्क्रिय रही।

पुलिस को बड़ी सफलता

कुख्यात काला जठेड़ी गैंग से जुड़े हथियार सप्लायर समेत 6 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात काला जठेड़ी गैंग से जुड़े हथियार सप्लायर समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मुख्य सप्लायर सहदेव उर्फ देव अलीगढ़ से हथियार लाकर गिरोह को सप्लाई करता था। मुख्य आरोपी रोहित उर्फ बच्ची और उसके साथी नोएडा-दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किए गए हैं। रोहित उर्फ बच्ची कुख्यात काला जठेड़ी का भतीजा है और 8 संगीन मामलों में वांटेड है। वह सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करता था। गिरफ्तार अन्य आरोपियों में सतनारायण, राज राहुल, रविंदर उर्फ ढिल्लू, साहिल शामिल हैं।

आरोपियों पर आर्म्स एक्ट और कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए हैं संदीप उर्फ काला जठेड़ी हरियाणा के सोनीपत जिले के जठेड़ी गांव का है। इसलिए उसका गैंग काला जठेड़ी नाम से जाना जाता है। वह जुर्म की दुनिया में एक बड़ा नाम है और उसके नाम से कांपने वालों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। ये गैंग दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और चंडीगढ़ में एक्टिव रहा है। काला जठेड़ी पर हत्या, लूट, रंगदारी, हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट जैसे तमाम संगीन मामले दर्ज हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, कुख्यात गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी काला जठेड़ी का संपर्क है और वह जेल से ही अपना गैंग ऑपरेट करता है।

वह साल 2023 में भी काफी चर्चा में रहा था क्योंकि उसने राजस्थान की लेडी डॉन अनुराधा चौधरी से जेल में ही शादी की थी। काला जठेड़ी गैंग के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई ये संदेश देती है कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। बीजेपी पहले से ही अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की वजह से चर्चा में रहती है। वहीं दिल्ली में कई गैंग हैं, जिनके सफाए के लिए दिल्ली पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ चुकी है। काला जठेड़ी गैंग के 6 लोगों की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी सफलता है क्योंकि इनके जरिए अन्य लोगों तक पहुंच बन सकेगी और उन्हें भी जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा सकेगा।

उद्धव-राज की एकता से शिंदे का सिंहासन डोलने लगा, क्यों महसूस होने लगा खतरा?

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में अक्सर ही कुछ ऐसा होता रहता है, जिसको लेकर सियासी पारा चढ़ जाता है। सालों के बाद जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने हाथ मिलाया तो प्रदेश के साथ ही देश की राजनीति में भी गर्माहट अचानक से बढ़ गई। राजनीतिक विश्लेषक दोनों भाइयों की एका का महाराष्ट्र की राजनीति पर पड़ने वाले असर का आंकलन अभी तक कर ही रहे हैं। अन्य राजनीतिक दल भी माहौल को भांपने में जुटे हैं कि शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की एकता से उनके प्रभाव पर क्या असर पड़ने वाला है। इन सबके बीच महाराष्ट्र में एक ऐसी भी पार्टी है, जो इन दोनों भाइयों की एकता से कुछ ज्यादा ही चिंतित लगती है। उस पार्टी का नाम है एकनाथ शिंदे की शिवसेना। बता दें कि एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पार्टी तोड़ दी थी। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से पुराने रिश्तों की सरगर्मी लौट आई है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का हालिया समीकरण, जिसने महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है, अब विपक्षी खेमे में चर्चा का विषय बन गया है। शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद श्रीकांत शिंदे ने इस गठजोड़ को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'सिर्फ ठाकरे परिवार की राजनीति' करार दिया है। उनका तर्क है कि यह कदम महाराष्ट्र के हित में नहीं, बल्कि केवल सत्ता को परिवार के भीतर सुरक्षित रखने की रणनीति है।

तीखा हमला

श्रीकांत शिंदे का बयान इस ओर इशारा करता है कि महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर से परिवारवाद बनाम विकास के नैरेटिव में बंट सकती है। उनका आरोप है कि ठाकरे भाइयों का एक होना महज चुनावी समीकरणों को साधने की कवायद है। वहीं, शिंदे खेमे ने खुद को विकास, काम और जनता की जरूरतों पर केंद्रित बताने की कोशिश की है। यह रणनीति आने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए अहम साबित हो सकती है, क्योंकि बीएमसी की राजनीति सीधे शहर की सड़कों, सफाई और बुनियादी ढांचे से जुड़ी है। इस बयान के पीछे साफ रणनीति झलकती है।

उद्धव और राज ठाकरे की नजदीकियां भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) के लिए चुनौती बन सकती हैं। ऐसे में शिंदे खेमे की कोशिश है कि ठाकरे गठजोड़ को 'परिवार की सत्ता बचाने का खेल' बताकर जनता के बीच उसकी स्वीकार्यता को कमजोर किया जाए। वहीं, खुद को कंक्रीट सड़कों, गड्ढामुक्त मुंबई और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन जैसे ठोस मुद्दों पर खड़ा करके चुनावी नैरेटिव को 'कामकाज बनाम परिवारवाद' की तरफ मोड़ा जाए। श्रीकांत शिंदे ने यह भी याद दिलाया कि विधानसभा चुनावों से पहले तमाम भविष्यवाणियां गलत साबित हुई थीं और शिंदे गुट ने 80 में से 60 सीटें जीतकर 75% सफलता हासिल की। उनका दावा है कि इसी तरह बीएमसी चुनाव में भी जनता उनके काम और जमीनी पकड़ को तवज्जो देगी। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे नाम आज भी भावनात्मक अपील रखता है। उद्धव और राज का साथ आना कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भर सकता है और शिवसेना (यूबीटी) व एमएनएस दोनों को नया जीवन दे सकता है।

लेकिन सवाल यही है कि क्या यह गठजोड़ जनता की नज़र में सिर्फ परिवार की मजबूरी है या महाराष्ट्र का विकल्प? श्रीकांत शिंदे के बयान से साफ है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब परिवारवाद बनाम विकास की बहस में ध्रुवीकृत होने जा रही है। ठाकरे भाइयों का समीकरण राजनीतिक भूचाल ला सकता है, लेकिन शिंदे गुट ने पहले ही नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर दी है कि यह गठबंधन महाराष्ट्र की जनता के लिए नहीं, बल्कि ठाकरे परिवार की सियासी प्रासंगिकता बचाने के लिए है। आने वाले बीएमसी चुनाव इस विमर्श की सच्चाई तय करेंगे कि क्या जनता परिवारवाद से ऊपर उठकर विकास को चुनेगी, या ठाकरे नाम का जादू अब भी असरदार है?

प्रदर्शन करेंगे किसान 70 हजार प्रति एकड़ मुआवजा मांगा

पटियाला, 28 सितंबर (एजेंसियां)। किसान मजदूर मोर्चा (एसकेएम) की शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में एलान किया गया कि 6 अक्टूबर को पंजाब भर में किसान प्रदर्शन करेंगे। यह प्रदर्शन बाढ़ से हुए नुकसान के मुआवजे के लिए प्रदर्शन किया जाएगा। मोर्चा के नेताओं ने कहा कि बाढ़ में नुकसान झेल रहे किसानों को कम से कम 70 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा मिलना चाहिए। खेत मजदूरों को भी कुल मुआवजे का 10 प्रतिशत दिया जाए।

बैठक के दौरान मोर्चा ने पंजाब सहित सभी राज्यों के उन लोगों का आभार व्यक्त किया जो बाढ़ के दौरान मदद के लिए आगे आए थे। पराली जलाने के मुद्दे पर बात करते हुए मोर्चा के नेताओं सरवन सिंह पंधेर समेत अन्य ने ताजा आंकड़े और अध्ययन दिखाए जिनके अनुसार प्रदूषण में किसानों का योगदान 6 प्रतिशत से भी कम है। कहा कि इसके बावजूद अदालतें और सरकारें सारा दोष किसानों पर डाल रही हैं और उनके लिए कठोर जुर्माने और सजा तय की गई है।

तलाक के लिए 42 फीसदी पुरुषों ने कर्ज लिया

67% ने पैसे को लेकर बहस की बात मानी; यही अंतर तलाक की बड़ी वजह

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। एक वित्तीय सलाहकार कंपनी के सर्वे में सामने आया कि शादी के बाद 42 प्रतिशत पुरुषों ने तलाक से जुड़े खर्चों के लिए कर्ज लिया। वहीं, 46 प्रतिशत महिलाओं ने सवेतन काम छोड़ दिया या कम कर दिया। यह सर्वे 'वन फाइनेंस एडवाइजरी कंपनी' ने टियर-आई और टियर-आईआई शहरों में 1,258 तलाकशुदा या तलाक के लिए आवेदन कर चुके लोगों पर किया। सर्वे में बताया गया कि 29 प्रतिशत पुरुषों ने गुजारा भत्ता देने के बाद खुद को नकारात्मक निवल मूल्य की स्थिति में पाया। सर्वे के अनुसार, पुरुषों की सालाना आय का 38% हिस्सा भरण-पोषण में चला गया। तलाक से जुड़े खर्चों में 19% महिलाओं ने 5 लाख रुपए से ज्यादा खर्च किए। वहीं, 49 प्रतिशत पुरुषों ने भी इतना ही खर्च किया।

सर्वे में 67 प्रतिशत लोगों ने माना कि शादी के दौरान उनकी अक्सर पैसों को लेकर बहस होती थी। 43 प्रतिशत ने कहा कि वित्तीय विवाद या असमानता ही उनके तलाक का सीधा कारण बना। शादी के समय 56 प्रतिशत महिलाएं अपने पति से कम कमाती थीं। केवल 2% महिलाएं ही पति से ज्यादा कमाती थीं। वन फाइनेंस के सह-संस्थापक और सीईओ केवल भानुशाली ने कहा कि शादीशुदा पुरुषों और महिलाओं के बीच वित्तीय असंगति तलाक का बड़ा कारण होती है।

अलगाव की लागत तनाव बढ़ाती है और अस्थिरता को जन्म देती है। इसलिए भावनात्मक तैयारी जितनी जरूरी वित्तीय तैयारी भी होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि शादी से पहले पैसे को लेकर खुलकर बात होनी चाहिए। मौजूदा कर्ज, भविष्य की बचत, दोनों के माता-पिता की जिम्मेदारी, आय की अनिश्चितता और जीवनशैली की अपेक्षाएं पहले ही तय कर लेनी चाहिएं। इससे रिश्ते में पारदर्शिता बनी रहती है और भविष्य में विवाद से बचा जा सकता है।

'सोनोवाल के सीएम रहते असम में भाजपा का बेहतर प्रदर्शन

बीटीसी चुनाव को लेकर कांग्रेस का भाजपा पर वार

दिसपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। असम में हुए बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) चुनाव में एनडीए की सहयोगी पार्टी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने शानदार प्रदर्शन किया है। बीपीएफ ने 40 में से 28 सीटें जीतकर परिषद पर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। दूसरी तरफ भाजपा और उसकी सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) को बड़ा झटका लगा है। इसे लेकर असम कांग्रेस के प्रमुख गौरव गोगोई ने भाजपा पर तंज कसा है।

गोगोई ने नतीजों को लेकर भाजपा में ही रार छेड़ने की कोशिश की। गोगोई ने कहा कि सर्वानंद सोनोवाल के मुख्यमंत्री रहते भाजपा ने बीटीसी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया था, जबकि मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में पार्टी की सीटों में गिरावट आई है। दूसरी तरफ कांग्रेस को चुनाव में एक भी सीट न मिलने पर गोगोई ने कहा कि वह कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार काम करते रहेंगे। गौरतलब है कि 2020 में भाजपा ने बोडो क्षेत्रीय परिषद के चुनावों में नौ सीटें जीती थीं, जबकि इस बार सिर्फ पांच सीटों पर सिमट गई। वहीं, यूपीपीएल को भी

बड़ा झटका लगा है। उसकी सीटें 12 से घटकर सात पर आ गई हैं। इसके उलट बीपीएफ ने जबरदस्त वापसी करते हुए 40 में से 28 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। इसी प्रदर्शन को लेकर गौरव गोगोई ने कहा, ₹हम कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के आभारी हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी पूरी मेहनत से चुनाव लड़ा। भले ही हम सीट नहीं जीत सके, लेकिन हमने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया है।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी बोडोलैंड क्षेत्र में पुनर्निर्माण की राह पर है और यह प्रक्रिया धीमी जरूर है, लेकिन इसके लिए कोई शॉर्टकट नहीं होता। बीपीएफ की जीत पर गोगोई ने पार्टी प्रमुख हग्रामा मोहिलारी को भी बधाई दी और इसे लोकतंत्र की जीत बताया।

इस बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि गायक जुबिन गर्ग के आकस्मिक निधन के कारण भाजपा ने चुनाव प्रचार रोक दिया था, जिससे नतीजे प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा कई सीटों पर बेहद कम अंतर से हारी है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है, क्योंकि उनके नेता पाकिस्तानी एजेंट जैसे व्यवहार करते हैं।

सुविचार
माफ़ी मागने से अगर आपके अपनों से रिश्ते सही होते है तो माफ़ी मागने से घबराये नहीं मांग ले।

दस वर्षों में भारत फ्यूचर सिटी में 500 दिग्गज कंपनियां होंगी : रेवंत रेड्डी

फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी के भवन निर्माण का भूमि पूजन

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रतिष्ठित भारत फ्यूचर सिटी की आधारशिला रखने के साथ ही सबसे युवा राज्य तेलंगाना के विकास में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, जो एक दशक के भीतर दुनिया की फॉर्च्यून 500 कंपनियों का केंद्र बनकर उभरेगा।

रविवार को रंगारेड्डी जिले के कंडुकुर मंडल के मीरखानपेट गांव में एक बड़ी सभा और उत्साहपूर्ण माहौल में, मुख्यमंत्री ने फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) भवन और रेडियल रोड-1 (चरण एक और दो) के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने फ्यूचर सिटी को निवेश के अवसरों की दुनिया के लिए एक गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के सरकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, फ्यूचर सिटी निवेश और अवसरों की दुनिया का एक गंतव्य होगा। सरकार ने फ्यूचर सिटी को एक महान शहर बनाने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं तैयार की हैं। आइए हम इस शहर को इस तरह विकसित करें कि दुनिया के सभी शीर्ष शहर फ्यूचर सिटी की चर्चा करें। मुख्यमंत्री ने याद किया कि कैसे हैदराबाद सिटी, सिकंदराबाद और साइबराबाद शहरों का विकास क्रमशः कुलीकुतुब शाह, निजाम के शासन और तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौरान हुआ था। उन्होंने कहा, हमें अतीत से बहुत कुछ सीखना है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक फ्यूचर सिटी का निर्माण करना है।

लोगों से फ्यूचर सिटी के खिलाफ विपक्ष के झूठे प्रचार का शिकार न बनने की अपील करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि कुछ विरोधी ताकतों ने फ्यूचर सिटी परियोजना को रोकने की साजिश रची है। राजनीतिक विरोधियों ने यह भी आरोप लगाया कि फ्यूचर सिटी परियोजना में उनकी जमीनें हैं। उन्होंने कहा, फ्यूचर सिटी आने वाली पीढ़ियों के लिए है, मेरे परिवार के सदस्यों के लिए नहीं। मुख्यमंत्री ने सभी से सहयोग की अपील की और लोगों को अदालतों का दरवाजा खटखटाने से बचने की सलाह दी, क्योंकि सरकार बातचीत के जरिए शिकायतों का समाधान करने के लिए तैयार है।

फ्यूचर सिटी कल की दुनिया के लिए एक संपूर्ण पैकेज है : भट्टी

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फ्यूचर सिटी एक उल्लेखनीय शहरी केंद्र के रूप में उभर रहा है, जहां आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि क्षेत्र के उद्योग और एक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम मौजूद है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा, यह शहर भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है और मेरा मानना है कि यह हमारे पूरे देश के भविष्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा। उन्होंने रविवार को रंगारेड्डी जिले के मिरखानपेट में भारत फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) भवन और ग्रीनफील्ड रेडियल रोड-1 के शिलान्यास समारोह के दौरान ये बातें कहीं। भट्टी ने कहा कि अपने एलिवेटेड कॉरिडोर, अत्याधुनिक सड़कों और एक केंद्रीय मेट्रो रेल के साथ, भारत के किसी अन्य शहर में ऐसी व्यवस्था नहीं है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, मैंने दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान फ्यूचर सिटी को हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सड़क मार्ग से जोड़ने और इसे आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती से जोड़ने के लिए केंद्रीय मंत्री से चर्चा की और उन्हें इसकी मंजूरी मिल गई, जो एक ग्रीनफील्ड सड़क के माध्यम से बंदर बंदरगाह तक विस्तारित होगी। उपमुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं की तस्वीरें देखकर अत्यधिक संतुष्टि व्यक्त की और कहा कि फ्यूचर सिटी से बेंगलुरू तक की यात्रा शहर के उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाती है। उन्होंने हैदराबाद को 'पुराना शहर' नहीं, बल्कि 'मूल शहर' बताया, और सरकार के प्रभावशाली विकास प्रयासों की सराहना करते हुए। फ्यूचर सिटी का विकास विभिन्न पहलों के माध्यम से किया जा रहा है जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग किया गया है। यह न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक धरोहर बनने के लिए तैयार है। यह शहर आस-पास के क्षेत्रों में उत्कृष्ट चिकित्सा और शैक्षिक सुविधाओं को आकर्षित करेगा। हालांकि लोग अक्सर रोज़गार के लिए देश-विदेश की यात्रा करते हैं, लेकिन जब उनसे पूछा जाता है कि सुरक्षित, शांत और स्थायी घर कहाँ मिलेगा, तो वे फ्यूचर सिटी का ही जिक्र करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने फ्यूचर सिटी निर्माण परियोजना के शीघ्र पूरा होने की ईश्वर से कामना की, जिसे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता की सरकार ने दृढ़ संकल्प के साथ शुरू किया है।

फ्यूचर सिटी वैश्विक कंपनियों का केंद्र बनेगा : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार 'भारत फ्यूचर सिटी' को इस तरह विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यह अंतरराष्ट्रीय निगमों का ध्यान आकर्षित करे और वैश्विक शहरों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बने। उन्होंने रविवार को रंगारेड्डी जिले के मिरखानपेट में भारत फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) भवन और ग्रीनफील्ड रेडियल रोड-1 के शिलान्यास समारोह के दौरान ये बातें कहीं। श्रीधर बाबू ने कहा, अब तक, जब भी लोग किसी नियोजित शहर की बात करते थे, तो उन्हें चंडीगढ़ याद आता था। आने वाले दिनों में, दुनिया 'भारत फ्यूचर सिटी' को नियोजित शहरी विकास के नए मानक के रूप में याद करेगी। मंत्री ने कहा कि फ्यूचर सिटी को 'जीओ-सीखो-काम करो-खेलो' की अवधारणा पर डिजाइन किया गया है और यह उद्योगों, अस्पतालों, स्कूलों, शॉपिंग मॉल और सभी आधुनिक सुविधाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत करेगा, जिसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित किया गया है। श्रीधर बाबू ने कहा, आज हम मिलकर जो नींव रख रहे हैं, वह सिर्फ़ एक शहर के लिए नहीं, बल्कि हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल सुनहरे भविष्य के लिए है। मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित शहर एक शुद्ध शून्य कार्बन शहर होगा- हरियाली से भरा और प्रदूषण मुक्त। यहां उद्योग फलेंगे-फूलेंगे, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर कभी नहीं। उन्होंने आगे कहा, मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे इस जनता की सरकार के साथ चलें जो तेलंगाना के भविष्य के लिए अथक और ईमानदारी से काम कर रही है।

पिंक पावर रन 2.0 में स्तन कैंसर जागरूकता के लिए 20 हजार लोग जुटे

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गैर-लाभकारी संस्था सुधा रेड्डी फाउंडेशन की प्रमुख पहल पिंक पावर रन 2025 के दूसरे संस्करण में रविवार को नेकलेस रोड पर स्तन कैंसर जागरूकता और शीघ्र पहचान को बढ़ावा देने के लिए 20,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुबह-सुबह शुरू हुए इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन पुरस्कार विजेता समाजसेवी सुधा रेड्डी और बिजनेस टाइकून निदेशक कृष्णा रेड्डी, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष जूलिया मॉर्ले और खेल जगत के दिग्गज और वैश्विक टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने किया। मौजूदा मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता चुआंगश्री ने अपनी एकजुटता व्यक्त की और अपनी धर्मार्थ परियोजना, ओपल फॉर हर के माध्यम से इस विषय पर अपने सक्रिय योगदान को देखते हुए इस अभियान के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला।

इस आयोजन में मिस वर्ल्ड 2025, मिस वर्ल्ड कैरिबियन, मिस नामीबिया, मिस वर्ल्ड ओशिनिया, मिस वर्ल्ड अमेरिका, मिस वर्ल्ड यूरोप और मिस वर्ल्ड एशिया सहित कई प्रमुख सुंदरियों का एक स्टार-स्टडेड प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ, साथ ही मिस इंडिया वर्ल्ड नंदिनी गुप्ता और निकिता पोरवाल सहित घरेलू प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। 'स्ट्राइड एंड शाइन' थीम पर आधारित, इस वर्ष का आयोजन पिछले आयोजन की सफलता पर आधारित है, जो इस महत्वपूर्ण उद्देश्य में भारत भर से हजारों लोगों को एकजुट करता है। इस आयोजन में फिटनेस, सामुदायिक भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का समावेश था, जिसने हैदराबाद को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक सक्रियता के केंद्र के रूप में स्थापित किया। जागरूकता के महत्व को रेखांकित करने के लिए मशहूर हस्तियां, प्रभावशाली व्यक्ति, शीर्ष अंतरराष्ट्रीय धावक, युवा छात्र, वरिष्ठ नागरिक, कॉर्पोरेट प्रमुख, वंचित महिलाएं और राज्य के गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। मुख्य कार्यक्रम से पहले की गतिविधियों में फिटनेस कार्यशालाएं, उत्तरजीविता कहानियां और सोशल मीडिया चुनौतियां शामिल थीं, जिन्हें जुड़ाव और जागरूकता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

10 किमी, 5 किमी और 3 किमी की दौड़ एक रोमांचक पुरस्कार समारोह के साथ संपन्न हुई। विजेताओं को उनकी एथलेटिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया और उन्हें बड़े पुरस्कार दिए गए। 10 किलोमीटर दौड़ के लिए क्रमशः 3.5 लाख, 2.5 लाख और 1.5 लाख, जबकि 5 किलोमीटर दौड़ के लिए क्रमशः 2 लाख, 1.5 लाख और 1 लाख का पुरस्कार दिया गया। जूलिया मॉर्ले को 2025 में उत्कृष्टता मेंटरशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो संगठन में उनके प्रभावशाली नेतृत्व और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए उनके आजीवन समर्पण के लिए दिया गया। 10 किलोमीटर ओपन श्रेणी में पुरुष और महिला दोनों प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष जूलिया मॉर्ले ने कहा, हमारे सामूहिक प्रयास स्तन कैंसर जागरूकता के लिए एक शक्तिशाली आंदोलन बना सकते हैं, जिससे व्यक्तियों को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए ज्ञान प्राप्त होगा। स्तन कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे आम कैंसर है- इसका शीघ्र पता लगाने से अनगिनत लोगों की जान बच सकती है।

कांग्रेस सरकार 6 गारंटी देने में असफल रही : केटीआर

जुबली हिल्स की समता कॉलोनी में 'बाकी कार्ड' वितरित बीआरएस को वोट देने की अपील

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी छह गारंटी पूरी करने में असफल रही है। रविवार को उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण के साथ जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र की समता कॉलोनी का दौरा किया। उन्होंने कॉलोनी के निवासियों से मुलाकात की और 'बाकी कार्ड' वितरित किए। इस दौरान मीडिया से बातचीत में केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना के मतदाताओं को धोखा दिया है और लोग फिर से केसीआर शासन चाहते हैं।

कॉलोनी की महिलाओं और निवासियों ने सफाई, जल निकासी और सड़कों की खराब स्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि कचरा हर चार दिन में ही उठाया जाता है। केटीआर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बाढ़ प्रभावित शहर की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने घोषणा की कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के हर घर में 'बाकी कार्ड' पहुंचाए जाएंगे और मतदाताओं से स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस का समर्थन करने की अपील की। इससे पहले उन्होंने कॉलोनी के बुजुर्गों से मुलाकात की और बीआरएस उम्मीदवार मगंती सुनीता को समर्थन देने की अपील की। बूंदाबांदी के बीच करीब 45 मिनट तक कॉलोनी में रहने के दौरान निवासियों ने गुलाब की पंखुड़ियों से उनका स्वागत किया।

बासर के छात्रों ने ग्रुप I परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

आदिलाबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी)-बासर के बारह पूर्व छात्रों ने तेलंगाना लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित ग्रुप I परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आरजीयूकेटी के अधिकारियों ने बताया कि आठ पूर्व छात्रों का डीएसपी के पद पर चयन हुआ, जबकि अन्य को आबकारी, वाणिज्यिक कर, ग्रामीण विकास और अन्य विभागों में नौकरी मिली, जिससे विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ी।

डीएसपी के पद पर चयनित पूर्व छात्रों में सिद्दीपेट के एन स्वामी, आदिलाबाद के बी अमरेंदर (2008 बैच), हैदराबाद के सीएच आदिकेशव रेड्डी, नलगोंडा के एस साई चरण (2009), निजामाबाद की जी निखिला, नलगोंडा के सी भवानी (2011), सिद्दीपेट के एल श्रीकांत (2012) और वानापर्थी की एम कविता (2014) शामिल हैं। अन्य प्रमुख पदों पर चयनित छात्रों में सहायक आबकारी अधीक्षक डी श्रीराम कुमार (2008), वाणिज्य कर अधिकारी वी राजेश (2009), एमपीडीओ एम सुरेश (2011) और एक अन्य छात्र शामिल हैं। आरजीयूकेटी-बसार के कुलपति और ओएसडी ई. मुरली ने सभी सफल छात्रों की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय ने सरकारी नौकरी के इच्छुक छात्रों को प्रेरित करने के लिए सफल उम्मीदवारों के साथ बैठक आयोजित करने की योजना भी बनाई है।

मूसी नदी में जलस्तर घटने के साथ प्रभावित परिवार लौटे घर

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी नदी का जलस्तर धीरे-धीरे कम होने के साथ चादरघाट, किशनबाग और नरसिंगी के प्रभावित परिवार रविवार को अपने घर लौटने लगे। हिमायतसागर और उस्मानसागर के गेट खोलने के बाद नदी के किनारे बसे कई आवास जलमग्न हो गए थे। विकाराबाद और अन्य जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण जलाशयों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे कई इलाके प्रभावित हुए।

कमलानगर निवासी शेख समीर ने कहा कि गेट खोलने के बाद पानी तेजी से बढ़ गया था और अधिकारियों द्वारा समय पर सूचना न मिलने के कारण उनका सामान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। रविवार को कई परिवारों ने घरों से पानी साफ किया। बच्चे सामान सुरक्षित स्थान पर ले जा रहे थे, जबकि पुरुष और महिलाएं घर की सफाई में जुटे थे।

चादरघाट के मोहम्मद मतीन ने कहा कि लोग कुछ और दिनों तक घर लौटने से रोक रहे थे, लेकिन घरों में पानी होने और नुकसान के कारण उन्हें इंतजार नहीं करना पड़ा।

किशनबाग के असद बाबा नगर में झुग्गी बस्तियों के कई घर भी पानी में डूब गए थे। 'टर्मिनेट हंगर' फाउंडेशन के स्वयंसेवक और स्थानीय एआईएमआईएम कार्यकर्ता प्रभावित परिवारों को भोजन वितरित कर राहत प्रदान कर रहे हैं।

प्रभावित इलाकों में सफाई अभियान शुरू

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी नदी के उफान के बाद चादरघाट और आसपास के रिहायशी क्षेत्रों में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे कम होना शुरू हो गया है। बाढ़ से घरों में कीचड़, गिरे हुए पेड़-पौधे और ढेर सारा कचरा भर गया था। घरों का सामान, फर्नीचर, कपड़े, बर्तन और पूजा सामग्री बिखर गए थे। जलमग्न शिव मंदिर की हुंडी और पूजा सामग्री भी क्षतिग्रस्त हो गई। जीएचएमसी के सफाई कर्मचारियों ने प्रभावित इलाकों की सफाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि सफाई अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक सभी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती। कीटाणुनाशक का छिड़काव करके बीमारियों के प्रकोप को रोकने के उपाय भी किए जा रहे हैं। इस बीच कार्यकर्ताओं ने मूसारामबाग पुल पर नदी से मलबा हटाने और ड्रेजिंग का अभियान चलाया। प्रभावित परिवारों को नाश्ता वितरित किया गया और जन स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं।

मंजीरा नदी उफान पर

येल्लापुर पुल और आसपास के इलाकों में यातायात बंद

मेदक, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंजीरा नदी में पानी का बहाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है और येल्लापुर पुल के ऊपर से गुजर रहा है। यह पुल पापन्नापेट मंडल के येल्लापुर गांव में हैदराबाद-मेदक रोड को एडुपायला मंदिर से जोड़ता है। सिंचाई विभाग के अनुसार सिंगूर जलाशय के 10 गेट खोलकर 90,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि नदी में 1.5 लाख क्यूसेक से अधिक पानी आ रहा है। भारी बारिश के चलते संगारेड्डी और मेदक में जलस्तर और बढ़ गया है। एहतियातन पुल पर यातायात रोक दिया गया है। नदी का पानी एडुपायला के पास अन्य तीन पुलों पर भी बह रहा है, जिससे आवागमन बाधित हो गया है। उफनते पानी से मंदिर के पास बने प्रसाद काउंटर और अस्थायी शेड बह गए हैं। जिले की कई नदियां, झीलें और जलाशय भी लगातार बारिश से उफान पर हैं।

मछली पकड़ते समय युवक की नदी में डूबने से मौत

मंचेरियल, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके रल्लावागु में रविवार को मछली पकड़ते समय 25 वर्षीय युवक चिंताला राकेश दुर्घटनावश बह गया।

वह एनटीआर कॉलोनी का निवासी था और नदी में जाल डाल रहा था, तभी नदी के उफान पर होने के कारण वह बह गया। पुलिस ने बताया कि नदी के ऊपरी हिस्सों में भारी बारिश के कारण जलस्तर बढ़ा हुआ था। राकेश का शव घटनास्थल से लगभग 100 मीटर दूर बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी आर प्रकाश और इंस्पेक्टर एस प्रमोद राव मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। राकेश को खोजने के लिए विशेषज्ञ तैराकों को लगाया गया था।

हैदराबाद में अपराध दर में 17 प्रतिशत की कमी

संपत्ति अपराधों और साइबर अपराधों में गिरावट, दहेज हत्या के मामले बढ़े

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में पिछले 11 महीनों में अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक हैदराबाद पुलिस ने 31,533 एफआईआर दर्ज कीं, जबकि इससे पहले की समान अवधि में यह संख्या 38,206 थी। यानी कुल अपराधों में 17 प्रतिशत की कमी आई है।

पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि साइबर अपराधों में 14 प्रतिशत, अपहरण के मामलों में 12 प्रतिशत और हत्या के मामलों में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधों की जांच में सफलता दर 40 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत हो गई है। संपत्ति संबंधी अपराधों में भी गिरावट आई है। सितंबर 2023 से अगस्त 2024 के बीच जहां 5484 मामले दर्ज हुए थे, वहीं सितंबर 2024 से अगस्त 2025 के बीच 4082 मामले दर्ज किए गए, जो 26 प्रतिशत की कमी दर्शाता है।

महिला संबंधी अपराधों में भी कई मामलों में कमी आई है। बलात्कार के मामलों में 23 प्रतिशत, अपहरण में 10 प्रतिशत और महिलाओं से दुर्व्यवहार के मामलों में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि दहेज हत्या के मामलों में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सीवी आनंद ने कहा कि हैदराबाद पुलिस ने शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए एक टीम की तरह मिलकर काम किया है और इसी का नतीजा है कि अपराध दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

एसपी-बीजेपी होर्डिंग वार

'आई लव योगी आदित्यनाथ' के बाद 'आई लव अखिलेश यादव' और 'आई लव पीडीए' की लगी होर्डिंग्स

लखनऊ, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 'आई लव मोहम्मद' से उठा विवाद अब भाजपा-सपा के बीच होर्डिंग्स वार में बदल चुका है। एक दिन पहले यानी शनिवार को भाजपा नेताओं ने राजधानी की सड़कों पर 'आई लव योगी आदित्यनाथ' और 'आई लव बुलडोजर' लिखी होर्डिंग्स लगाई। इस पर दिनभर चर्चा चली। अब रविवार की सुबह लखनऊ में सपा नेताओं की होर्डिंग्स दिखाई दे रही हैं। इसमें 'आई लव अखिलेश यादव', 'आई लव पीडीए' और 'आई लव शिक्षा, विकास, रोजगार' समेत कई स्लोगन लिखे गए हैं।

अब होर्डिंग्स सामने आने के बाद राजनीतिक विश्लेषक इसे हमेशा की तरह सपा और भाजपा के बीच एक होर्डिंग्स के जरिये कोल्ड वार मानकर चर्चा कर रहे हैं। पिछले कुछ समय से राजनीतिक पार्टियों का होर्डिंग्स और पोस्टर के माध्यम से एक-दूसरे को जवाब देने का तरीका काफी चर्चा में रहता है। अब सपा के समर्थन में लगी ये होर्डिंग्स सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विवेक सिंह यादव और सपा के पूर्व प्रदेश सचिव अबनींद्र यादव की तरफ से लगाई गई है।

दशहरा मेला में जमकर बरसेंगे बादल

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी सहित 25 जिलों में बादल छाए रहने के साथ मेघ गर्जन और वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी की गई है। अधिसंख्य भागों में 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार अगले तीन अक्टूबर तक प्रदेश के अधिसंख्य भागों में बादल छाए रहने के साथ कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन व वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। दो अक्टूबर को प्रदेश के किशनगंज, अररिया एवं पूर्णिया जिले में भारी वर्षा को लेकर चेतावनी जारी किया गया है।

बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अलग-अलग भागों में वर्षा दर्ज की गई। गया जी के डुमरिया में सर्वाधिक वर्षा 38.6 मिमी दर्ज की गई।

प्रमुख शहरों में वर्षा की स्थिति

गयाजी के डोभी में 32.8 मिमी, इमामगंज में 32.8 मिमी, बक्सर में 28.6 मिमी, शेरघाटी में 26.8 मिमी, मोहनिया में 24.8 मिमी, पटना के धनरूआ में 22.2 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा रोहतास में 21.8 मिमी, नवादा के अकबरपुर में 17.6 मिमी, रोहतास के दिनारा में 17.2 मिमी, भोजपुर के पीरो में 16.2 मिमी, रोहतास के चेनारी में 16.0 मिमी दर्ज की गई। साथ ही समस्तीपुर के मोहनपुर में 15.8 मिमी एवं औरंगाबाद के कुटुंबा में 15.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

योगी बोले- बिना मांगे जहन्नुम का टिकट कटा देंगे

लातों के भूत बातों से नहीं मानते

बलरामपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में जुमे पर 'आई लव मोहम्मद' को लेकर हुए बवाल पर सीएम योगी ने कहा- अराजकता कतई स्वीकार नहीं है। बिना मांगे जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे। लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इनको लगता है कि सरकार अब भी झुककर काम करेगी, लेकिन अब दुस्साहस करोगे तो वैसे ही पिटोगे, जैसे बरेली में पीटे गए। इन मूर्खों को पता नहीं कि आस्था को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है। जिन बच्चों के हाथों में कलम होनी चाहिए, उनके हाथों में 'आई लव मोहम्मद' का पोस्टर देकर अराजकता फैला रहे हैं।

ड्रोन-चोरी के नाम पर भय फैलाने वालों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई होगी। उनकी संपत्ति जब्त होगी। सीएम ने बलरामपुर में रविवार को ये बातें कहीं। उन्होंने यहां 825.29 करोड़ रुपए की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इससे पहले योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में आदिशक्ति मां पाटेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान बच्चों को देखकर उनके पास पहुंचे। हाल-चाल जाना, उन्हें चॉकलेट दी। इसके बाद सीएम ने गोशाला में चारा और गुड़ खिलाया।

गजवा-ए-हिंद देश में नहीं चलेगा

कुछ लोग भारत में रहते हैं, मगर गजवा-ए-हिंद का नारा देकर देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। गजवा-ए-हिंद भारत की धरती पर नहीं होगा। यह धरती महापुरुषों की भूमि है। यह देश उन महापुरुषों के आदर्शों पर चलता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। गजवा-ए-हिंद की कल्पना की तो जहन्नुम का टिकट बन जाएगा। छद्म रूप में भी जो लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त हैं, वे कान खोलकर सुन लें, देर-सवेर उनका भी छांगुर जैसे हाल होगा।

छांगुर बाबा जैसे लोगों से सतर्क रहिए

जलालुद्दीन ने अपना नाम छांगुर बाबा रख लिया था। इससे वह हिंदू समाज की आंखों में धूल झोंक रहा था। पापी कितना भी अपने पाप छिपाने का प्रयास करे, पाप का घड़ा भरना ही है। ऐसे लोगों को धरती माता कभी बर्दाश्त नहीं कर पाएगी। हमें ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा।

बरेली बवाल पर कहा- अराजकता फैलाने पर कीमत चुकानी होगी

एक तरफ विकास लगातार हो रहा है, दूसरी तरफ कुछ ऐसे तत्व हैं जो विकास में बाधा डाल रहे हैं। वे त्योहारों में व्यवधान उत्पन्न करना चाहते हैं और अराजकता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर आप विकास में बाधा बनेंगे तो मानकर चलिए यही विकास सबसे पहले आपके विनाश का कारण बनेगा। पिछले आठ साल में कुछ नहीं कर पाए, अब नए तौर-तरीके अपना रहे हैं, जितना सोचते हैं, उसकी तुलना में हमारी तैयारी ज्यादा है। अगर त्योहारों में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया तो इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी;

शारदा इंस्टीट्यूट का मैनेजर चैतन्यानंद सरस्वती आगरा के होटल से गिरफ्तार

आगरा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपों में घिरे प्रबंधन संस्थान के मैनेजर चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को दिल्ली पुलिस ने देर रात ताजगंज क्षेत्र के होटल से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार शाम से वह होटल में रुका था। दिल्ली पुलिस होटल के कमरे में 15 मिनट की पूछताछ के बाद उसे अपने साथ ले गई। आगरा पुलिस इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है। मगर, होटल के स्टाफ के साथ ही रिकॉर्ड से भी इसकी पुष्टि हो रही है। दिल्ली में बसंत कुंज स्थित शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के मैनेजर चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी पर पीजी डिप्लोमा कर रहीं छात्राओं ने छेड़छाड़ और अश्लील हरकत के आरोप लगाए थे। छात्राओं की शिकायत पर संस्थान प्रबंधन ने चार अगस्त को थाने में शिकायत दी थी, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। आरोपित की लोकेशन बुधवार को आगरा में मिली थी। इसके बाद ही पुलिस सक्रिय हो गई। आरोपित का लुक आउट नोटिस भी जारी किया गया था। दिल्ली पुलिस शनिवार रात तीन बजे ताजगंज क्षेत्र में फतेहाबाद रोड स्थित होटल फर्स्ट में पहुंची।

होटल के कर्मचारी भरत ने बताया कि सादा कपड़ों में दिल्ली क्राइम ब्रांच के दो अधिकारी होटल में आए थे। उन्होंने स्वामी रजिस्टर चेक किया। रजिस्टर की एंट्री देखने के बाद वे होटल के कमरा नंबर 101 में रुके स्वामी पार्थसारथी के पास पहुंचे। कमरे में करीब 15 मिनट तक रुककर उन्होंने पूछताछ की। इसके बाद वह लगेज के साथ स्वामी पार्थ सारथी को अपने साथ ले गए।

नेपाल से आ रही बस में गांजा बरामद केरल के दो आरोपी यात्री गिरफ्तार

गोरखपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कस्टम विभाग की टीम ने नेपाल से भारत आ रही बस की जांच के दौरान केरल के दो लोगों को गोजर में 14.376 किलोग्राम गांजा/मारिजुआना छुपाकर लाने के मामले में दबोचा। 142 छोटे प्लास्टिक के पैकेटों में इस मादक पदार्थ को भरकर नए वाटर स्टोरेज हीटरों में छुपाया गया था। मामले में दोनों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस) की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एनडीपीएस), सिद्धार्थनगर की अदालत में पेश करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

स्थल सीमा शुल्क चौकी, खुनवा, सिद्धार्थनगर के अधिकारियों के द्वारा नेपाल से भारत आने वाली नेपाली बस की सामान्य जांच की जा रही थी। गांजा/मारिजुआना (हाइड्रोपोनिक वीड) होने के संदेह में किए गए बस में लदे नए वाटर स्टोरेज हीटरों (गीजरों) की जांच की गई। इन नए वाटर स्टोरेज हीटरों के टैंक में 142 छोटे वैक्यूम पैक प्लास्टिक कवरिंग पैकेट मादक पदार्थों से भरे हुए मिले।

बरामद हरे रंग की सामग्री प्रथम दृष्टया गांजा/ मारिजुआना (हाइड्रोपोनिक वीड) प्रतीत हुआ। वाटर स्टोरेज हीटरों के टैंकों में हीटिंग कॉइल को निकाल कर उनमें इस मादक पदार्थों को छोटे 142 वैक्यूम पैक प्लास्टिक कवरिंग पैकेट में वाटर स्टोरेज हीटरों के टैंकों में छिपा दिया था। प्रत्येक पैकेट का वजन लगभग 101 ग्राम था।

इन्हें केरल राज्य निवासी दो भारतीय नागरिक मुहम्मद इहतिशाम और मोहम्मद राशिद द्वारा भारत में तस्करी कर लाया गया था। दोनों 22 सितंबर को बैंकाक से काठमांडू हवाई अड्डे पर उतरे थे। इसके बाद बस से भारत आ रहे थे। एनडीपीएस पदार्थ गांजा का शुद्ध वजन 14.376 किलोग्राम है और इसका अनुमानित मूल्य 14,37,60,000 रुपये बताया जा रहा है।

बाघ के आतंक से दहशत में लोग

पीलीभीत, 28 सितंबर (एजेंसियां)। टाइगर रिजर्व क्षेत्र के माला इलाके के कंजा हरैया गांव के बैहवा फार्म के पास रविवार सुबह करीब पांच बजे बाघ ने नीलगाय को अपना शिकार बना लिया। धान की फसल को देखने पहुंचे किसान ने नीलगाय को खेत में पड़ा देखा। जिसके शोर करने पर आसपास के अन्य किसान पहुंच गए, जिनकी सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम बाघ की तलाश में जुट गई है। रविवार सुबह करीब पांच बजे बैहवा फार्म के पास कंजा हरैया निवासी किसान शरणजीत अपनी धान की फसल को देखने गए थे। जिन्हें धान के खेत में नील गाय का शव पड़ा दिखा। शोर करने पर आसपास के अन्य किसान आ गए। जिनके द्वारा आसपास देखे जाने पर बाघ के पगचिन्ह मिले। जिन्हें देख सभी के होश उड़ गए और आसपास बाघ होने के अनुमान पर उन्होंने वन विभाग की टीम को सूचना दी। सूचना पर पहुंची टीम ने नीलगाय के शव को खेत से बाहर निकलवा कर बाघ की तलाश शुरू कर दी।

योगी सरकार के कामकाज पर ऐतराज जताया

इकरा हसन की आई लव मोहम्मद विवाद में एंट्री, योगी सरकार पर बोलीं- तानाशाही से रुकेंगे नहीं

कैराना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आई लव मोहम्मद विवाद की आग फैलती जा रही है। इसके बीच में कैराना सीट से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने भी योगी सरकार के तरीके पर ऐतराज जताया है। इकरा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार को संविधान से लेकर नागरिक अधिकारों तक का पता नहीं है। तानाशाही से कोई रुकेगा नहीं और इनको जनता ही मिट्टी में मिला देगी।

इकरा हसन ने कहा- 'उत्तर प्रदेश में तो जो सरकार चल रही है उन्हें ना तो संविधान का पता है और ना ही इस देश के नागरिकों के अधिकारों का पता है। किस तरह की कानून व्यवस्था इस देश में चल रही है।' गौरतलब है कि एक पक्ष विशेष की तरफ से दावा किया गया कि जुलूस के दौरान पोस्टर लगाने को लेकर विवाद के बाद मुस्लिम युवाओं के खिलाफ मुकदमा किया गया। इसके बाद अलग-अलग जगहों पर प्रदर्शन और विरोध शुरू हो गया। बरेली में तो बवाल और दंगे की नौबत आ गई। सपा सांसद ने कहा- ये समझ में नहीं आ रहा है क्योंकि कोई अभद्र टिप्पणी करे उसे पर समझ में आता है। लेकिन एक त्यौहार पर अगर अपने मजहब के लिए कोई अच्छी बात कह रहा है।

आई लव मोहम्मद हुजूर पाक सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के लिए कहा गया, जिन्होंने हमेशा अमन और भाईचारे की बात की। पूरे दुनिया भर में उनके चाहने वाले लोग इस तरह के फरमानों से और इस तरह की तानाशाही से रुकेंगे नहीं। कोई भी नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा- मैं यह समझती हूं कि सरकार को सोचना चाहिए कि किस तरीके से हर मजहब पर अगर इसी तरीके से आपत्ति लगने लगे तो कहां हम खड़े होंगे। क्या हमारे देश के लोग हमसे सवाल करेंगे। यह बहुत ही गलत हरकत है और हम इसके सख्त खिलाफ हैं। और यह सरकार जो है यह दिन पर दिन इनका स्तर गिरता जा रहा है और इनको मिट्टी में मिलाने का काम यह जनता ही करेगी।

वोट चोरी को लेकर निर्वाचन आयोग से कांग्रेस ने उठाए तीखे सवाल- 'अब बिलबिला रही है भाजपा'

वाराणसी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि वोट चोरी को लेकर हमारे नेता राहुल गांधी भारत निर्वाचन आयोग से सवाल कर रहे हैं। वोट चोरी का साक्ष्य दे रहे हैं, जांच कराने की मांग कर रहे हैं लेकिन बिलबिला भाजपा रही है। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जवाब दे रहे हैं। आपको तो यह कहना चाहिए था कि आरोप जो भी लग रहे हैं, लोकतंत्र की गरिमा के लिए निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लेकिन आप आयोग बन कर स्वयं जवाब देने लगे। सरकार की नीति नीयत देश की जनता देख व समझ रही है।

कांग्रेस के मैदागिन स्थित राजीव भवन में बनारस के राजनीतिक-नागरिक व सामाजिक नेतृत्व के तत्वावधान में वोट चोरी को लेकर आयोजित मतदाता अधिकार सम्मेलन में कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि लोकतंत्र में जनता के पास सबसे बड़ा अधिकार, हथियार वोट है। इसकी रक्षा होनी चाहिए। सत्ता की चाबी जनता के पास होनी चाहिए लेकिन सरकार इसे छिनने पर लगी हुई है। सरकार किसान, महिलाएं और नौजवानों को डरा रही है। लाठी से पीट रही है। राजनीति पार्टियों के साथ ही भी यही हथकंडा अपना रही है।

हाल ही में राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया गया। सरकार तानाशाह हो गई है। इसे अलोचना बिल्कुल पसंद नहीं है। यह इतिहास रहा है कि तानाशाह डरपोक होता है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने मीडिया को भी सरकार से सही सवाल न पूछने पर कठघरे में खड़ा किया। कहा कि बेरोजगारी, पेपर लीक, महंगाई और अडानी से जुड़ी लूट जैसे मुद्दों पर क्यों चुप हैं। सम्मेलन के दौरान उन्होंने बिहार चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि जनता हमारे साथ है।

सरकार चाहे जितना जोर लगा ले, चुनाव हम जीतेंगे। सम्मेलन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बिहार में महिलाओं को बीस हजार रुपये सरकार की ओर से देने के सवाल पर कहा कि इसके पहले भी तो इन्हीं की सरकार थी। इससे पहले क्यों नहीं दिए। लालीपाप का झांसा अब नहीं चलने वाला। सम्मेलन में विद्या आश्रम जनांदोलन के अगुवा सुनील सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कई बार वाराणसी संसदीय चुनाव में धांधली की बात उठा चुके हैं। इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से कराने की मांग होनी चाहिए। उन्होंने नागरिक समाज की भूमिका में राजनीतिक पार्टियों को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

यह काम राजनीतिक पार्टियां करेंगी तो कमजोर होंगी। हालांकि इस पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि बिल्कुल सही बात है लेकिन समाज को वोट चोरी का प्रकरण साक्ष्य के साथ देना चाहिए था। पीयूसीएल बिहार के महासचिव सरफराज काशी जरूर आए लेकिन तबीयत ठीक न होने के कारण सम्मेलन में भाग नहीं लिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजीव सिंह ने पराड़कर भवन में कार्यक्रम रद कराए जाने का मामला उठाते हुए कहा कि यह बीजेपी की घबराहट है।

यह अपनी आलोचना सुनना ही नहीं चाहते हैं। एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक राणा रोहित ने छात्रसंघ बहाली, फ़ीस वृद्धि और विश्वविद्यालय के भीतर जारी लोकतांत्रिक दमन के खिलाफ आवाज उठाई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व बीएचयू के पूर्व अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार तानाशाही कर रही है और पिछले चुनाव में वोट चोरी करके जीतने वाली सरकार के खिलाफ आज गली-गली में नारे लग रहे हैं।

तेजप्रताप बोले- नीतीश महिलाओं को पकड़ते हैं, केस होना चाहिए

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी और कैंडिडेट को लेकर मंथन चल रहा है। सीट शेरिंग को लेकर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में मीटिंग का दौर जारी है। इस बीच चुनाव तारीखों का जल्द ऐलान होने के कयास लगाए जा रहे हैं। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार बिहार दौरे पर आ रहे हैं। इधर, लालू यादव के बेटे तेजप्रताप यादव ने सीएम नीतीश पर सियासी वार किया है। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार 4 और 5 अक्टूबर को बिहार दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद चुनाव की घोषणा होगी।

यह जानकारी भारत निर्वाचन आयोग के सहायक निदेशक अपूर्व कुमार सिंह ने दी है। इससे पहले बिहार चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों (सामान्य, पुलिस और व्यय) की समीक्षा बैठक 3 अक्टूबर को दिल्ली में होगी। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के बिहार दौरे की तैयारी चल रही है। पटना में बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मुख्य सचिव, डीजीपी, केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों, प्रमंडलीय आयुक्त, सभी जिलों के डीएम, एसएसपी, एसपी के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इससे पहले वे 30 सितंबर को सभी के साथ ऑनलाइन मीटिंग करेंगे। इस दौरे को चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले का रिव्यू माना जा रहा है।

नीतीश महिलाओं को पकड़ लेते हैं केस होना चाहिए- तेजप्रताप यादव

नीतीश कुमार के लालू यादव को 'ससुर' कहने पर तेज प्रताप यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, महिलाओं को पकड़ लेना, अभद्र भाषा का इस्तेमाल यह सब तो करते रहे हैं, हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि उन पर मुकदमा हो। तेजप्रताप यादव ने ये बातें शनिवार को महुआ दौरे के दौरान कही। तेज प्रताप यादव ने महुआ विधानसभा क्षेत्र से राजद विधायक मुकेश रौशन को 'निकम्मा' बताया है। उन्होंने क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी को लेकर यह आरोप लगाया। तेज प्रताप यादव ने एक जर्जर सड़क की गिट्टी उठाकर दिखाई और कहा कि विधायक ने क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं किया है। उन्होंने विधायक पर महुआ के विकास के नाम पर 'लूट' का आरोप भी लगाया।

'मोहम्मद से हर मुस्लिम को प्यार, तमाशा करने की जरूरत नहीं' बरेली की घटना पर बोले इमरान मसूद

सहारनपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में 'आई लव मोहम्मद' अभियान को लेकर उठे विवाद और हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच सांसद इमरान मसूद ने कहा कि मस्जिदें नमाज के लिए होती हैं, सड़क पर हिंसा के लिए नहीं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, "मस्जिदें नमाज के लिए होती हैं, सड़क पर हिंसा के लिए नहीं। हर मुसलमान को मोहम्मद से प्यार है और इसे जाहिर करने के लिए कोई तमाशा खड़ा करने की जरूरत नहीं है।" कांग्रेस सांसद ने मुसलमानों से मोहम्मद के प्रति प्रेम दिखाने के लिए सड़कों पर तमाशा खड़ा करने के बजाये उनके सिद्धांतों का पालन करने की अपील। मसूद ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या हो रहा है लेकिन यह किसी भी हालत में जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि मौलानाओं (मुस्लिम धर्मगुरुओं) को भी आगे आकर इसे रोकना चाहिए।

'हमारे हाथ-पैर मत काटिए एक बार में ही मरवा दीजिए'

राजा भैया की बेटी राघवी ने अपने पिता पर लगाए गंभीर आरोप

प्रतापगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। राजा भैया और उनकी पत्नी भावनी सिंह के बीच चल रहा विवाद फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब उनकी बेटी राघवी सिंह भी खुलकर अपने पिता राजा भैया के विरोध में उतर आई हैं। राघवी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपने पिता उत्तर प्रदेश के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। वायरल हो रही वीडियो में राघवी कुमारी ने सार्वजनिक रूप से अपने पिता के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। राघवी कुमारी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से सवाल करते हुए आरोप लगाया कि उनकी मां भावनी सिंह के खिलाफ सरकार के संरक्षण में फर्जी मुकदमें दर्ज कराए जा रहे हैं। राघवी ने आगे कहा कि हमलोगों के हाथ-पैर मत काटिए, एक ही बार में मुझे, मेरी मां और बहन को मरवा दीजिए।

यूपी सरकार पर भी राघवी ने लगाए आरोप राजा भैया की बेटी राघवी कुमारी ने कहा कि हम बहुत त्रस्त होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग कर रहे हैं कि हमें हमारी मां को और हमारी बहन को एक बार में ही मरवा दीजिए। लेकिन इस तरह धीरे-धीरे करके हम लोगों के हाथ पैर मत काटिए। उन्होंने कहा कि फर्जी मुकदमे बाजी मां पर सरकार के समर्थन से किए जा रहे हैं, इसकी पीड़ा हम लोग झेल नहीं पाएंगे। राघवी ने बताया कि एक नया क्रिमिनल केस किसी अनजान अजय सिंह राणा ने कराया है। इस मामले में मेरी मां पर निराधार आरोप लगाकर उन्हें फैजाबाद बुलाया जा रहा है। वहां हम लोग कभी भी नहीं गए हैं।

'मां की रिब्स टूट गई थीं और फेफड़ों में खून चला गया था'

मां के स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति का उल्लेख करते हुए राघवी ने बताया कि डोमेस्टिक वायलेंस के दौरान उनकी मां की रिब्स टूट गई थीं और फेफड़ों में खून चला गया था, जिसे बाद में बदल दिया गया। अब उनके फेफड़ों का प्रभावित हिस्सा सही ढंग से काम नहीं कर पा रहा है। एम्स दिल्ली की रिपोर्ट भी रिब्स के गलत जुड़ने और स्थायी नुकसान की पुष्टि करती है।

रोडवेज बस और वैन की टक्कर से मासूम समेत पांच की मौत

लखीमपुर खीरी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के खीरी थाना क्षेत्र में रविवार को सुबह करीब आठ बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। लखीमपुर-सीतापुर मार्ग के ओयल मोड़ पर रोडवेज बस और कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में मासूम बच्चे समेत पांच की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। इनमें छह गंभीर घायलों को लखनऊ रेफर किया गया है। उधर, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के मुताबिक रोडवेज बस लखीमपुर से लखनऊ जा रही थी। सवारियों से भरी वैन सीतापुर से लखीमपुर आ रही थी। इसमें 15 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि ओयल मोड़ पर रोडवेज बस और वैन की आमने-सामने से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही थाना पुलिस पहुंच गई। क्षतिग्रस्त वैन से घायलों को बाहर निकाला और जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में दो साल का बच्चा भी शामिल है। हादसे में घायल नौ लोगों में से छह की हालत गंभीर बताई गई है। गंभीर घायलों को लखनऊ रेफर किया गया है। तीन का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। रोडवेज बस में सवार किसी को भी चोट नहीं आई है।

रेड लाइट एरिया में लड़की की कीमत 15 हजार

बेगूसराय, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में लड़कियों और महिलाओं को बहला-फुसलाकर वेश्यावृत्ति कराने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। बखरी थाने की पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक महिला को भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार तस्कर छोटू यादव उर्फ छोटू कुमार(26) समस्तीपुर जिला के नगर थाना क्षेत्र स्थित काशीपुर लखना चौक का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार छोटू अब तक 12 से अधिक लड़की और विवाहित महिला को अपने जाल में फंसाकर रेड लाइट एरिया में बेच चुका है। एसपी मनीष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। एक व्यक्ति अनजान लड़की को बाहर से बेचने के लिए बखरी लेकर आया है। वह नदैल घाट रेड लाइट एरिया का कई जगह चक्कर लगा रहा है। अधिक रुपए के लिए, जगह-जगह मोल भाव कर रहा है। पुलिस की पूछताछ में महिला ने बताया कि पति से बराबर घरेलू मामले को लेकर झगड़ा होता था। इसी से तंग आकर घर से निकल गई, स्टेशन पर पहुंची तो छोटू ने भांप लिया। काम दिलाने का झांसा देकर साथ रख रहा था। बहला-फुसलाकर ले आया और बेचना चाहता है।

ईसाई और मुस्लिम मिलकर हर माह दो लाख हिंदुओं का करा रहे हैं धर्मांतरण : गोपाल राय

विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष का सनसनीखेज खुलासा

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा नादिमपल्ली यमुना पाठक द्वारा मिनी शिल्पाराम हॉल में आयोजित भारत गौरव सनातन सम्मान समारोह कार्यक्रम में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस कार्यक्रम के दौरान गोपाल राय ने एक बेहद सनसनीखेज खुलासा करते हुए कहा है कि देशभर में हर महीने दो लाख से अधिक हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कर उन्हें ईसाई या मुसलमान बनाया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब एक संगठित साजिश के तहत हो रहा है, जिसमें लव जिहाद, लैंड जिहाद और शिक्षा जिहाद जैसे हथियारों का प्रयोग किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छांगुर बाबा प्रकरण के बाद अब एक बार फिर देश के पांच राज्यों कर्नाटक, मध्यप्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र एवं खुद उत्तर प्रदेश से धर्मांतरण के पीड़ित मेरे पास पहुंचे हैं। इन लोगों को लालच देकर, धोखे से, प्यार में फंसाकर और कई बार डराकर धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया है।

उन्होंने विशेष रूप से ईसाई मिशनरियों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि हिंदू बहुल क्षेत्रों में मिशनरी संगठन प्रार्थना सभाओं के नाम पर हिंदुओं को बहकाते हैं, और फिर उन्हें पैसे, शिक्षा, नौकरी और इलाज जैसी सुविधाओं का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करते हैं।

गोपाल राय ने यह भी कहा कि मुस्लिमों के किताबों में यह बात लिखा हुआ है कि ईसा मसीह मुस्लिमों के साथ मिलकर काफिरों के खिलाफ जिहाद करेंगे और इस प्रकरण के बाद तो अब यही लग रहा है कि दोनों समुदाय के लोग मिलकर हिंदुओं के खिलाफ अलग अलग रूप में जिहाद शुरू कर दिए हैं।

यह न केवल धार्मिक असंतुलन की साजिश है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों को खोखला करने का प्रयास है। उन्होंने केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि यह साजिश नहीं रोकी गई, तो आने वाले समय में भारत की पहचान खतरे में पड़ सकती है।

उन्होंने हिंदू समाज से आह्वान किया कि अब समय आ गया है कि हम अपनी आंखें खोलें, संगठित हों और इस सुनियोजित षड्यंत्र का डटकर मुकाबला करें। धर्मांतरण रोकना अब सिर्फ कानून नहीं, राष्ट्र रक्षा का विषय है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से महंत योगी प्रशांत दास, संजय भाई, मुकेश राय, चंचल सुगंध, गुंजन राय एवं अन्य सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आरजीआई हवाई अड्डे पर बम की झूठी धमकी से हड़कंप

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने ईमेल भेजकर हवाई अड्डे परिसर में बम रखे होने की सूचना दी। सुबह 6.06 बजे सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया और सीआईएसएफ व स्थानीय पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली। प्रोटोकॉल के तहत बम खतरा आकलन समिति का गठन किया गया और मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार सभी कदम उठाए गए। आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हवाईअड्डा प्रबंधन ने कहा कि सभी परिचालन सामान्य रूप से जारी हैं।

ग्रुप-2 पदों के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-2 के परिणाम, जिनका सभी इच्छुक उम्मीदवार बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, जारी कर दिए गए हैं।

रविवार को टीजीपीएससी के अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम ने परिणाम जारी किए। कुल 783 पदों के लिए 782 चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी की गई। एक पद अदालती मामले के कारण लंबित रखा गया था। कुल 18 श्रेणियों के पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची टीजीपीएससी की वेबसाइट https://www.tspsc.gov.in / पर उपलब्ध है। कुल 783 पदों के लिए 1:1 अनुपात में उम्मीदवारों का चयन किया गया है और प्रमाणपत्रों की सत्यापन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी हो चुकी है। चयनित उम्मीदवारों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन 13 सितंबर से 15 सितंबर तक किया गया था। अंतिम प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही, टीजीपीएससी ने ग्रुप-2 पदों के लिए अंतिम परिणाम जारी कर दिए हैं। संभावना है कि समूह 3 के परिणाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे।

तेलंगाना में नई बारिश की चेतावनी, अगले सप्ताह भारी वर्षा का अनुमान

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में तीन दिनों की लगातार बारिश के बाद जैसे ही लोग राहत की सांस ले रहे थे, मौसम विभाग ने आने वाले सप्ताह में एक और बड़ी बारिश की संभावना जताई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-नई दिल्ली के अनुसार, 1 से 2 अक्टूबर के आसपास बंगाल की खाड़ी पर नई निम्न दबाव प्रणाली (एलपीए) बनने की संभावना है, जिससे अक्टूबर के पहले सप्ताह में व्यापक बारिश हो सकती है।

आईएमडी-हैदराबाद ने 2 से 4 अक्टूबर के बीच राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीजीडीपीएस) के आंकड़ों के अनुसार, 28 सितंबर तक राज्य में वास्तविक वर्षा 98.48 सेमी दर्ज की गई, जबकि सामान्य वर्षा 73.11 सेमी होती है। नए निम्न दबाव क्षेत्र के कारण कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

हवाई अड्डे पर वन्यजीव तस्करी का मामला उजागर

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक यात्री को पकड़ा, जो बैंकॉक से देश में वन्यजीव प्रजातियों की तस्करी कर रहा था। जांच के दौरान उसके बैग से एक मॉनिटर छिपकली, दो सिर वाला लाल कान वाला स्लाइडर कछुआ, चार हरे इगुआना और 12 अन्य इगुआना बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि यात्री शनिवार को बैंकॉक से हैदराबाद पहुंचा था। उसके चेक-इन बैग में इन जीवों को छिपाया गया था। बरामद प्रजातियों को जब्त कर लिया गया और उन्हें वापस बैंकॉक भेज दिया गया। यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

टीजीएसआरटीसी ने एमजीबीएस से बस सेवाएं फिर शुरू की

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी ने अपने यात्रियों को खुशखबरी दी है। हैदराबाद के एमजीबीएस में बसों का परिचालन शुरू हो गया है। शुक्रवार को मूसी नदी में भारी बाढ़ के कारण, एमजीबीएस परिसर में बाढ़ का पानी घुस गया। परिणामस्वरूप, टीजीएसआरटीसी ने एमजीबीएस बस स्टेशन से बसों का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। निगम ने अब तक हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों से एमजीबीएस से बसें चलाई हैं। बाढ़ का पानी कम होने के बाद, रविवार दोपहर से एमजीबीएस से आरटीसी बस संचालन बहाल कर दिया गया है। अधिकारियों ने तेलंगाना के सभी जिलों के लिए बसें उपलब्ध करा दी हैं। दशहरा उत्सव के अवसर पर एमजीबीएस में इस समय यात्रियों की भीड़ है। इस बीच, दशहरा उत्सव के मद्देनजर सिकंदराबाद स्थित जुबली बस स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है।

जेबीएस बस स्टैंड छुट्टियों में अपने गृहनगर जाने वाले यात्रियों से खचाखच भरा हुआ है। आरटीसी अधिकारी विशेष बसें चला रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि यात्रियों को कोई असुविधा न हो।

टी-चिप सेमीकॉन संविधान शिखर सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 27-28 सितंबर को हैदराबाद में आयोजित टी-चिप सेमीकॉन संविधान शिखर सम्मेलन 2025, ऐसे ऐतिहासिक परिणामों के साथ संपन्न हुआ जो भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य को आकार देने के लिए तैयार हैं। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेताओं, भारतीय नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और उद्योग जगत ने पहली बार 'सेमीकंडक्टर संविधान' का मसौदा तैयार किया- जो प्रतिभा, डिज़ाइन, विनिर्माण और अनुप्रयोगों में एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए एक मार्गदर्शक ढांचा है। उद्घाटन सत्र में मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू (आईटी एवं उद्योग, तेलंगाना), सांसद इटेला राजेंद्र, उपसभापति बंडा प्रकाश और पूर्व आईटी मंत्री पोन्नाला लक्ष्मैया ने भाग लिया, जिन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में तेलंगाना की भूमिका को रेखांकित किया। तेलंगाना के प्रमुख विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के साथ 18 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर एक प्रमुख आकर्षण रहे, जो टी-चिप की चार-स्तंभ रणनीति के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन समझौतों का उद्देश्य सेमीकंडक्टर प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम में शामिल करना, डिजाइन प्रयोगशालाएं स्थापित करना और संकाय सदस्यों तथा छात्रों के लिए वैश्विक अनुसंधान एवं नवाचार नेटवर्क में भागीदारी के अवसर पैदा करना है। इस शिखर सम्मेलन में व्यापक वैश्विक भागीदारी भी देखी गई। सीईओ सीसी चांग के नेतृत्व में नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी (एनवाईसीयू), ताइवान सेमीकंडक्टर रिसर्च इंस्टीट्यूट (टीएसआरआई), एआरएम और जीयूएस टेक्नोलॉजी के नेताओं ने अपने विचार साझा किए और भारत के सेमीकंडक्टर विजन को समर्थन देने का संकल्प लिया। इस गति को और बढ़ाते हुए, आईआईटी हैदराबाद ने अपनी पहली स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई चिप का अनावरण किया, जो भारत की बढ़ती डिजाइन क्षमताओं का एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर है। दो दिनों के दौरान, प्रतिनिधियों ने चिप वार्ता, समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर, पुरस्कार समारोह और उच्चस्तरीय नेटवर्किंग सत्रों में भाग लिया, जिसमें 2030 तक 15 लाख सेमीकंडक्टर पेशेवरों की वैश्विक प्रतिभा की कमी को पाटने पर चर्चा हुई- जिसमें भारत की 85,000 कुशल विशेषज्ञों की आवश्यकता भी शामिल है। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, मंत्री श्रीधर बाबू ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा, मैं संदीप कुमार मकथला और टी-चिप के माध्यम से तेलंगाना को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर लाने के उनके अथक प्रयासों की सराहना करता हूं। प्रतिभा से लेकर फैब तक- एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का उनका दृष्टिकोण समयोचित और प्रेरणादायक दोनों है। तेलंगाना सरकार टी-चिप पहल को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन देती है और इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेगी। टी-चिप के अध्यक्ष संदीप कुमार मकथला ने अपने समापन भाषण में कहा, यह शिखर सम्मेलन एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 18 विश्वविद्यालयों के आगे आने, वैश्विक नेताओं के अपनी आवाज़ उठाने और भारत के अपने आईआईटी हैदराबाद द्वारा अपनी चिप प्रदर्शित करने के साथ, हमने साबित कर दिया है कि तेलंगाना सिर्फ़ भाग नहीं ले रहा है- यह अब एक विचार नहीं है- यह अब एक आंदोलन है। तेलंगाना एक लॉन्चपैड है, लेकिन मिशन भारत और दुनिया के लिए है। शिखर सम्मेलन की सफलता को टीटीपीओसी (तेलंगाना प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी संघ) और स्प्रिंगसेमी का समर्थन प्राप्त था, जिसमें टी-चिप टीम- वामशी अनंगसिद्धि और बालकोंडिया- के समर्पित प्रयासों ने इस पहल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ मिलकर, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हैदराबाद भारत के सेमीकंडक्टर रोडमैप का केंद्र बिंदु बने।

मूसापेट में श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मन्दिर में आगामी 5 अक्टूबर को आयोजित मूर्ति प्रतिष्ठा एवं एक शाम गौमाता कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, श्रीमती नंदीनी मल्लू भट्टी को पधारने हेतु निमंत्रित करते हुए जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य।

आठ-लेन हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग परियोजना फरवरी 2026 में शुरू होगी

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लंबे समय से प्रतीक्षित हैदराबाद-विजयवाड़ा (एनएच-65) आठ-लेन विस्तार परियोजना की निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई है और फरवरी 2026 में इसका काम शुरू हो जाएगा, सड़क एवं भवन एवं छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने घोषणा की। रविवार को यहां एक बयान में, मंत्री ने कहा कि हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग इस क्षेत्र के सबसे व्यस्त और दुर्घटना-प्रवण गलियारों में से एक है। उन्होंने कहा, 17 ब्लैक स्पॉट की पहचान पहले ही की जा चुकी है और सुरक्षा बढ़ाने के लिए फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना में उच्चतम गुणवत्ता मानकों के साथ एक तेज गति वाला, दुर्घटना-मुक्त एक्सप्रेसवे बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पूरा होने के बाद, यह नया कॉरिडोर यात्रियों को हैदराबाद से विजयवाड़ा केवल दो घंटे में पहुंचने में सक्षम बनाएगा। कोमटिरेड्डी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में इस परियोजना में तेजी लाने के लिए नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी और केंद्र से उन्हें पूरा समर्थन मिला है। मंत्री ने यह भी बताया कि लगभग 230 किलोमीटर लंबे महत्वाकांक्षी भारत फ्यूचर सिटी-अमरावती ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और अनुमान जल्द ही अंतिम रूप दे दिए जाएंगे। मंत्री गडकरी ने इस कॉरिडोर के लिए अपना पूरा समर्थन दिया है, जो दोनों तेलुगु राज्यों के विकास में एक क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा।

सीवी आनंद ने एचसीएससी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस आयुक्त हैदराबाद तथा हैदराबाद नगर सुरक्षा परिषद (एचसीएससी) अध्यक्ष सीवी आनंद ने टीजीआईसीसीसी भवन में एचसीएससी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया।

आयुक्त ने कहा कि एचसीएससी की गतिविधियां बढ़ गई हैं और अधिक कर्मचारियों की भर्ती की जा रही है, टीम को समायोजित करने के लिए एक बड़े कार्यालय की आवश्यकता थी।

एचसीएससी के महासचिव सी. शेखर रेड्डी ने एचसीएससी कार्यालय के लिए स्थान आवंटित करने के लिए आयुक्त सी.वी. आनंद को धन्यवाद दिया और सदस्यों को एचसीएससी सुविधाओं का उपयोग करने और एचसीएससी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन समारोह में वी. राजशेखर रेड्डी, संयुक्त सचिव यातायात मंच, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीनिवास राव, संयुक्त सचिव भौतिक सुरक्षा मंच, श्री प्रवीण टी, संयुक्त सचिव साइबर सुरक्षा मंच, श्री प्रशांत, संयुक्त सचिव, सीएसआर मंच, श्रीमती गीता गोटी, कार्यकारी समिति सदस्य, श्री सतीश और अन्य सदस्य उपस्थित थे। विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था, जोएल डेविस, आईपीएस, संयुक्त आयुक्त यातायात, पुष्पा, डीसीपी एसएमआईटी, कविता डीसीपी साइबर अपराध, लावण्या डीसीपी डब्ल्यूएसडब्ल्यू भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। हैदराबाद नगर सुरक्षा परिषद (एचसीएससी) एक गैर-लाभकारी संस्था है जो शहर में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद नगर पुलिस आयुक्तालय, विभिन्न प्रतिष्ठानों, सरकारी एजेंसियों और नागरिकों को एक साथ लाती है। एचसीएससी मादक द्रव्य-निरोधक, महिला सुरक्षा, यातायात सुरक्षा, बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करती है। सहयोग और साझेदारी के माध्यम से, एचसीएससी जागरूकता पैदा करने, प्रभावी रणनीतियों को लागू करने और सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करती है।

हैदराबाद का बाढ़ इतिहास 400 वर्ष पुराना

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर बाढ़ से लगातार जूझता रहा है और इसका इतिहास साढ़े चार शताब्दियों से भी पुराना है। शहर के निर्माण से पहले 1572 ईस्वी में आई पहली रिकॉर्डेड बाढ़ ने पुराने पुल के निर्माण की वजह बनी। 1592 ईस्वी में शहर के निर्माण के बाद, 1631 में एक भीषण बाढ़ आई, जिससे पुरानापुल टूट गए और नए शहर के घनी आबादी वाले इलाके पानी में बह गए। 1831 में भी भारी बाढ़ आई, जिससे जनहानि हुई और निर्माणाधीन चादरघाट पुल क्षतिग्रस्त हो गया।

1908 की विनाशकारी बाढ़ के बाद मैसूर के दीवान सर एम. विश्वेश्वरैया ने मूसी नदी में बाढ़ रोकने के उपाय सुझाए। तत्कालीन निजाम सरकार ने नदी किनारे घरों के पुनर्निर्माण को हतोत्साहित किया और मकान मालिकों को सुरक्षित दूरी पर जमीन आवंटित करने के निर्देश दिए। तेलंगाना राज्य अभिलेखागार के अनुसार, 1903 में भी मध्यम तीव्रता की बाढ़ आई थी, जिसने पुराने शहर के कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया। इस तरह, हैदराबाद में बाढ़ का सिलसिला सदियों से शहर की योजना और निर्माण पर असर डालता रहा है।

कौन हैं जस्टिस अरूणा जगदीसन, जो करेंगी करूर भगदड़ की जांच ?

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर में मची भगदड़ का शोर चेन्नई से लेकर दिल्ली तक सुनाई दे रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार से रिपोर्ट मांगी है। वहीं, सीएम स्टालिन ने मामले की जांच हाईकोर्ट की पूर्व जस्टिस अरूणा जगदीसन को सौंप दी है। करूर भगदड़ से पूरे देश में सनसनी फैल गई है। इस हादसे में 39 लोगों ने जान गंवा दी और 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। वहीं, 2 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। भगदड़ पर फौरन एक्शन लेते हुए तमिलनाडु सरकार ने हाई प्रोफाइल पैनल का गठन किया है, जिसकी जिम्मेदारी जस्टिस अरूणा जगदीसन को दी गई है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब जस्टिस अरूणा इस तरह के संवेदनशील मामले की जांच करेंगी। इससे पहले भी वो कई मामलों की जांच कर चुकी हैं। 2018 में तमिलनाडु के तूतीकोरिन में एंटी-स्टरलाइट प्रदर्शन के दौरान अचानक हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान लोग स्टरलाइट कॉपर प्लांट का विरोध करने जुटे थे और पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना में 13 लोगों की मौत हो गई थी। मामले की जांच की जिम्मेदारी जस्टिस अरूणा को ही सौंपी गई थी। उनके कमीशन ने आईपीएस अधिकारी समेत 17 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक्शन लेने का सुझाव दिया था।

चेन्नई पुलिस को दी थी क्लीन चिट

हाईकोर्ट में सेवा के दौरान जस्टिस अरूणा चेन्नई पुलिस को क्लीन चिट देने वाली बेंच का हिस्सा रह चुकी हैं। फरवरी 2015 में पुलिस एनकाउंटर के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई थी। पांचों पर बैंक लूटने का आरोप था। हालांकि, कई लोगों ने इसे फेक एनकाउंटर बताया था, जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी और अदालत ने पुलिस को क्लीन चिट दे दी थी।

पूर्व सीएम जयललिता की जांच

जस्टिस अरूणा तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता और उनके सहयोगियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले की भी जांच कर चुकी हैं। दरअसल जयललिता 6 बार राज्य की मुख्यमंत्री रह चुकी थीं। उनपर आरोप लगा था कि 1991-1996 के बीच उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए 66 करोड़ की संपत्ति जमा की थी। इस मामले की जांच भी जस्टिस अरूणा ने ही की थी।

17 अक्तूबर को बंद होंगे रुद्रनाथ मंदिर के कपाट

चमोली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 17 अक्तूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद छह माह तक भगवान रुद्रनाथ के दर्शन शीतकालीन गद्दीस्थल गोपेश्वर के गोपीनाथ मंदिर में होंगे। जहां शीतकालीन पूजा होंगी। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि 17 को सुबह ब्रह्ममुहुर्त में पूजा-अर्चना के बाद रुद्रनाथ की चल विग्रह डोली गोपीनाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। इस वर्ष बरसात के चलते रुद्रनाथ मंदिर की तीर्थयात्रा भी खासी प्रभावित रही। हालांकि केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग की ओर से हक-हकूकधारी गांवों में ईडीसी (इको पर्यटन कमेटी) का गठन करने से तीर्थयात्रियों को बुग्याल क्षेत्रों में रहने व खाने की बेहतर सुविधाएं मिली हैं।

रायबरेली में राहुल गांधी कैसे जीते थे चुनाव

बीजेपी विधायक अदिति सिंह ने कर दिया खुलासा

रायबरेली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। रायबरेली की बीजेपी विधायक अदिति सिंह ने कहा है कि रायबरेली में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कोई प्रभाव नहीं है। वे यहां फ्लाइंग दौरे पर आते हैं तो आम लोगों से करीबी रिश्ता बनाने की कोई कोशिश नहीं करते। उन्होंने कहा संसदीय सीट पर राहुल जीते हैं, तो गांधी परिवार के सदस्य होने के नाते।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत से लेकर विधानसभा सभा सीटों पर बीजेपी ही चुनाव जीतेगी। क्योंकि हर स्तर के चुनाव के अलग-अलग समीकरण होते हैं। जिन पर बीजेपी संगठन की मजबूत पकड़ है। कांग्रेस का कोई असर नहीं है। बीजेपी विधायक अदिति ने कहा 2027 का विधानसभा चुनाव सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम व प्रभाव से यहां जीता जाएगा। जिसकी तैयारी में विविध संपर्क कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अदिति ने पार्टी को सचेत करते हुए कहा कि 2027 के चुनाव में बीजेपी को टिकट बंटवारे में पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं को महत्व मिलना चाहिए। बाहर से आए दूसरे दलों के नेताओं को टिकट देने की व्यवस्था खत्म होनी चाहिए। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष पैदा होता है जिसका चुनाव पर बुरा असर पड़ता है। अदिति अवध इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित खेल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर आई थी।

दाऊद से लड़कर 'अंडरवर्ल्ड डॉन' बने अरुण गवली बीएमसी चुनावों में बिगाड़ेंगे गणित

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में 2017 के बाद करीब आठ साल के अंतराल पर होने जा रहे बीएमसी चुनावों में अंडरवर्ल्ड डॉन और बॉलीवडु के डैडी अरुण गवली की एंट्री होगी। 17 साल की सजा काटकर बाहर आए गवली नागपुर की सेंट्रल जेल से रिहाई के बाद मुंबई स्थित अपने दगड़ी चाल पर अब सक्रिय हो गए हैं। ऐसे में जब सुप्रीम कोर्ट ने 31 जनवरी, 2026 तक चुनाव कराने की डेडलाइन तय कर दी है। तब अरुण गवली को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इसमें कहा गया है कि अरुण गवली उर्फ डैडी सक्रिय राजनीति में प्रवेश नहीं करेंगे, लेकिन उनकी दोनों बेटियां पूर्व नगरसेविका गीता और एडवोकेट योगिता चुनाव मैदान में उतरेंगी। अरुण गवली की पार्टी का नाम अखिल भारतीय सेना है।

दाऊद से ली थी टक्कर मुंबई में एक वक्त पर भारत के मोस्ट वांटेड अपराधी दाऊद इब्राहिम को खौफ में डालने वाले डैडी एक वक्त पर शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे की गुडबुक में रह चुके हैं। दगड़ी चाल के आसपास के क्षेत्रों में अभी भी अरुण गवली का प्रभाव है।

यही वजह है कि वह मुंबई के इकलौते बड़े गैंगस्टर और डॉन हैं जो विधानसभा तक सफर तय कर चुके हैं। डैडी अरुण गवली की दोनों बेटियों के चुनावी मैदान में उतरने की चर्चा से सियासत गरमा गई है। डैडी ने जेल से रिहाई के बाद पिछले दिनों गणशोत्सव में भाग लिया था तब उन्होंने अपने चिर परचित अंदाज में हाथ उठाकर अपने समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चूंकि अरुण गवली अब पूरी सजा काटकर बाहर आ चुके हैं। ऐसे में अब चुनावों में अगर सक्रिय होते हैं तो निश्चित तौर उनकी बेटियों को लाभ होगा।

सगे भाइयों ने महिला पर अश्लील कमेंट्स किए

इंदौर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र में रहने वाली 34 वर्षीय महिला ने अपने पड़ोसियों पर छेड़छाड़ और धमकाने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि छोटी भमोरी इलाके में रहने वाले धर्मेंद्र मालवीय और उसका भाई राजकुमार मालवीय देर रात उसके घर के बाहर बैठकर अश्लील कमेंट्स करने लगे। आवाज़ सुनकर जब महिला बाहर आई तो आरोपियों ने उस पर अपशब्द कहे और यहां तक आरोप लगाया कि वह अवैध काम करती है। विरोध करने पर दोनों मारपीट पर आमादा हो गए।

महिला ने घबराकर घर का दरवाजा बंद कर लिया, जिसके बाद आरोपियों ने धमकी दी कि इस इलाके में उसे नहीं रहने देंगे। महिला ने घटना की सूचना पुलिस को दी। हीरानगर पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी सगे भाई हैं और पहले भी महिला से उनका विवाद हो चुका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अनिल विज ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से दिल्ली में की मुलाकात, मुद्दों पर हुई चर्चा

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के बिजली, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने रविवार को नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। अनिल विज गुरुग्राम में आयोजित श्रमिक सम्मान एवं जागरुकता समारोह में भागीदारी करने गए हुए थे। अनिल विज की भाजपा अध्यक्ष से हुई मुलाकात को शिष्टाचारवश कहा जा रहा है, लेकिन पिछले दिनों जिस तरह से अनिल विज के राजनीतिक तेवर गरम रहे हैं, उसके मद्देनजर यह मुलाकात काफी महत्वपूर्ण बताई गई है। अनिल विज ने पिछले दिनों अपने एक्स हेंडिल पर मिनिस्टर शब्द का इस्तेमाल बंद कर दिया था और कहा था कि उन्होंने इसलिए ऐसा किया, ताकि उनकी पहचान एक मिनिस्टर के पद की बजाय व्यक्तिगत हो और उनके फालोअर्स उन्हें अनिल विज के नाम की पहचान से जानें अनिल विज ने इससे पहले यह भी पोस्ट किया था कि कुछ लोग अंबाला छावनी में समानांतर भाजपा चला रहे हैं। इसलिए उन्हें सलाह दी जाए कि वे क्या करें। इन दोनों पोस्ट से पहले अनिल विज की एक वीडियो भी काफी चर्चा में रही, जिसमें वह कहते सुने गए कि वे सबसे वरिष्ठ नेता हैं और मुख्यमंत्री के पद पर वे आगे कभी भी दावेदारी करेंगे। अनिल विज के इन तेवरों के बाद उनकी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ संयुक्त मुलाकात हुई थी, जिसके बाद अनिल विज का दोनों नेताओं के साथ मुस्कुराते हुए फोटो भी सामने आया था।

अनिल विज अपनी राजनीतिक टिप्पणियों और भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के कारण अक्सर चर्चा में रहते हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई मुलाकात के दौरान इन सारे प्रकरणों पर बातचीत हुई या नहीं, यह तो स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन नड्डा और विज की पुरानी मित्रता है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि नड्डा को विज ने समस्त घटनाक्रमों के साथ अपनी पोस्टों को लेकर भी बातचीत की है।

नकली ऑटो पार्ट्स बेचने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने करोल बाग में नकली ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो दुकानों और एक गोदाम पर छापा मारकर लगभग 90 लाख मूल्य के नकली स्पेयर पार्ट्स जब्त किए, जिन पर नामी ऑटोमोबाइल कंपनियों के नाम और पैकेजिंग लगी हुई थी। डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार, चूँकि करोल बाग इलाके में नकली ऑटोमोबाइल पार्ट्स और पैकेजिंग सामग्री का भंडारण, आपूर्ति और बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही थी, इसलिए एसीपी भगवती प्रसाद और इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम को छापेमारी कर अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था।

कई टीमें बनाई गईं। प्रत्येक टीम को उन प्रमुख स्थानों पर छापेमारी करने का काम सौंपा गया जहाँ नकली स्पेयर पार्ट्स, यहाँ तक कि नामी अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के भी, संग्रहीत और बेचे जा रहे थे। करोल बाग में दो ठिकानों पर एक साथ छापेमारी में दो आरोपियों, सुरेश कुमार और पोला राम को गिरफ्तार किया गया। सुरेश की दुकान से नकली होंडा जेनुइन पार्ट्स लेबल वाले बड़ी मात्रा में नकली पार्ट्स बरामद किए गए। होंडा जेनुइन पार्ट्स लेबल वाले पच्चीस कार्टन में ब्रेक शू पेयर के 32 पैकेट, क्लच प्लेट के 29 पैकेट, 28 नकली मफलर प्रोटेक्टर, ब्रेक शू के 32 सेट (बिना पैकेजिंग के), 27 होंडा एक्टिवा आर्म कवर और नकली होंडा स्टिकर मिले। करोल बाग में एक होंडा पॉइंट भी मिला। कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर पोला राम की दुकान और गोदाम से 800 थ्रॉटल (एक्सीलरेटर) केबल, बारकोड स्टिकर वाले 200 विविध केबल, 400 ब्रेक केबल, 200 स्पीडोमीटर केबल, 100 क्लच केबल, 550 एयर फिल्टर, 290 कैमशाफ्ट, 40 चेन सेट, 42 अतिरिक्त एयर फिल्टर, 50 प्लास्टिक इनर कवर, 22 हेडलाइट कवर, 154 एमआरपी स्टिकर और होंडा ब्रांडिंग वाले चार बाहरी पैकिंग बॉक्स बरामद किए गए।

सांप की फुफकार को समझा म्युजिक की धुन, ट्रक में ड्राइवर संग बगल में बैठकर गाजियाबाद से जीरकपुर पहुंचा कोबरा

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। ट्रक ड्राइवर राजू गाजियाबाद से ज़ीरकपुर के लिए निकले। राजू में उन्हें अजीब-अजीब आवाजें सुनाई दे रही थीं। राजू को लगा कि यह म्यूजिक सिस्टम के स्पीकर की खराबी है। कुछ देर में उन्हें लगा कि शायद टायर पंक्चर हो गया था। चेक किया, टायर ठीक थे और वह फिर आगे बढ़ गए। कुछ देर बाद अजीब आवाज फिर सुनकर राजू को लगा कि उनकी ड्राइविंग सीट के नीचे का कुशन ढीला है और यह आवाज उसी की है। उन्होंने सब नज़रअंदाज़ किया और अपनी स्पीड से जीरकपुर की तरफ बढ़ते रहे। आखिरकार राजू को नहीं कि कुछ तो गड़बड़ है। उन्होंने कंधे पर सिर घुमाकर देखा तो फुफकारता हुआ कोबरा ड्राइवर सीट के बाईं ओर, उनके कान से एक फुट की दूरी पर, वॉटर कूलर पर बैठा था। राजू कांप गए। यह एक कोबरा सांप था। राजू ने कहा कि मैं सोच भी नहीं सकता था कि ये अजीबोगरीब आवाज़ें किसी कोबरा की हैं और पूरे दिन उन्हें समझता रहा। कंपनी के गोदाम में डिलीवरी के लिए वीआईपी ब्रांड के सूटकेस और एयर ट्रैवल ट्रॉली बैग लेकर गाजियाबाद से ज़ीरकपुर जाते समय मुझे ये आवाज़ें बार-बार सुनाई दीं। ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी चलाने के बाद मैं थक गया था और रात में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ढाबे पर 30 मिनट के लिए चाय का ब्रेक लिया। उतरने से पहले मैंने कूलर बंद कर दिया था और ट्रक अंदर से गर्म हो गया था। कोबरा मेरी सीट के नीचे या उसके ठीक पीछे खुले टूलबॉक्स में अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकला और कूलर पर चढ़ गया, जिसका तापमान कम बना हुआ था क्योंकि उसमें पर्याप्त पानी था। मथुरा के रहने वाले राजू अब भी सदमे में हैं। उन्होंने कहा कि कोबरा उनके नंगे टखनों पर काट सकता था।

यहां फिर जब कूलर पर बैठे हुए उनकी गर्दन/कान पर, जानलेवा काट सकता था। राजू भाई ने दोपहर में पानीपत के पास ट्रक के केबिन में झपकी भी ली थी, लेकिन कोबरा निष्क्रिय रहा। सांप अक्सर गाड़ियों में घुस जाते हैं या अनजाने में सामान के साथ आ जाते हैं। लेकिन कोबरा, हानिरहित फुफकार मारकर और अपना फन फैलाकर, इंसानों को दूर रहने के लिए पर्याप्त चेतावनी देता है। जब तक कोई विकल्प न हो, वह काटना नहीं चाहता और अपने प्राकृतिक शिकार को मारने के लिए अपने विष कोषों को सुरक्षित रखना पसंद करता है।

भद्रराज मंदिर की ओर ट्रैकिंग पर गए युवक-युवतियां भटके रास्ता, पुलिस टीम ने रेस्क्यू कर निकाला

देहरादून, 28 सितंबर (एजेंसियां)। देहरादून में भद्रराज मंदिर की ओर ट्रैकिंग पर गए युवक-युवतियां रास्ता भटक गए। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली कि कुछ युवक युवतियां भद्रराज मंदिर की तरफ गए थे, लेकिन वे रास्ता भटक गए हैं। टीम मौके पर पहुंची और उन्हें रेस्क्यू किया। इसके बाद रेस्क्यू किए गए सभी व्यक्तियों को सकुशल उनके घर के लिए रवाना किया गया।

युवती सीख रही थी ड्राइविंग

कार बैक करते साइकिल सवार को उड़ाया पूर्व मंत्री कालिया की गाड़ी भी तोड़ी

जालंधर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में रविवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब, पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोरंजन कालिया के घर के बाहर जबरदस्त हादसा हुआ। मंत्री के घर के सामने एक कार ने साइकिल सवार को जोदार टक्कर मारते हुए अन्य वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया।

घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। कार को एक युवती चला रही थी। युवती ड्राइविंग सिख रही थी। कार बैक करते हुए युवती ने पीछे से आ रहे साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मारी और फिर मनोरंजन कालिया के घर के बार खड़ी उनकी गाड़ी से टकराने के बाद कार रुक गई। कार की टक्कर से साइकिल सवार व्यक्ति कई फीट हवा में उछलकर गिरा और उसे गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि गनीमत रही कि व्यक्ति की जान बच गई है। शास्त्री नगर चौक के पास मारूति सुजुकी की एस क्रॉस कार नंबर पीबी 08डीई 8777 गाड़ी से युवती कार चलाना सीख रही थी। कार की टक्कर से साइकिल सवार दीपक घायल हुआ है। दीपक अखबार बांटने (हॉकर) का काम करता है। वह सुबह साइकिल पर सवार होकर अखबार बांटने जा रहा था। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत सिविल अस्पताल जालंधर में भर्ती करवाया गया। दीपक ने बताया कि वह रस्ता मोहल्ला का निवासी है।

रविवार सुबह करीब सवा सात बजे वह साइकिल से अखबार बांटने जा रहा था, तभी अचानक एक कार तेज रफ्तार में बैक होती हुई आई और उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में पूर्व मंत्री कालिया की निजी कार और उनके घर का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। थाना डिवीजन नंबर-3 की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और युवती से पूछताछ जारी है।

असम में बाल विवाह में आई भारी कमी, राष्ट्रीय औसत से ज्यादा गिरावट की गई दर्ज

गुवाहाटी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। असम ने बाल विवाह के मामलों में सराहनीय कमी दर्ज की है और इस मामले में राष्ट्रीय औसत को भी पीछे छोड़ दिया है। यह जानकारी एक हालिया सर्वे रिपोर्ट में सामने आई है, जो देश के पांच राज्यों में किए गए अध्ययन पर आधारित है। गैर-सरकारी संगठन 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' (जेआरसी) की पहल 'सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज फॉर चिल्ड्रन' (सी-एलएबी) ने यह रिपोर्ट तैयार की है।

'टिपिंग प्वॉइंट टू जीरोः एविडेंस टुवड्र्स ए चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' के शीर्षक वाली यह रिपोर्ट न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक साइड इवेंट में जारी की गई। इसमें अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक की स्थिति का आकलन किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, असम में लड़कियों के बीच बाल विवाह के मामलों में 84 प्रतिशत और लड़कों में 91 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है।

नगरोटा बगवां में जमीनी विवाद को लेकर भतीजे ने की चाचा की हत्या

नगरोटा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल के बगवां विधानसभा क्षेत्र के लुदरेड गांव में भतीजे ने चाचा की चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्याकांड को तब अंजाम दिया, जब चाचा सुबह 8 बजे अपने घर से मजदूरी करने के लिए जा रहा था। मृतक की पहचान अशोक कुमार निवासी लूदरेड के रूप में हुई है। जबकि हत्या आरोपी सुखबिंदर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा अशोक कुमार अपने दो भाइयों के साथ ही रहता है। हाल ही में सरकारी योजना के तहत नए मकान का निर्माण किया था। अशोक कुमार अपनी दो बेटियों और पत्नी के साथ यहीं रह रहा था। हत्या करने के पीछे कारण जमीनी विवाद बताया का रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हत्यारोपित के परिवार को हाल ही में फोरलेन में जमीन आने पर मुआवजा भी मामा की ओर से मिला था। उनका वहां भी मकान है। लोगों ने बताया कि अशोक कुमार सुबह जब वह घर से काम के लिए निकला तो भतीजे ने उसे रोक दिया। उसके बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई तो बताया कि भतीजे ने उसपर चाकू के तीन वार किए।

गुंडाराज के खिलाफ आम आदमी पार्टी का बड़ा अभियान राज्य को डर, अराजकता से मुक्त कराना अगला मिशन

गोवा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। गोवा की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अब खुला ऐलान कर दिया है, राज्य को डर, अराजकता और गुंडाराज से आजाद कराना ही अगला मिशन है। गोवा को बीजेपी का गुंडाराज नहीं चाहिए नाम के राज्यव्यापी अभियान के जरिए पार्टी ने बीजेपी सरकार को सीधी चुनौती दी है। यह सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर उस गोवावासी की आवाज है जो आज अपने राज्य में शांति, सुरक्षा और न्याय चाहता है। गोवा कभी शांति, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक माना जाता था। लेकिन बीजेपी के शासन में हालात तेजी से बदल गए हैं। अपराध तेजी से बढ़े हैं,

आम लोगों को भी डर है। गोवा पुलिस के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि पिछले 6 सालों में गंभीर अपराधों में 38% से ज़्यादा की बढ़ोतरी हुई है। 2017 में जहां करीब 2,900 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2024 में यह संख्या 4,050 से ज़्यादा तक पहुंच गई। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 40% से अधिक का इजाफा हुआ है। सिर्फ पिछले एक साल में ही 120 से ज़्यादा हत्या या हत्या के प्रयास, 350 से अधिक महिलाओं पर हमले, और 800 से अधिक चोरी-लूट के मामले दर्ज किए गए हैं। ये आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं, बल्कि बीजेपी के शासन में हर आम गोवावासी के डर और असुरक्षा की सच्चाई हैं। रामा कंकोनकर जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं पर दिनदहाड़े हमले और दो वर्षों में 250 से ज़्यादा कार्यकर्ताओं पर हमलों के मामलों ने यह साबित कर दिया है कि अब कानून नहीं, बल्कि बीजेपी नेताओं और उनके गुंडों की चल रही है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि बीजेपी की राजनीति सिर्फ डर पर नहीं टिकी है, बल्कि वह गोवा की जमीन और पहचान को भी बेच रही है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ सालों में 3,200 एकड़ से अधिक सरकारी और सामुदायिक जमीन निजी कंपनियों और बिल्डरों को सौंप दी गई है। इनमें से कई सौदे बिना स्थानीय लोगों की सहमति के किए गए। पार्टी का आरोप है कि बीजेपी विकास के नाम पर गोवा को बेच रही है और जो भी इस लूट के खिलाफ आवाज़ उठाता है, उसे धमकाया जाता है। बीजेपी की विफलता केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है।

सड़कों से लेकर स्कूलों तक हर बुनियादी सुविधा बदहाल है। राज्य की 72% सड़कें मरम्मत की जरूरत में हैं और हर बारिश में कई इलाकों की सड़कें झील में बदल जाती हैं। बीजेपी की नाकामी जैसे अभियानों के जरिए आम आदमी पार्टी ने पहले ही सड़कों की बदहाली को मुद्दा बनाया था। जनता ने इस पर जबरदस्त समर्थन दिखाया, अब तक 50,000 से ज्यादा लोग सरकार के खिलाफ हस्ताक्षर कर चुके हैं।

लॉस एंजेलिस के बाद अब पोर्टलैंड

ट्रंप ने क्यों दिया सैनिकों की तैनाती का आदेश?

वॉशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बड़ा ऐलान किया। ट्रंप ने पोर्टलैंड और देशभर के इमिग्रेशन केंद्रों पर सैनिकों की तैनाती को मंजूरी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घरेलू मामलों में सेना के इस्तेमाल के अपने ताजा कदम के तहत यह मंजूरी दी है। शनिवार को अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क पर लिखते हुए ट्रंप ने कहा कि वो अपने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को इसको लेकर आदेश लागू करने के लिए कहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सैनिकों को जरूरत पड़ने पर पूरी ताकत इस्तेमाल करने की अनुमति होगी। सोशल मीडिया पर की गई घोषणा में ट्रंप ने रक्षा विभाग (पंचकोण) को निर्देश दिया कि वो युद्ध से तबाह पोर्टलैंड की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी सैनिक उपलब्ध कराए। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (यू.एस. आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन सुविधाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी है, जो उनके अनुसार एंटिफा और अन्य घरेलू आतंकवादियों के हमले की चपेट में हैं। व्हाइट हाउस ने ट्रंप की घोषणा पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और यह स्पष्ट नहीं किया कि तैनाती कब होगी और इसमें कौन-से सैनिक शामिल होंगे।

गवर्नर ने क्या कहा?

एक प्रेस कान्फ्रेंस में ओरेगॉन की गवर्नर कोटेक ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम से सीधे तौर पर कहा कि यहां सैनिकों की जरूरत नहीं है और उनका मानना है कि ट्रंप को सेना तैनात करने का अधिकार नहीं है। कोटेक ने कहा, हम अपनी स्थानीय सार्वजनिक सुरक्षा की जरूरतों को खुद संभाल सकते हैं। यहां कोई विद्रोह नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं है। मेयर कीथ विल्सन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह एक अमेरिकी शहर है। हमें किसी भी हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। कोटेक ने कहा कि राष्ट्रपति ने सैनिकों के आने की कोई समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने यह भी साफ किया कि ओरेगॉन नेशनल गार्ड की जरूरत नहीं है और उन्हें बुलाने की उनकी कोई योजना नहीं है। हालांकि, ट्रंप ने इससे पहले कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूज़ॉम के विरोध के बावजूद लॉस एंजेलिस में गार्ड सैनिकों और सक्रिय ड्यूटी मरीन्स को तैनात किया था।

पोर्टलैंड में प्रोटेस्ट

पोर्टलैंड में प्रोटेस्ट साल 2020 में शुरू हुआ था। जॉर्ज फ़्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद अमेरिका भर में ब्लैक लाइव्स मैटरआंदोलन हुआ। पोर्टलैंड उन शहरों में से था जहां लगातार, लंबे समय तक और कई बार हिंसक प्रदर्शन हुए। इसी के बाद आईसीई (आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन) का विरोध। हाल के प्रदर्शन ज्यादातर आईसीई बिल्डिंग के आसपास केंद्रित हैं। प्रदर्शनकारी कहते हैं कि आईसीई इमारत का इस्तेमाल लोगों को गैरकानूनी तौर पर लंबे समय तक हिरासत में रखने के लिए किया जा रहा है। शहर ने भी आईसीई को भूमि उपयोग उल्लंघन का नोटिस दिया है। हाल ही में एक गिलोटिन (फांसी देने वाला प्रतीकात्मक ढांचा) प्रदर्शनकारियों ने आईसीई बिल्डिंग के बाहर लगाया, जिसे सुरक्षा एजेंसियों ने असामान्य और खतरनाक व्यवहार कहा। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि घरेलू आतंकवादी आईसीई और अन्य संघीय संस्थाओं को निशाना बना रहे हैं। हालांकि, ओरेगन की गवर्नर और पोर्टलैंड के मेयर दोनों कहते हैं कि हालात काबू में हैं और सैनिकों की जरूरत नहीं है। जबकि ट्रंप इसे कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताकर हस्तक्षेप कर रहे हैं।

शहर में सुधार पर जोर

पोर्टलैंड के अधिकारी और स्थानीय समूह लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि 2020 के अशांत दौर के बाद से डाउनटाउन क्षेत्र में काफी सुधार हुआ है। मेजर सिटीज चीफ्स एसोसिएशन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से जून 2025 के बीच हिंसक अपराधों में 2024 की समान अवधि की तुलना में 17% की कमी आई है।

अमेरिका में रेस्टोरेंट में गोलीबारी, सनकी हमलावर ने ले ली 3 की जान; कई घायल

वॉशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका से एक हैरान करने देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर उत्तरी कैरोलिना में एक शूटर ने एक रेस्टोरेंट पर नाव से गोलीबारी कर दी। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों की जान गई है। वहीं, कई अन्य घायल हुए हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर वहां से फरार हो गया। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी शनिवार (स्थानीय समय) लगभग 9:30 बजे अमेरिकन फिश कंपनी में हुई।

यह स्थान विलमिंगटन से लगभग 20 मील दक्षिण में साउथपोर्ट यॉट बेसिन क्षेत्र में 150 यॉट बेसिन ड्राइव पर स्थित एक लोकप्रिय पब और रेस्टोरेंट है इस घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि हमले के दौरान कम से कम सात लोगों को गोली लगी, जिनमें से तीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना में घायल अन्य लोगों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, अधिकारियों इस घटना को लेकर अभी तक कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

प्रोजेक्ट मैनेजर और इंजीनियर को जेल, शटरिंग से गिरकर दो मजदूरों की हो गई थी मौत

रुद्रप्रयाग, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बदरीनाथ हाईवे पर नरकोटा में निर्माणाधीन पुल की शटरिंग से गिरने से दो मजदूरों की मौत होने के मामले में अदालत ने निर्माणदायी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर और इंजीनियर को लापरवाही के लिए दोषी माना है। अदालत ने दोनों को अलग-अलग धाराओं में चार साल 6 माह की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 11500-11500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

20 जुलाई 2022 को ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे पर नारकोटा में निर्माणाधीन पुल की शटरिंग गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई थी और छह मजदूर घायल हो गए थे। इस मामले में मृतक मजदूर कन्हैया लाल के पिता वेदराम निवासी शाहजहांपुर (यूपी) ने पुल निर्माण कंपनी आरसीसी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेरठ के प्रोजेक्ट मैनेजर ज्योति प्रकाश शर्मा व इंजीनियर मुकेश गुप्ता के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में नये भारत का डंका त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री ने कहा- पीएम मोदी दुनिया भर में दे रहे बड़ा योगदान

न्यूयॉर्क, 28 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सम्मेलन में भारत का डंका बज रहा है। विश्व के कई नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक योगदान की अंतरराष्ट्रीय मंच से जमकर सराहना की है। त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने कहा, हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हैं।।। उन्होंने न केवल भारत के लोगों के लिए, बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पीएम कमला बिसेसर ने कहा कि विशेष रूप से मैं उन्हें (पीएम मोदी को) साउथ-साउथ सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बधाई देना चाहती हूं। हम इसका स्वागत करते हैं, क्योंकि अब तक हमेशा उत्तर (विकसित देश) का दबदबा रहा है, और प्रधानमंत्री मोदी ने साउथ-साउथ सहयोग को वास्तव में आगे बढ़ाया है।

जब वह त्रिनिदाद और टोबैगो आए थे, तो उन्होंने दक्षिण के कई देशों जैसे- ब्राज़ील, घाना आदि का दौरा किया था।।। प्रवासी समुदाय के सदस्यों को बड़े कार्यक्रमों में आमंत्रित किया गया था। त्रिनिदाद टोबैगो के अलावा भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भी पीएम मोदी के करिश्माई वैश्विक नेतृत्व की जमकर सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्यता का प्रमुख दावेदार बताया। भूटान के पीएम ने भारत की स्थाई सदस्यता का पुरजोर समर्थन किया।

पाक 40 साल पहले स्थापित अफगान शरणार्थी शिविरों को करेगा बंद, शरणार्थियों को वापस भेजा जाएगा

इस्लामाबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने 40 वर्षों से चल रहे अफगान शरणार्थी शिविरों को बंद करने का फैसला लिया है। पाकिस्तान सरकार द्वारा अफगान शरणार्थियों पर जारी कार्रवाई के बीच खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में ऐसे पांच शिविरों को बंद करने का आदेश दिया है। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, "केपी में बंद किए जा रहे पांच शिविरों में हरिपुर जिले के तीन, चित्राल का एक और अपर दीर का एक शिविर शामिल है। अकेले हरिपुर स्थित पनियन शिविर में 1,00,000 से अधिक शरणार्थी रह रहे थे।" सरकार ने बढ़ते अपराध और आतंकवाद का हवाला देते हुए अक्टूबर 2023 में बिना दस्तावेज वाले अफगान शरणार्थियों को वापस भेजना शुरू कर दिया है।

खत्म होगी इजराइल-हमास की जंग? अमेरिका ने शांति योजना की पेश, कहा- इजराइल गाजा पर नहीं करेगा कब्जा

गाजा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हमास और इजराइल के बीच लंबे समय से युद्ध छिड़ा हुआ है। इस बीच अब अमेरिका ने यह युद्ध समाप्त करने और भविष्य में फिलिस्तीनी राज्य के लिए रास्ता बनाने के लिए कदम उठाया है। अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के लिए 21-पॉइंट शांति प्रस्ताव पेश किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना में बंधकों की तत्काल रिहाई, फिलिस्तीनियों को गाजा पट्टी में ही बने रहने के लिए प्रोत्साहित करना और शांतिपूर्ण हमास सदस्यों को माफी (अम्नेस्टी) देना शामिल है। यह दस्तावेज इस हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर अमेरिका ने कुछ अरब और मुस्लिम देशों के साथ शेयर किया। हालांकि, फिलिस्तीनियों को गाजा में ही बने रहने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव अमेरिकी नीति में बड़ा बदलाव है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में कहा था कि अमेरिका गाज़ा पर कब्ज़ा करेगा और 20 लाख गाज़ावासियों को स्थायी रूप से पुनर्वासित करेगा।

भविष्य के फिलिस्तीनी राज्य का विचार भी ट्रंप प्रशासन की पुरानी नीति से अलग है, क्योंकि इसने कभी भी टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन नहीं किया था। योजना में इजराइल के लिए भी कई पॉइंट शामिल हैं, जैसे हमास का निरस्त्रीकरण, गाजा का सैन्यीकरण समाप्त करना और जनसंख्या का डि-रेडिकलाइजेशन करना। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कभी भी दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन नहीं किया है।

उन्होंने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, 7 अक्टूबर के बाद यरुशलम से सिर्फ एक मील दूर फिलिस्तीनियों को राज्य देना वैसा ही है जैसे 11 सितंबर के बाद न्यूयॉर्क से एक मील दूर अल-कायदा को राज्य देना। यह पागलपन हैऔर हम इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे। इज़राइल आपको अपने गले पर आतंकवादी राज्य थोपने नहीं देगा।

अर्जेंटीना में 3 महिलाओं की इंस्टा लाइव पर हत्या

अर्जेंटीना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। ब्यूनस आयर्स अर्जेंटीना से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां ब्यूनस आयर्स की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी अचानक सड़कों पर उतरे और उन्होंने तीन युवतियों के लिए न्याय की मांग करनी शुरू कर दी। दरअसल, अर्जेंटीना की तीन महिलाओं हत्या ड्रग तस्करों ने इंस्टाग्राम पर लाइव वीडियो के दौरान कर दी थी।

इन तीन युवतियों की पहचान लारा, ब्रेंडा और मोरेना के रूप में हुई है। इस जघन्य अपराध ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। तीनों युवतियों के परिजन और रिश्तेदार न्याय की मांग कर रहे हैं। लोगों ने युवतियों के लिए न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारी एक नारीवादी समूह द्वारा आयोजित मार्च में ढोल बजाते हुए कह रहे थे, यह एक मादक-नारी हत्या थी! हमारी जिंदगी बेकार नहीं है! अधिकारियों ने बताया कि यह अपराध, जिसे जांचकर्ताओं ने ड्रग गिरोहों से जोड़ा है, इंस्टाग्राम पर लाइव किया गया और एक निजी अकाउंट के 45 सदस्यों ने इसे देखा।

ब्रेंडा के पिता लियोनेल डेल कैस्टिलो ने विरोध प्रदर्शन में पत्रकारों से कहा कि महिलाओं की सुरक्षा पहले से कहीं ज़्यादा होनी चाहिए। उन्होंने पहले कहा था कि अपनी बेटी के साथ हुए दुर्व्यवहार के कारण वह उसके शव की पहचान नहीं कर पाए थे। वहीं, 20 वर्षीय चचेरे भाई बहनों के दादा एंटोनियो डेल कैस्टिलो रो पड़े और उन्होंने हत्यारों को खून का प्यासा करार दिया। उन्होंने कहा, "आप किसी जानवर के साथ ऐसा नहीं करेंगे जो उन्होंने उनके साथ किया। मुझे उम्मीद है कि सच्चाई सामने आएगी। मैं लोगों से हमारे साथ खड़े होने का आग्रह करता हूं।

वहीं, इस मामले को लेकर शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री पेट्रीसिया बुलरिच ने पाँचवें संदिग्ध की गिरफ्तारी की घोषणा की, जिससे कुल संख्या तीन पुरुषों और दो महिलाओं की हो गई। बताया जा रहा है कि पांचवे संदिग्ध पर एक कार के साथ रसद प्रदान करने का आरोप है। जिसे बोलीविया से सीमावर्ती शहर विलाजोन में गिरफ्तार किया गया।

यमन में पाकिस्तान के एलपीजी टैंकर पर इजराइली ड्रोन हमला

24 पाकिस्तानी सवार थे; हूती विद्रोहियों ने बंधक बनाया, 10 दिन बाद रिहा किया

सना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने शनिवार को बताया कि 17 सितंबर को यमन के रास अल-ईसा बंदरगाह पर इजराइली ड्रोन ने एक पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकर पर हमला किया। यह बंदरगाह हूती विद्रोहियों के नियंत्रण में है। इस टैंकर पर 27 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 24 पाकिस्तानी, 2 श्रीलंकाई और 1 नेपाली नागरिक शामिल थे। टैंकर के कप्तान मुक्तार अकबर भी पाकिस्तानी हैं। नकवी ने अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ड्रोन हमले के कारण टैंकर के एक एलपीजी टैंक में विस्फोट हुआ, जिससे आग लग गई। चालक दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। हालांकि, इसके बाद हूती विद्रोहियों की नावों ने टैंकर को घेर लिया और चालक दल को जहाज पर ही बंधक बना लिया। नकवी ने बताया कि लंबे प्रयासों के बाद टैंकर और इसके चालक दल को हूतियों ने 10 दिन बाद रिहा कर दिया है, और अब वे यमन के इलाके से सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी रविवार सुबह बताया कि टैंकर पर सवार 24 पाकिस्तानी नागरिक पूरी तरह सुरक्षित हैं और आगे बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 17 सितंबर को यमन के तट पर टैंकर में आग लगने की सूचना मिलते ही पाकिस्तानी दूतावासों ने यमनी अधिकारियों से बात की। चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और टैंकर को फिर से रवाना करने के लिए तत्काल कदम उठाए गए। दूतावासों ने चालक दल के परिवारों के साथ भी लगातार संपर्क बनाए रखा और उन्हें अपडेट दिया।

नकवी ने चालक दल की सुरक्षित रिहाई के लिए गृह मंत्रालय के सचिव खुर्रम आगा, ओमान में पाकिस्तानी राजदूत नावेद बोखारी और उनकी टीम, सऊदी अरब में सहयोगियों और विशेष रूप से सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैं इन सभी का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुश्किल समय में दिन-रात बिना रुके, कोशिश किया। जब हम नाउम्मीदी में घिर रहे थे तब इन्होंने हमारे नागरिकों की सुरक्षित रिहाई तय की।' इससे पहले इजराइल ने 10 सितंबर को यमन की राजधानी सना पर हमला किया था। अल मसीरा टीवी के अनुसार, इस हमले में हूती रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया गया था। इजराइली मीडिया ने दावा किया कि इजराइल यमन पर हमले कर रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, ये हमला दो पहाड़ों के बीच एक गुप्त ठिकाने पर हुआ था, जिसे कमांड और कंट्रोल हेडक्वार्टर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

यूक्रेन युद्ध में ज्यादा खोकर बहुत कम प्राप्त कर रही रूसी सेना, जेलेंस्की ने जारी किया वीडियो संदेश

कीव, 28 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने कहा है कि युद्ध के मोर्चों पर रूसी सेना की आक्रामकता कमजोर पड़ रही है। 2025 में उसने भारी नुकसान और अत्यधिक ऊर्जा व्यय कर बहुत कम लाभ अर्जित किए हैं। जेलेंस्की ने यह बात यूक्रेनी सेना के लिए जारी वीडियो संदेश में कही है। जेलेंस्की ने युद्ध क्षेत्र की जानकारी लेने के बाद कहा, डोनेस्क में प्रोक्रोव्स्क के नजदीक डोब्रोपिला पर कब्जे के लिए रूसी सेना ने बहुत ताकत लगाई लेकिन वहां पर उसे पीछे धकेल दिया गया।

जबकि यूक्रेनी सेना के जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने कहा कि बसंत और गर्मी के मौसम में रूसी सेना के अभियान को प्रभावी तरीके से बाधित किया गया। इसी के कारण रूसी सेना को मोर्चों पर सैनिकों की भारी तैनाती और तमाम संसाधनों के इस्तेमाल के बावजूद बहुत कम सफलताएं मिली हैं। कहा, रूस को इन सफलताओं के एवज में भारी जनहानि झेलनी पड़ी है। एक अनुमान के अनुसार यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना के 10 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं या घायल हुए हैं। जनरल सिरस्की ने बताया कि रूस से लगने वाली यूक्रेन की 1,250 किलोमीटर लंबी जमीनी सीमा पर लड़ाई चल रही है।

संयुक्त राष्ट्र ने ईरान पर फिर लगा दिया नया प्रतिबंध तेहरान की तंगी बढ़ने के साथ पैदा होंगी कई मुश्किलें

दुबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रविवार तड़के एक बार फिर उस पर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। ये प्रतिबंध ऐसे समय में लगाए गए हैं जब ईरान पहले से ही गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। इससे आम लोगों की भविष्य को लेकर चिंताएं और गहरा गई हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान पर बैन को रोकने के लिए रूस और चीन की ओर से किए गए अंतिम क्षणों तक कूटनीतिक प्रयास भी असफल रहे। इसके बाद यूएन ने ईरान पर ये प्रतिबंध लगा दिए। अब ईरान को कई तरह की सख्त पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा, जिनमें विदेशी संपत्तियों पर रोक, हथियार सौदों पर प्रतिबंध, और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाने पर सजा शामिल है। देश की अर्थव्यवस्था पहले से ही चरमराई हुई है। ईरानी मुद्रा 'रियाल' ऐतिहासिक रूप से निम्न स्तर पर पहुंच चुकी है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है और आम जनजीवन बेहद कठिन होता जा रहा है। ऐसे में दोबारा प्रतिबंध हावी होने से ईरान की मुश्किलें और बढ़ेंगी। तेहरान के रहने वाले सिना नामक एक व्यक्ति ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, "देश ने इससे पहले इतना कठिन समय कभी नहीं देखा, यहां तक कि 1980 के दशक के ईरान-इराक युद्ध और उसके बाद लगाए गए दशकों लंबे प्रतिबंधों के दौरान भी नहीं।" सिना ने आगे कहा, "हम लगातार आर्थिक तंगी में डूबते जा रहे हैं, और हर साल हालात और भी बदतर होते जा रहे हैं।

हमारे सपने बिखरते जा रहे हैं।"तेहरान की एक किराना दुकान पर खड़ी सिमा तगहावी नाम की महिला ने बताया, "हर दिन पनीर, दूध और मक्खन की कीमतें बढ़ रही हैं।" ईरान में हाल ही में हुए युद्ध के बाद से खाद्य वस्तुओं की कीमतों में और भी अधिक वृद्धि देखी गई है। मांस पहले से ही गरीब परिवारों की पहुंच से बाहर हो चुका है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जून में ईरान की वार्षिक मुद्रास्फीति दर 34.5% थी, जबकि सांख्यिकी केंद्र ने बताया कि इसी अवधि में आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों में 50% से अधिक की बढ़ोतरी हुई। बीन्स की कीमत एक साल में तीन गुना हो चुकी है,

पाकिस्तान का रणनीतिक भविष्य अमेरिका नहीं, चीन के साथ: रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाज़ा आसिफ ने कहा है कि वो अपने मुल्क का 'रणनीतिक भविष्य' अमेरिका नहीं बल्कि चीन के साथ देखते हैं। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण चीन का 'भरोसेमंद' होना है, जैसा अमेरिका के साथ नहीं है। खास बात यह है कि ख्वाज़ा आसिफ का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के अगले ही दिन आया है। ख्वाज़ा आसिफ ने यह बात ब्रिटिश-अमेरिकी पत्रकार मेहदी हसन को दिए एक इंटरव्यू में कही।

पत्रकार हसन ने ख्वाज़ा आसिफ से पूछा था कि पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान ने अपने 80 प्रतिशत हथियार चीन से लिए हैं, ऐसे में अमेरिका के साथ मैत्री क्या चीन के साथ संबंधों को खराब कर सकती है? आसिफ ने कहा कि चीन बहुत भरोसेमंद साथी है, उन्होंने हमें पनडुब्बियां और जेएफ-17 जैसे लड़ाकू विमान दिए हैं, चीन के साथ हमारा रक्षा सहयोग बढ़ रहा है, ऐसा अमेरिका जैसे अन्य देशों के 'ग़ैर-भरोसेमंद' होने के कारण है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध हमेशा 'लेन-देन' जैसे रहे हैं, जबकि पाकिस्तान ने चीन को सदैव शीर्ष सहयोगी माना है। पत्रकार ने आसिफ से दोबारा पूछा कि क्या आपका रणनीतिक भविष्य चीन के साथ माना जाए? जवाब में आसिफ ने 'हां' कहते हुए जोड़ा कि चीन हमारा पड़ोसी है, हम एक-दूसरे से सीमाएं और भूगोल साझा करते हैं। आसिफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के अमेरिका के साथ संबंधों की चीन को कोई चिंता नहीं है।

इंटरव्यू में आसिफ कई बार बेहद असहज दिखे। जब उनसे सवाल पूछा गया कि पाकिस्तान में असली ताक़त राजनीतिक नेतृत्व के पास है या सेना प्रमुख असीम मुनीर के पास? आसिफ हिचकिचाते हुए दिखाई दिए। इस सवाल पर कि क्या सेना प्रमुख उनसे ताक़तवर हैं, आसिफ ने सवाल को यह कहकर टालने की कोशिश की कि 'ऐसा नहीं है', हालांकि दोबारा पूछने पर उन्होंने कहा कि वो एक राजनीतिक नियुक्ति है। साफ है कि आसिफ ने कड़े सवालों से बचने की कोशिश की। खास बात यह है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप को लुभाने में जुटे हैं।

एक साल में शेख हसीना की पार्टी के 44000 वर्कर्स अरेस्ट

ढांका, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पिछले साल सरकार के खिलाफ छिड़े विरोध प्रदर्शन के बाद अब शेख हसीना की पार्टी की देश में काफी बुरी हालत है। पिछले साल 5 अगस्त को तख्तापलट होने के बाद शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इसी के बाद से अब उनकी पार्टी अवामी लीग बिखरती जा रही है। पार्टी देश में बैन है। बांग्लादेश में 2026 में आम चुनाव प्रस्तावित किए गए हैं। वहीं, दूसरी तरफ अवामी लीग राजधानी ढाका में जुलूस निकाल रही है।

श्यामोली इलाके में 16 सितंबर को प्रतिबंधित अवामी लीग ने अचानक जुलूस निकाला। इस दौरान पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। अवामी लीग के जुलूस में से पुलिस ने अब तक कई लोगों को हिरासत में लिया है।

44000 वर्कर्स अरेस्ट

पुलिस ने इस बीच जानकारी दी है कि पूरे एक साल में (पिछले साल 5 अगस्त से लेकर इस साल 3 सितंबर तक) कितने लोगों को अरेस्ट किया गया है।फासीवाद में शामिल व्यक्तियों की गिरफ्तारी और जमानत की जानकारी के नाम वाली एक पुलिस रिपोर्ट कहती है कि इन 13 महीनों में ऐसे व्यक्तियों की गिरफ्तारी की संख्या 44,472 है। यानी इन 13 महीनों में 44 हजार से ज्यादा अवामी लीग के वर्कर्स को अरेस्ट किया गया है। इनमें से 32,371 को जमानत मिल चुकी है। यानी कुल आरोपियों में से लगभग 73 प्रतिशत को जमानत दी गई है। पुलिस मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि इन आरोपियों को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था, जो भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन, जुलूसों या फिर शेख हसीना सरकार के पतन के बाद विरोधी-सरकार और राज्य विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। इनमें से कुछ पदाधिकारी हैं, जबकि कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्हें अवामी लीग या उस समय की सरकार का सहयोगी होने का आरोप था।

आतंकवाद के तहत दर्ज किए गए मामले

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के आंकड़े बताते हैं कि अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों और प्रतिबंधित छात्र लीग के अवैध जुलूसों और कार्यक्रमों के संबंध में राजधानी में 97 मामले आतंकवाद-रोधी अधिनियम के तहत दर्ज किए गए। इन मामलों में 1,123 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 403 को पहले ही जमानत मिल चुकी है। इसी बीच 24 सितंबर को भी अवामी लीग की मार्च की तैयारी थी। मार्च की तैयारी की सूचना मिलने पर पुलिस फौरन एक्टिव हो गई। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर मोर्चा संभाल लिया। बाद में फ्लै मार्च के दौरान 244 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

कहां कितनी हुई गिरफ्तारी

5 अगस्त के बाद, अवामी लीग गतिविधियों से संबंधित 8 रेंजों में से सबसे अधिक गिरफ्तारियां चिटगांव में हुईं। 13 महीनों में इस रेंज में 7,823 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 6,275 (80%) को जमानत मिल गई। सबसे कम गिरफ्तारियां सिलहट रेंज में हुईं—1,398, जिनमें से 1,174 (लगभग 84%) को जमानत मिली। इसी बीच गिरफ्तार किए गए लोगों को कैसे इतनी जल्दी जमानत मिल जा रही है इसको लेकर बैठक हुई। 14 सितंबर की बैठक में जमानत के मुद्दे पर नजर रखने के लिए गृह मंत्रालय के एक संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की गई। समिति के सूत्रों ने बताया कि इसमें कानून मंत्रालय, अटॉर्नी जनरल का दफ्तर और पुलिस के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे।।

समिति यह जांच करेगी कि आतंकवाद-रोधी मामलों में गिरफ्तार लोग इतनी जल्दी जमानत कैसे मिल रही है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 29 सितंबर- 2025

ट्रंप के खिलाफ घेराबंदी

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत ने जिस तरह का दबाव ट्रंप पर बनाया है उससे खुद डोनाल्ड ट्रंप भी हैरान हैं। बैठक में भारत ने ब्रिक्स देशों से बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का बचाव करने को कह कर महफिल लूट ली। देखा जाए तो यह अपील अमेरिका के संरक्षणवाद के खिलाफ थी। बता दें कि ट्रंप ब्रिक्स के विस्तार को अमेरिकी प्रभुत्व के लिए सबसे बडा खतरा मानते हैं। इसलिए भारत की घेराबंदी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ के मसले पर जमकर प्रहार किया। भारत ने ब्रिक्स देशों से स्पष्ट कहा कि वे बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का बचाव करें न कि एकपक्षीय प्रणाली का। इसके साथ ही भारत ने यह कह कर सनसनी फैला सभी सदस्य देश अंतरराष्ट्रीय कानून का समर्थन करें। यह अपील अमेरिका के एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अमेरिका प्रेरित संरक्षणवाद के खिलाफ एक साफ संदेश था। बीते दिनों में देखने में आया है कि ट्रंप ब्रिक्स संगठन को बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। इसके प्रति उनका व्यवहार हमेशा शत्रुतापूर्ण ही दिखाई दिया। यहां तक कि उन्होंने तो इसे खत्म करने तक की बात भी कही है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की एक बैठक की मेजबानी की। यह बैठक यूएनजीए के मौके पर हुई थी। इस बैठक में उन्होंने अमेरिका का नाम लेकर उसके आर्थिक प्रभुत्व के लिए खतरा बताया है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि यह डॉलर की भूमिका के लिए भी सबसे बडा खतरा है। क्योंकि ट्रंप ने सीधे ब्रिक्स देशों को धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर वे डॉलर से दूर जाने की कोशिश करेंगे, तो उन पर 100% टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप की मंशा के विपरीत ब्रिक्स का विस्तार बहुत तेजी से हुआ है। अब इसमें 10 पूर्ण सदस्य और 10 भागीदार राज्य हैं। 10 अन्य देशों ने सदस्यता के लिए आवेदन भी किया है। ट्रंप ने स्पष्ट कहा है कि यह संगठन 'हमें नुकसान पहुंचाने' और 'हमारे डॉलर को कमजोर करने' के लिए बनाया गया था। भारत ने यह साफ कर दिया है कि वह डी-डॉलरकरण के पक्ष में नहीं है। इसके बावजूद, ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स इस रास्ते पर गया तो वह 100% टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने एक पोस्ट में कहा था कि ब्रिक्स देशों को डॉलर को बदलने के लिए कोई नई मुद्रा नहीं बनानी चाहिए। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूएनजीए के मौके पर ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई। उन्होंने इस बैठक की मेजबानी की। इस बैठक में ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री शामिल हुए। इसमें जयशंकर ने खुल कर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दुनिया में संरक्षणवाद बढ़ रहा है। संरक्षणवाद का मतलब है कि एक देश अपने उद्योगों को बचाने के लिए दूसरे देशों से आने वाले सामान पर ज्यादा टैक्स लगाता है। इसे टैरिफ कहते हैं। इससे विदेशी सामान महंगा हो जाता है और लोग अपने देश का सामान ज्यादा खरीदते हैं। जयशंकर ने बताया कि टैरिफ में अस्थिरता है। धीरे-धीरे गैर-टैरिफ बाधाएं भी बढ़ती जा रही हैं। जाहिर है ये सभी चीजें व्यापार के प्रवाह को रोक रही हैं। इससे देशों के बीच व्यापार करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने जोर दिया कि ब्रिक्स को इन चुनौतियों का सामना करना चाहिए। उन्होंने बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का बचाव करना चाहिए। बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का मतलब है कि कई देश मिलकर व्यापार के नियम बनाते हैं और उनका पालन करते हैं। इससे व्यापार आसान और फायदेमंद होता है।

लद्दाख आंदोलन और लोकतंत्र की नाज़ुक डोर

नृपेंद्र अभिषेक 'नृप'

लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य इस बात में निहित है कि वह असहमति को स्थान देता है, आवाज़ों को सुनने का अवसर देता है और संघर्षरत समूहों के साथ संवाद स्थापित करने की परंपरा को जीवित रखता है। किंतु जब इस संवाद की डोर ढीली पड़ जाती है, जब जनमानस की पीड़ा अनसुनी रह जाती है, तब वही असहमति धीरे-धीरे आक्रोश का रूप धारण कर लेती है और अंततः हिंसा में बदल जाती है। लेह में हाल ही में हुई घटनाएँ इसी शृंखला की कड़ी हैं, जहाँ एक लम्बे समय तक शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें रखने वाले लोग अचानक अराजकता के मार्ग पर उतर आए। यह स्थिति केवल स्थानीय असंतोष का संकेत नहीं है, बल्कि शासन और जन-आकांक्षाओं के बीच उपजे उस गहरे अविश्वास का प्रतीक भी है, जिसे समय रहते पाटना आवश्यक है।

लद्दाख, जो अपने भूगोल, संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर के कारण देश के लिए गौरव का प्रतीक है, पिछले कुछ वर्षों से निरंतर अपनी पहचान और भविष्य को लेकर आंदोलित है। अनुच्छेद 370 के निरसन के समय जब इसे केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया, तब वहाँ के निवासियों को आश्वासन दिया गया था कि शीघ्र ही उन्हें पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया जाएगा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल कर विशेष सुरक्षा दी जाएगी। किंतु पाँच वर्ष बीत जाने के बाद भी यह आश्वासन अधूरा है। जब आश्वासन और यथार्थ के बीच इतना बड़ा फासला हो, तो असंतोष का अंकुर फूटना स्वाभाविक है। यही असंतोष समय-समय पर आंदोलन का रूप लेता रहा और हाल में हुई हिंसा इसी क्रम का भयावह परिणाम है। सवाल यह है कि क्यों एक ऐसा आंदोलन, जो शांतिपूर्ण भूख-हड़ताल से लेकर शांत जुलूसों तक सीमित था, अचानक हिंसक हो उठा? इसके पीछे केवल एक दिन की उत्तेजना नहीं, बल्कि वर्षों की उपेक्षा और आशंकाओं का संचय है। जब सरकार लगातार बातचीत का आश्वासन देती है, किंतु ठोस निर्णय नहीं लेती, तो जनसमूह को लगता है कि उनकी आवाज़ महज़ औपचारिकताओं में दबा दी जा रही है। लेह और करगिल की अलग-अलग राजनीतिक पहचान, रोजगार में आरक्षण की मांग, तथा संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार जैसे मुद्दे किसी क्षणिक असंतोष की उपज नहीं हैं। यह वे प्रश्न हैं जो लोगों के जीवन, भविष्य और पहचान से सीधे जुड़े हुए हैं।

बेरोजगारी लद्दाख का सबसे गंभीर प्रश्न बनकर उभरा है। स्थानीय युवाओं की शिकायत है कि उन्हें योजनाबद्ध ढंग से नौकरियों से बाहर रखा जा रहा है। विकास के वादों के बीच जब उनके हाथ खाली रह जाते हैं, तो स्वाभाविक है कि निराशा धीरे-धीरे गुस्से में बदल जाए। बेरोजगारी केवल आर्थिक समस्या नहीं है, यह सामाजिक असुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता पर भी चोट करती है। जब युवा अपने ही घर-आंगन में उपेक्षित महसूस करने लगें, तो असंतोष की लपटों को दबाना असंभव हो जाता है। लेह में हिंसा का भड़कना केवल प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करता है। लोकतंत्र का तकाज़ा यह है कि समस्याओं का समाधान बातचीत और सहमति से निकले। किंतु जब बातचीत महज़ कागज़ी दस्तावेज़ों तक सीमित रह जाए और फैसले अनिश्चित काल तक टलते रहें, तो जनता का विश्वास डगमगाना स्वाभाविक है। यही वह बिंदु है जहाँ आंदोलन हिंसा में बदल जाता है। यह स्थिति केवल लद्दाख की नहीं है, बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी देखा जा सकता है कि जहाँ मांगों को समय रहते नहीं सुना जाता, वहाँ परिस्थितियाँ विकराल रूप धारण कर लेती हैं।यह भी विचारणीय है कि ऐसे आंदोलनों में बाहरी और अवांछित तत्व किस प्रकार अपनी जगह बना लेते हैं।

यूपी की कानून-व्यवस्था : अतीत की सिहरन और आज की कसौटी

सुरेश गांधी

राजनीतिक स्मृति कभी छोटी नहीं होती। जनता उन दिनों को याद रखती है जब दंगे, लाठीचार्ज और प्रशासनिक निष्क्रियता ने राज्य को असुरक्षा के घेरे में डाला था। ऐसे में आज का हर भाषण तभी प्रभावी होगा, जब वह आत्मावलोकन और जिम्मेदारी की भावना से निकले। नैतिकता का उपदेश देने से पहले अपने शासनकाल का निष्पक्ष मूल्यांकन ही किसी भी नेता को असली विश्वसनीयता दे सकता है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि किसी भी सरकार के लिए पुलिस बल का अति प्रयोग लोकतांत्रिक आदर्शों के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। सत्ता चाहे किसी की भी हो, जनता उम्मीद करती है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर असहमति की आवाज़ को कुचला न जाए। परंतु यह अपेक्षा तब और मजबूत हो जाती है जब विपक्षी नेता स्वयं अपने अतीत से सीख लेकर रचनात्मक सुझाव दें। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य, सांस्कृतिक वैभव और धार्मिक आस्था की धरती है, लेकिन कानून-व्यवस्था को लेकर यहां हमेशा सख़्त सवाल उठते रहे हैं।

2013 से 14 का समय याद कीजिए, जब सूबे में अपराध का ग्राफ़ इतना ऊंचा था कि तत्कालीन राज्यपाल अज़ीज़ कुरैशी और केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त की थी। महिलाएं, किसान, व्यापारी, पत्रकार, किसी को सुरक्षा का भरोसा नहीं था। दंगे, हत्या, लूट, बलात्कार, फर्जी मुकदमे, अवैध खनन और ज़मीन कब्ज़ा जैसी घटनाओं ने लोगों को भयभीत कर दिया था। बिजली संकट, टूटी सड़के, जर्जर स्कूल व सरेराह पिटते टीचर जैसी तमाम चिंताएं आम थी। मकान जलना, दुकानों का खाक होना, निर्दोषों को फंसाना, अधिकारों का हनन सपाईयों का धंधा या यूं कहे अधिकार हो गया था। किसानों को बकाया नहीं मिल रहा था, योजनाएं ठप थीं। मीडिया और पत्रकारों पर दबाव इतना था कि सच लिखने वालों को धमकाया गया, कुछ की हत्या हुई, कुछ फंसाएं गए या यूं कहें स्वाधीन पत्रकारिता दबाव में थी। जनता के मन में यह छवि बन गई थी कि कानून दलदल में धंस गया है। लेकिन समय बदला है और जनता आज यह पूछती है क्या वर्तमान सरकार ने वाकई अपराध पर अंकुश लगाया है, या वह केवल पुराने दौर की प्रतिध्वनि है? उस दौर की घटनाओं को आज भी लोग भूले नहीं हैं। भदोही के मुहर्रम विवाद में ताजिया जुलूस पर टकराव, दुकानों को आग के हवाले करना और प्रशासन का समय पर कोई कदम न उठाना, सीतापुर, बरेली, मेरठ, कानपुर जैसे जिलों में लगातार दंगे, अवैध कब्ज़ों और फर्जी मुकदमों की भरमार, इन सबने राज्य की छवि को बुरी तरह प्रभावित किया। उस समय पत्रकारों पर हमले हुए, कई मारे गए, कई पर झूठे केस लादे गए। उद्योगपति और निवेशक प्रदेश से किनारा करने लगे। बिजली व्यवस्था चरमराई, किसान बकाया भुगतान को तरसते रहे। यह वह दौर था, जब लोग अपने घरों में भी सुरक्षित महसूस नहीं करते थे और पुलिस-प्रशासन पर भरोसा लगभग टूट चुका था। लेकिन 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता में आने के बाद "कानून का राज" स्थापित करने की नीति अपनाई गई। सरकार ने "जीरो टॉलरेंस" का नारा दिया और अपराधियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू की। 2017 से अब तक लगभग 14,900 मुठभेड़ अभियानों में 238 अपराधी मारे गए और 30,000 से अधिक गिरफ्तार हुए। "ऑपरेशन कन्विक्शन" के तहत नए कानूनों के अंतर्गत 457 मामलों का निपटारा एक वर्ष में हुआ, जिनमें चार दोषियों को मृत्युदंड और 19 को 20 साल से अधिक की सजा मिली। 2022 की एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश की कुल अपराध दर राष्ट्रीय औसत से कम है। हाल में बरेली में दंगे की साज़िश रचने के आरोप में मौलाना तौकीर रज़ा की गिरफ्तारी इसी नीति का उदाहरण है। जनता ने दोबारा भारी बहुमत देकर इसे स्वीकार भी किया। पर तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में उत्तर प्रदेश अभी भी देश में सबसे ऊपर है। 2023 में 65,000 से अधिक मामले दर्ज हुए। हाथरस की भीड़ त्रासदी, वाराणसी गैंगरेप और संभल की हिंसा जैसे ताज़ा मामले बताते हैं कि व्यवस्था को अभी और मज़बूत करने की ज़रूरत है। कठोर कार्रवाई जितनी ज़रूरी है, उतनी ही ज़रूरी न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और पुलिस की जवाबदेही है। मुठभेड़ों पर मानवाधिकार सवाल उठाते हैं। इंटरनेट बंद करने और बुलडोज़र नीति पर भी बहस जारी है। सत्ता में चाहे कोई भी हो, जनता की पहली अपेक्षा सुरक्षा और निष्पक्ष न्याय की है। कानून-व्यवस्था का असली अर्थ केवल अपराधियों को मार गिराना नहीं, बल्कि हर नागरिक में यह भरोसा जगाना है कि वह सुरक्षित है और न्याय पाएगा, चाहे उसका धर्म, जाति या सामाजिक दर्जा कुछ भी हो। अतीत के "गुंडाराज" ने जो सिहरन छोड़ी थी, उसने ही जनता को बदलाव के लिए प्रेरित किया। अब यह योगी सरकार की ज़िम्मेदारी है कि वह सिर्फ सख्ती का नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण और निष्पक्ष शासन का उदाहरण पेश करे।

यूपी ने अपराध और अराजकता के उस दौर को देखा है, जिसे याद कर आज भी लोग कांप उठते हैं। वर्तमान सरकार ने अपराधियों पर शिकंजा कसा है, लेकिन यह सफर अधूरा है। जब तक हर नागरिक यह न महसूस करे कि उसका अधिकार और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है, तब तक "अमन और चैन" का सपना पूरा नहीं होगा। जनता अब भी यही चाहती है, सिर्फ़ ताबड़तोड़ कार्रवाई नहीं, बल्कि कानून का ऐसा राज जिसमें भय नहीं, भरोसा हो। यही असली कसौटी है, जिस पर उत्तर प्रदेश की मौजूदा सरकार को खरा उतरना होगा।

वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने कहा, यूपी की राजनीति में क़ानून-व्यवस्था हमेशा से चुनावी मुद्दा रही है। हाल के दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार जिस तरह से दंगाई और उकसाने वालों पर कार्रवाई कर रही है, वह जनता की चर्चा का केंद्र बनी हुई है।बरेली में दंगे की साज़िश रचने के आरोप में मौलाना तौकीर रज़ा की गिरफ्तारी इसका हालिया उदाहरण है। सरकार का संदेश साफ़ है, हिंसा फैलाने वालों को राजनीतिक या सामाजिक हैसियत का संरक्षण नहीं मिलेगा। श्री बग्गा ने 2017 के पहले की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि बनारस में आएं दिन व्यापारियों की हत्या, लूट, फिरौती व रंगदारी की घटनाएं होती थी, लेकिन अब एक भी घटना का न होना इस बात का प्रमाण है कि योगीराज में हर तबका सुरक्षित है। तब अक्सर निर्दोषों को ही मुकदमों में फँसाकर वास्तविक साज़िशकर्ताओं पर कार्रवाई टाल दी जाती थी।

आधुनिक जीवनशैली में हृदय विकार का खतरा चरम पर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

हृदय रोग विश्व भर में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या हैं। हमारे देश में तो यह चरम पर हैं, एक-दो दशक पहले तक यह समस्या केवल अमीर बुजुर्गों के हिस्से आनेवाली मानी जाती थी, परंतु देश में अब इस बीमारी ने अत्यधिक तेजी से पैर पसारे हैं। बच्चे और जवान भी इसके शिकार हो रहे हैं। देश में प्रदूषण और मिलावटखोरी ने समस्त जीवसृष्टि के लिए खतरा बढ़ाया है और मनुष्य का आलस्य, लालच, निकृष्ट दर्जे का खाना, आधुनिक जीवनशैली व मानसिक तनाव ने बीमारियों को मौत के तौर पर आमंत्रित किया हैं। देश में खुद युवा अवस्था में हृदय रोग चिकित्सक भी हृदय रोग से जान गंवाने की घटनाएं हो रही हैं। इस साल 2025 के लिए विश्व हृदय दिवस की थीम है ₹एक भी धड़कन न चूकें।₹ यह थीम हमारे हृदय स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए एक सशक्त अनुस्मारक है, जो हृदय रोग के प्रारंभिक चेतावनी संकेतों के प्रति सक्रिय रहने और जाँच में देरी न करने, स्वस्थ आदतों और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप पर जोर देता हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। 2022 में, अनुमानित 19.8 मिलियन लोगों की हृदय रोग से मृत्यु हुइ, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली कुल मौतों का लगभग 32 प्रतिशत हैं। इनमें से 85 प्रतिशत मौतें दिल के दौरे और स्ट्रोक के कारण हुईं। संयुक्त राज्य अमेरिका में हर 34 सेकंड में एक व्यक्ति हृदय रोग से मरता है और 2023 में, हृदय रोग से 9,19,032 लोगों की मृत्यु हुयी, अर्थात हर तीन मौतों में से एक। अधिकांश हृदय रोगों को तंबाकू सेवन, अस्वास्थ्यकर आहार (नमक, चीनी और वसा में उच्च) और मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, द्वेष, चिड़चिड़ापन, गुस्सा, चिंता, अवसाद, मिलावटखोरी, शराब का हानिकारक सेवन और वायु प्रदूषण जैसे व्यवहारिक और पर्यावरणीय जोखिम कारकों को संबोधित करके रोका जा सकता हैं। हृदय रोग का जल्द से जल्द पता लगाना महत्वपूर्ण है ताकि परामर्श और दवा के साथ प्रबंधन शुरू किया जा सकें। दिल्ली के आकाश हेल्थकेयर द्वारा किए गए पाँच-वर्षीय अध्ययन से पता चला है कि कोविड-19 महामारी के बाद से हृदय रोग के मामले दोगुने हो गए हैं, और आपातकालीन मामलों में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं। 2020 से 2023 के बीच भारत के अस्पतालों से प्राप्त आँकड़ों से पता चलता है कि हृदय रोग के 50 प्रतिशत मरीज़ 40 वर्ष से कम आयु के हैं, जो कि बेहद ही गंभीर विषय हैं। पिछले 4-5 वर्षों में युवाओं में इसके मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई हैं। उच्च रक्तचाप (24 प्रतिशत), मधुमेह (10 प्रतिशत), और डिस्लिपिडेमिया (39 प्रतिशत) जैसे जोखिम कारक शामिल हैं। इसके अलावा, धूम्रपान (36 प्रतिशत), अत्यधिक शराब का सेवन (16 प्रतिशत), अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि (11 प्रतिशत) और खराब आहार गुणवत्ता (12 प्रतिशत), व्यक्तिगत एवम कार्य-संबंधी तनाव, मनोसामाजिक कारक, और जीवन की घटनाएँ (32 प्रतिशत) जो अंतःसंवहनी घनास्त्रता एवम परिणामस्वरूप, हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को बढ़ाती हैं। इसके अलावा, आनुवंशिक कारक और सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ स्थिति को अधिक जटिल बना देती हैं। दुनिया भर में तंबाकू से संबंधित हृदय रोग से 1.9 मिलियन मौतें होती हैं।

गुजरात के जामनगर शहर के 41 वर्षीय जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गांधी का उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। रिपोर्टों के अनुसार, डॉ. गांधी ने अपने करियर में 16,000 से ज़्यादा हृदय शल्य चिकित्साएँ की थी। अभी हाल ही में, 39 वर्षीय हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. ग्रैडलिन रॉय का चेन्नई के एक अस्पताल में ड्यूटी के दौरान अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। एक 39 वर्षीय दंत चिकित्सक, फिटनेस के प्रति उत्साही और गोवा में 32 किमी की मैराथन में भाग लेने वाले की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। फिट और तंदरुस्त रहनेवाले फिल्मी सेलिब्रेटी पुनीत राजकुमार, सिद्धार्थ शुक्ला, राजू श्रीवास्तव, गायक केके और अभी 42 वर्षीय शेफाली जरीवाला की मृत्यु का कारण भी हृदय विकार ही रहा। कुछ माह पूर्व महाराष्ट्र के कोल्हापुर के एक प्रसिद्ध युवा कुश्ती खिलाडी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कर्नाटक में एक 28 वर्षीय व्यक्ति की क्रिकेट मैच में जीत का जश्न मनाते समय और एक शादी समारोह में मंगलसूत्र बांधने के तुरंत बाद 25 वर्षीय दूल्हे की मृत्यु हो गई। विभिन्न हिस्सों में व्यायाम के दौरान भी युवाओं की मृत्यु के मामले सामने आए हैं। अब तो छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी हृदय विकार से जान गंवाने की खबरें अत्यधिक बढ़ गयी हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि, देश में हर साल 14 साल से कम उम्र के सैकड़ों बच्चों की दिल का दौरा पड़ने या हृदय रोग से मृत्यु होती हैं। राजस्थान के सीकर स्थित एक स्कूल में 9 साल की एक बच्ची की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। अलीगढ़ के एक 14 साल के लड़के की स्कूल की खेल प्रतियोगिता की तैयारी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। कुछ दिन पहले ही, महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक 10 साल का बच्चा अपने घर के सामने खेल रहा था, अचानक तबीयत खराब होने पर, वह घर गया और अपनी माँ से पिने के लिए पानी माँगा और माँ की गोद में ही दम तोड़ दिया। इससे पहले, महाराष्ट्र के नासिक में 6 साल की एक स्कूली बच्ची की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी।

वायु प्रदूषण के कारण हर साल 7 मिलियन लोगों की मृत्यु होती हैं, तथा इस्केमिक हृदय रोग इन मौतों के प्रमुख कारणों में से एक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान हैं, कि हर साल लगभग 4.2 मिलियन असामयिक मौतें बाहरी वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। वायु प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोग; जो सड़कों, रेलमार्गों, बंदरगाहों या औद्योगिक क्षेत्रों के पास रहने या काम करने वाले लोग, जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने वाले लोग, धूम्रपान न करने वाले वयस्कों और बच्चों पर अप्रत्यक्ष धूम्रपान के धुएँ के संपर्क में आने से स्वास्थ्य प्रभाव हानिकारक और असंख्य हैं। अप्रत्यक्ष धूम्रपान के संपर्क में आने से हृदय रोग और स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम, गंभीर अस्थमा के दौरे और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। कई अध्ययनों ने वायु प्रदूषण और हृदय स्वास्थ्य के बीच एक स्पष्ट संबंध स्थापित किया है। जब लोग प्रदूषित हवा में साँस लेते हैं, तो उसके सूक्ष्म कण फेफड़ों में गहराई तक जाकर रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। इससे हृदय संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें शामिल हैंः रक्तचाप में वृद्धि, हृदय गति में गड़बड़ी, दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ना, एथेरोस्क्लेरोसिस, और असुरक्षित आबादी पर प्रभाव। हृदय विकार के कारण तेजी से होनेवाली असमय मौतों की गति को अधिक जागरूकता, बेहतर जाँच और जीवन रक्षक उपायों की बढ़ती उपलब्धता द्वारा काफी हद तक कम करने में कारगर साबित हो सकते हैं।

शहर की स्मार्टनेस का पैमाना— तकनीक या इंसानियत?

आरके जैन

शहर केवल पत्थर, कंक्रीट और चमकते ढांचों का समूह नहीं, बल्कि उन लाखों लोगों की कहानियों, सपनों और संवेदनाओं का जीवंत कैनवास हैं, जो उन्हें सांस देते हैं। आज जब शहरीकरण को तकनीकी प्रगति और स्मार्ट सिटी की चकाचौंध से जोड़ा जा रहा है, तब यह सवाल और भी ज़ोर पकड़ता है—क्या हम तकनीक की इस अंधी दौड़ में मानव जीवन की बुनियादी ज़रूरतों और भावनाओं को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं? स्मार्ट सिटी का भव्य सपना और संवेदनशील शहर का मानवीय विचार एक-दूसरे के आमने-सामने हैं। यह टकराव हमें मजबूर करता है कि हम अपने शहरों की दिशा तय करें—क्या सिर्फ़ तकनीकी चमक की ओर, या उस जगह की ओर जहाँ हर इंसान की गरिमा, ज़रूरतें और सपने साकार हों?

स्मार्ट सिटी की परिकल्पना तकनीक को शहर का हृदय बनाती है। सेंसर-आधारित ट्रैफिक प्रबंधन, डिजिटल परिवहन ऐप्स, स्मार्ट कचरा प्रबंधन, सौर ऊर्जा और चौबीसों घंटे उपलब्ध ई-गवर्नेंस—यह सब सुनने में जादुई लगता है। कौन नहीं चाहेगा कि ट्रैफिक जाम इतिहास हो, सरकारी सेवाएँ एक क्लिक पर मिलें, और शहर डेटा की लय पर चले? यह मॉडल मध्यवर्ग और उच्चवर्ग के लिए ख़ासा आकर्षक है, क्योंकि यह उनकी ज़रूरतों—तेज़ इंटरनेट, आधुनिक परिवहन, सुगम प्रशासन—को प्राथमिकता देता है। मगर सवाल यह है—क्या यह "स्मार्टनेस" सबके लिए है?जब स्मार्ट सिटी की गहराई में झाँकते हैं, तो असहज सच्चाइयाँ उभरती हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ शहरी आबादी का बड़ा हिस्सा झुग्गी-झोपड़ियों में गुज़र-बसर करता है, वहाँ स्मार्ट सिटी की चमक कितनी मायने रखती है? स्वच्छ पानी, बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षित आवास आज भी लाखों लोगों के लिए दूर का सपना हैं। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में अरबों रुपये डिजिटल सर्वे, डेटा कलेक्शन और हाई-टेक ढांचों पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन झुग्गियों में रहने वालों की ज़िंदगी को बेहतर करने की गंभीर कोशिशें नदारद हैं। मिसाल के तौर पर, स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम कचरे को ट्रैक कर सकता है, मगर जब वही कचरा गरीब बस्तियों के पास ढेर होता है, तो वहाँ के लोगों की तकलीफ़ें तकनीक से नहीं सुलझतीं। स्मार्ट सिटी की योजनाएँ अक्सर एक ख़ास तबके की ज़रूरतों को केंद्र में रखती हैं। चौड़ी सड़कें, गगनचुंबी इमारतें और हाई-स्पीड इंटरनेट मध्यवर्ग और उच्चवर्ग के लिए सुकूनदायी हैं, लेकिन फुटपाथ पर सामान बेचने वाला या दिहाड़ी मज़दूर इन योजनाओं में कहाँ ठहरता है? स्मार्ट सिटी के नक्शे में इनकी जगह या तो ग़ायब है, या फिर "पुनर्विकास" के नाम पर इन्हें उजाड़ दिया जाता है। यह विडंबना नहीं तो क्या है कि स्मार्ट सिटी के नाम पर चमचमाते मॉल और मेट्रो स्टेशन तो बनते हैं, मगर सड़क किनारे रहने वाले परिवारों के लिए न छत है, न सम्मान। तकनीकी निगरानी का मसला भी कम गंभीर नहीं। स्मार्ट सिटी में हर कोने पर सीसीटीवी, फेस-रिकग्निशन सिस्टम और डेटा कलेक्शन का जाल फैलाया जा रहा है। सुरक्षा के लिए यह ज़रूरी हो सकता है, मगर क्या यह नागरिकों की निजता और स्वतंत्रता को ख़तरे में नहीं डालता? जब आपका हर कदम रिकॉर्ड हो, आपका डेटा इकट्ठा हो, तो क्या आप सचमुच आज़ाद महसूस करते हैं? स्मार्ट सिटी में इंसान एक डेटा पॉइंट बनकर रह जाता है, उसकी भावनाएँ, निजता और गरिमा गौण हो जाती हैं। यह किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए ख़तरनाक संकेत है।

संवेदनशील सिटी की अवधारणा एक नया दृष्टिकोण लाती है, जहाँ शहर सिर्फ़ तकनीकी चमक से नहीं, बल्कि हर नागरिक की ज़रूरतों, भावनाओं और असमानताओं को गले लगाने से परिभाषित होता है। यहाँ तकनीक साधन है, मंज़िल नहीं। एक संवेदनशील शहर वह है जहाँ बुज़ुर्गों के लिए सुलभ फुटपाथ हों, बच्चों के लिए सुरक्षित खेल के मैदान, दिव्यांगजनों के लिए बाधा-मुक्त परिवहन, और गरीबों के लिए किफ़ायती आवास। यह वह शहर है जहाँ चौड़ी सड़कों से ज़्यादा पेड़ों की छाँव को तरजीह दी जाए, हाई-टेक ट्रांसपोर्ट से ज़्यादा हर नागरिक की सस्ती और सुरक्षित यात्रा मायने रखे, और स्मार्ट गवर्नेंस से बढ़कर नागरिकों की गरिमा व उनकी आवाज़ को महत्व मिले।

जलवायु परिवर्तन का गहराता संकट इस विमर्श को और प्रासंगिक बनाता है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में चमचमाती ग्लास की इमारतें और एयर-कंडीशनिंग का ज़ोर है, जो ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन को बढ़ाते हैं। मगर संवेदनशील दृष्टिकोण टिकाऊ वास्तुकला, हरित क्षेत्रों और स्थानीय संसाधनों को अपनाता है। क्या यह विडंबना नहीं कि स्मार्ट सिटी के नाम पर कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं, पर नागरिकों को साँस लेने के लिए ताज़ी हवा और खुली जगहें सिकुड़ रही हैं? एक संवेदनशील शहर हरित क्षेत्रों, पैदल पथों और साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देता है, ताकि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों की रक्षा हो। संवेदनशील शहरीकरण का मूल आधार है नागरिकों की सच्ची भागीदारी। स्मार्ट सिटी की नीतियाँ अक्सर ऊपर से थोपी जाती हैं, जहाँ नागरिक सिर्फ़ उपभोक्ता बनकर रह जाता है। लेकिन संवेदनशील शहर में हर तबके की आवाज़ गूँजती है—रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर कॉर्पोरेट सीईओ तक, सभी की ज़रूरतें और आकांक्षाएँ बराबरी से सुनी जाती हैं।

सावधान ! सोचना दंडनीय अपराध है

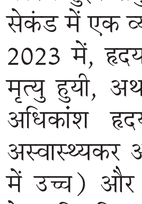

डॉ. सुरेश कुमार

इन दिनों यमलोक के हेडक्वार्टर में जो अफरा-तफरी मची है, वैसी तो देवासुर संग्राम के टाइम पर भी नहीं मची थी। यमराज अपने सिंहासन पर बैठे-बैठे दिन में चार बार बीपी की गोली खा रहे हैं और चित्रगुप्त का हाल तो पूछिए ही मत। उनके सुपर-कंप्यूटर, जिसका नाम 'कर्म-प्रोसेसर 9000' है, बार-बार हैंग हो रहा है। वजह? आर्यावर्त से आने वाला डेटा। वहाँ के इलेक्शन कमीशन के डेटा से तो उनका पहले ही छत्तीस का आँकड़ा था, अब वहाँ की पुलिस की एफआईआर ने तो उनके पूरे सिस्टम का 'सत्यानाश' कर दिया है। चित्रगुप्त जी अपने असिस्टेंट्स पर चिल्ला रहे थे, व्हाट इज़ दिस नॉनसेंस? हमारा बही-खाता कहता है कि आत्मा की 'एक्सपायरी डेट' आ गई है, और आर्यावर्त का पुलिस-डेटा कहता है कि 'सब्जेक्ट इज़ ऑलरेडी इन आवर कस्टडी'। मतलब, हम आत्मा लेने जाएँ या ज़मानत कराने? मामला इतना कॉम्प्लिकेटेड हो गया है कि यमलोक की लीगल टीम ने इस्तीफ़ा देने की धमकी दे दी है, कह रहे हैं कि आर्यावर्त के कानून समझना उनके बस की बात नहीं। यह 'पहले आप-पहले आप' का ऐसा खेल है जिसमें आत्मा बेचारी बीच में ही लटकी हुई है। यमदूत कह रहे हैं, 'पुलिसवाले साहब, आप छोड़िए तो हम ले जाएँ,' और पुलिसवाले कह रहे हैं, 'पहले इनकी धाराएँ तो पूरी होने दो, फिर जहाँ ले जाना है ले जाना।'

इसी घनघोर कन्फ्यूज़न के बीच एक नई फाइल यमराज की मेज पर धड़ाम से आकर गिरी। फाइल का कवर लैमिनेटेड था और उस पर लाल स्याही से लिखा था- 'केस नंबर 786ः फुंसुक वांगड़ु - अर्जेंट बट सुपर कन्फ्यूज़िंग'। यमराज ने फाइल खोली और पहले पन्ने पर लिखी चार्जशीट पढ़कर उनका सिर चकरा गया। उन्होंने चश्मा उतारकर चित्रगुप्त से पूछा, चित्रगुप्त, ये वांगड़ु कौन है? और इस पर ये कैसे-कैसे इल्ज़ाम लगे हैं? 'ज्ञान फैलाने की साज़िश', 'रट्टा-मार शिक्षा प्रणाली के खिलाफ देशद्रोह', 'नवाचार के माध्यम से युवाओं को गुमराह करना'... ये सब क्या है? हमने तो आज तक हत्या, लूट, भ्रष्टाचार जैसे केस ही हैंडल किए हैं। ये 'काबिल बनो, कामयाब नहीं' वाला कौन-सा नया अपराध आईपीसी में जुड़ गया है? चित्रगुप्त ने एक लंबी साँस ली, जो आधी चिंता और आधी बेबसी से भरी थी। प्रभु, यही तो प्रॉब्लम है। यह केस हमारे 'स्कोप ऑफ वर्क' से बाहर का लगता है। आर्यावर्त का सिस्टम अब उन चीज़ों के लिए लोगों को उठा रहा है, जिन्हें हम सदियों से सद्गुण मानते आए हैं। वो उसे गिरफ्तार कर ले गए हैं प्रभु। हमारा एक यमदूत उसे लेने गया था, पर पुलिस स्टेशन के बाहर ही उसे रोक दिया गया। कह रहे थे, 'अभी इन्वेस्टिगेशन चल रही है, डिस्टर्ब मत करो'।

यमराज ने अपने सबसे अनुभवी और 'स्ट्रीट-स्मार्ट' यमदूत, जिसका कोडनेम 'यम-007' था, को तलब किया। यम-007 लंदन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों से आत्माएँ लाने में स्पेशलिस्ट था और उसकी हिंग्लिश पर पकड़ बहुत मज़बूत थी। उसने आकर यमराज को सैल्यूट मारा और बोला, सर, सीन बहुत मेस्ड-अप है। मैं गया था वांगड़ु जी को लाने। बट, लाइक, वहाँ का सिस्टम तो टोटली डिफरेंट बॉलगेम है। मैंने पुलिसवाले से कहा, 'ड्यूड, इनका टाइम-अप हो गया है, लेट मी डू माई जॉब।' तो वो हँसकर बोला, 'टाइम-अप नहीं, लॉक-अप हुआ है। और जॉब तो हम कर रहे हैं। इन्होंने देश के एजुकेशनल सिस्टम की स्टेबिलिटी को थ्रेटन किया है।'

सीतानदी मुठभेड़ में बड़ी सफलता, कमांडर श्रवण और नगरी डिप्टी कमांडर राजेश ढेर

तीन शव बरामद

कांकेर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कांकेर जिले के तिरयारपानी और छिंदखड़क के जंगलों में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में जवानों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बालों ने मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। इसमें एक महिला और दो पुरुष नक्सली शामिल है। तीनों का शव बरामद कर लिया गया है। तीनों नक्सलियों के ऊपर 14 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

कांकेर एसएसपी आई के एसलिसेला ने बताया कि कांकेर जिला गारियाबंद जिला डीआरजी के साथ बीएसएफ जवानों की संयुक्त टीम आज सुबह नक्सल आपरेशन के लिए निकली हुई थी। तिरयारपानी के जंगलों में नक्सलियों से जवानों के साथ मुठभेड़ हो गया। इलाके में जब सर्च आपरेशन चलाया गया। मौके से तीन नक्सलियों का शव बरामद हुआ है।

तीनों नक्सलियों के ऊपर 14 लाख रुपये का इनाम घोषित

जिसकी पहचान राजेश उर्फ राकेश हेमला, एसीएम, नगरी एरिया कमेटी/गोबरा एलओएस कमाण्डर पांच लाख का इनाम घोषित था। दूसरा नक्सली सरवन मडकम उर्फ विश्वनाथ उर्फ बुधराम पुनेम एसीएम, सीतानदी/रावस समन्वय एरिया कमेटी- सचिव जिसके ऊपर आठ लाख रुपये का इनाम और तीसरी महिला नक्सली बसंती कुंजाम उर्फ हिडमें पीएम, समन्वय/प्रोटेक्शन टीम मैनपुर-नुआपाड़ा सदस्य जिसके ऊपर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। मौके से एक नग एसएलआर, एक नग 303 रायफल, एक नग 12 बोर बरामद और अन्य नक्सल सामाग्री बरामद हुआ है।

यह क्षेत्र नक्सलियों का ट्रांजिट रूट

कांकेर एसएसपी आई के एलिसेला ने बताया कि यह क्षेत्र में काफी साल बाद नक्सल मूमेंट देखने को मिला है। यह क्षेत्र नक्सलियों का ट्रांजिट रूट रहा है, जहां से अक्सर बड़े नक्सली आना-जाना करते है। उन्होंने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों और कठिन मौसम के बावजूद बस्तर में तैनात पुलिस, सुरक्षा बल भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप और बस्तरवासियों की आकांक्षाओं के अनुरूप जनजीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं।

पुलिस महानिरीक्षक ने माओवादी कैडरों से अपील की कि वे यह यथार्थ स्वीकार करें कि माओवाद समाप्ति के कगार पर है। अब समय आ गया है कि वे हिंसा का मार्ग त्याग कर सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाते हुए मुख्यधारा से जुड़ें। यदि वे अवैध और हिंसक गतिविधियाँ जारी रखते हैं, तो उन्हें कठोर परिणाम भुगतने होंगे।

पूर्व गृहमंत्री को लेकर कांग्रेस का तंज

साय सरकार में प्रशासनिक अराजकता हावी, बगावत पर उतारू बीजेपी नेता

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री रह चुके बीजेपी के सीनियर नेता ननकीराम कंवर के रायपुर में धरने देने की चेतावनी पर कांग्रेस ने तंज कसा है। कांग्रेस ने निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व गृहमंत्री के सीएम हाउस रायपुर के सामने धरने पर बैठने की घोषणा करने से ये साफ जाहिर है कि साय सरकार जनसरोकार दूर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ननकीराम भाजपा के वरिष्ठतम नेताओं में एक हैं, उनको अपनी मांग मनवाने के लिए मुख्यमंत्री निवास के सामने धरना देने की घोषणा करना पड़ रहा है। ऐसे में कल्पना कर सकते हैं कि आम आदमी का क्या हाल होगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि ननकीराम ने जिन मुद्दों को उठाया है वे राज्य की जमीनी हकीकत है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने उनके पत्र के मुद्दों को संज्ञान लिया था फिर अभी तक कार्यवाही क्यों नहीं हुई? कंवर अकेले नहीं है साय सरकार की कार्यप्रणाली से कोई भी भाजपा का नेता कार्यकर्ता खुश नहीं है दलीय प्रतिबद्धता के कारण सबकी जुबान बंद है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में प्रशासनिक अराजकता हावी है। कंवर ने अपने पत्र में सिल-सिलेवार बताया है कि किस प्रकार से प्रशासनिक अधिकारी भाजपा के कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को प्रताड़ित कर रहे हैं। जब भाजपा के कार्यकर्ताओं का यह हाल है तो आम आदमी के साथ यह अधिकारी कैसा सलूक करते होगें, इसकी कल्पना कर सकते हैं। कंवर का आरोप है कि कलेक्टर डीएमएफ फंड का दुरुपयोग कर रहे व्यक्तिगत लाभ ले रहे हैं। वरिष्ठ नेता की ओर से सीएम साय को पत्र लिखना और उसका निराकरण न होना बताता है कि प्रशासनिक अराजकता को सरकार का संरक्षण है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कंवर ने तो केवल एक जिले के कलेक्टर के बारे में पत्र में लिखा है। पूरे प्रदेश में यही हालात है। कंवर के पहले भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष आदिवासी नेता रवि भगत ने भी बेलगाम नौकरशाही और मंत्री के मनमानी को उजागर किया था। सरकार की कमजोर पकड़ के कारण प्रशासनिक तंत्र बेलगाम हो गया है। पिछले एक साल में राज्य में काम करने की संस्कृति खत्म हो गई है। आम आदमी अपने रोजमर्रा के कार्यों के लिये सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर है, किसी की कही सुनवाई नहीं हो रही है।

एसीबी ने की विनय सिंह के छह ठिकानों पर छापेमारी

अवैध जमीन जमाबंदी मामले की जांच तेज

रांची, 28 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में एसीबी की टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जेल में बंद आईएएस विनय चौबे के करीबी विनय सिंह के छह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई हजारीबाग में जमीन की अवैध जमाबंदी और अनियमित खरीद-बिक्री से जुड़े मामलों की जांच के तहत की गई है। सूत्रों के अनुसार, तीन दिन पहले ही एसीबी ने विनय सिंह को गिरफ्तार किया था। रविवार को सुबह से ही एसीबी की टीम ने छापेमारी शुरू कर दी, जिसमें स्थानीय पुलिस बल भी मौजूद था। इस दौरान कई अहम दस्तावेज, जमीन से संबंधित कागजात और लेन-देन से जुड़े रजिस्टर बरामद किए गए हैं।

यह जमाबंदी का मामला वर्ष 2013 का है। डीसी कार्यालय ने उस समय पांच प्लाट की जमाबंदी रद्द कर दी थी, क्योंकि यह क्षेत्र वन क्षेत्र में आता था। वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार का गैर-वानिकी कार्य या अतिक्रमण करना सख्त वर्जित है।

सूत्रों ने बताया कि विनय सिंह, उनकी पत्नी और उनके नेटवर्क पर लंबे समय से जमीन के अवैध कारोबार में शामिल होने के आरोप लगे थे। एसीबी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और दबंगई के बल पर प्लॉटिंग और अवैध जमाबंदी की जा रही है। एसीबी की इस छापेमारी के बाद ऐसे कई तथ्यों का खुलासा होने की संभावना है, जो जमीन से जुड़े अवैध कारोबार और प्लॉटिंग के मामलों को लेकर जांच में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

नगरीय निकायों में खुलेंगे आदर्श सुविधा केंद्र, 50 करोड़ रु मंजूर

फर्स्ट फेज में 55 नगर पालिकाओं में शुरू होंगे कार्य

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में आदर्श सुविधा केंद्र खोलने के लिए 50 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। फर्स्ट फेज में सभी 14 नगर निगमों और सभी 55 नगर पालिकाओं में ये केंद्र शुरू किए जाएंगे। ये सुविधा केंद्र नागरिकों को विभिन्न तरह के प्रमाण पत्र और लाइसेंस प्राप्त करने और पंजीयन व शिकायत निवारण जैसी सेवाओं के लिए एकीकृत केंद्र की तरह काम करेंगे। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की विशेष पहल पर ये केंद्र प्रदेश में खुलने जा रहे हैं।

भारत सरकार ने नगरीय निकायों से जुड़ी सभी तरह की सेवाओं पर आधारित आदर्श सुविधा केन्द्र खोलेने के लिए म्यूनिसिपल शेयर्ड सर्विसेस सेंटर के तहत सिटीजन एक्सपिरियंस सेंटर के लिए यह राशि मंजूर की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नगरीय निकायों में आदर्श सुविधा केंद्र स्थापित किए जाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारी सुशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत हम प्रदेश के नागरिकों को पारदर्शी, समयबद्ध और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध हैं। छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं और जीवन स्तर प्राप्त हो, यह हमारी सरकार का लक्ष्य है। आदर्श सुविधा केंद्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो नगरीय प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय की सुशासन की सरकार नगरीय निकायों के नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रही है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा राज्य शहरी विकास अभिकरण के माध्यम से केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय और प्रदेश में सिटीजन एक्सपिरियंस सेंटर स्थापित करने के लिए म्यूनिसिपल शेयर्ड सर्विसेस सेंटर के अंतर्गत प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के इस प्रस्ताव को स्वीकृति एवं अनुशंसा प्रदान करते हुए इसके लिए 50 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। ये सिटीजन एक्सपीरियंस सेंटर नगरीय निकायों से संबंधित सेवाओं (म्यूनिसिपल सर्विसेस) के लिए वन-स्टॉप हब के रूप में काम करेंगे। श्री साव ने प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करने के लिए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रदेश के नागरिकों को बधाई दी है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि आदर्श सुविधा केंद्रों के माध्यम से ''वन स्टेट - वन पोर्टल'' सिंगल प्लेटफार्म की तर्ज पर नागरिकों को जन्म, मृत्यु, विवाह जैसे आवश्यक प्रमाण पत्र, व्यापार, वेंडिंग, विज्ञापन के लिए लाइसेंस सेवाएं, संपत्ति कर, जल/सीवरेज, ठोस अपशिष्ट सेवाएँ, नगर निगम संपत्ति बुकिंग के लिए पंजीकरण, शिकायत निवारण की सुविधा तथा डिजिटल समावेशन सेवाओं का लाभ सुलभ और समयबद्ध रूप से प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि ये केन्द्र नागरिक सेवाओं को सरल और मानकीकृत करने के साथ ही प्रशासनिक बाधाओं को भी दूर करेगी, जिससे लोगों और नगरीय निकायों के अधिकारियों के मध्य पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। इसके साथ ही यह पहल पूरे राज्य में समावेशिता को बढ़ावा देगी तथा इज ऑफ लिविंग में सुधार सुनिश्चित करेगी।

रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 15 लाख वसूले

आरोपी नौकरानी गिरफ्तार

दुर्ग, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के भिलाई पुलिस ने बुजुर्ग रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर लाखों रुपये की वसूली करने वाली नौकरानी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपिया नौकरानी ने बुजुर्ग के वसूले पैसे से एक प्लॉट खरीदा और कुछ अपने बैंक खाते में रुपये जमा किए थे। भिलाई 3 थाना क्षेत्र के बीएमवाई चरोदा के रहने वाले बुजुर्ग रेलवे कर्मचारी घर पर अकेले रहता था उन्होंने ने 2018 में घर के कामकाज और खाना बनाने के लिए एक नौकरानी को रखा था, जिसे 10 हजार रुपये महीना दे था। शुरुआत में महिला ठीकठाक काम करती थी, लेकिन कुछ साल बाद महिला ने काम में लापरवाही और झगड़ा करना शुरू कर दिया। और जब बुजुर्ग ने आपत्ति की तो नौकरानी महिला बुजुर्ग से विवाद करने लगी और दुष्कर्म और छेड़खानी के झूठे केस में फंसाने की धमकी देने लगी। और बड़े अधिकारियों से अच्छे संबंध होने का हवाला देकर बुजुर्ग को डराती थी और इन धमकियों से डरकर पीड़ित ने पहले महिला को 3 लाख, 7 लाख और फिर 5 लाख रुपये के चेक के माध्यम से महिला को दिए। महिला ने 15 लाख वसूलने के बाद पीड़ित से 40 लाख की डिमांड रखी। बुजुर्ग इस डिमांड से परेशान होकर पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बुजुर्ग रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नौकरानी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बुजुर्ग से 15 लाख रुपये के वसूलने की बात को स्वीकार कर लिया और 10 लाख रुपये से पंचशील नगर में एक प्लॉट खरीदा और 5 लाख रुपए अपने बैंक खाते में जमा किए।

आई लव महादेव-आई लव मुहम्मद' पर झारखंड में छिड़ी बहस, मंत्री ने बताया वोट बैंक की राजनीति

सांसद ढुल्लू महतो ने किया पलटवार

धनबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। देश में मचे 'आई लव महादेव- आई लव मुहम्मद' विवाद पर झारखंड के खेल एवं नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने इसे वोट बैंक की राजनीति करार दिया है. वहीं धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने भी इस पर पलटवार किया है.

इन दिनों देश में आई लव महादेव- आई लव मुहम्मद का विवाद मचा हुआ है. धनबाद के वासेपुर में भी भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने आई लव मुहम्मद की लिखी तख्तियों के साथ प्रदर्शन किया.

नवरात्र के मौके पर धनबाद स्थित एलसी रोड पूजा पंडाल के उद्घाटन समारोह में झारखंड के खेल एवं नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार पहुंचे थे. उन्होंने प्रदेश के साथ-साथ पूरे देशवासियों को नवरात्रि के मौके पर शुभकामनाएं दीं. इस दौरान उन्होंने कहा कि माता रानी से यही आग्रह है कि प्रदेश सहित पूरे देश में नवरात्र शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो.

सुदिव्य कुमार ने कहा कि भारत का संविधान इस देश के हर नागरिक को अपने आराध्य के पूजन का अधिकार देता है. मेरे हिसाब से यह कोई बहस का विषय नहीं है, यह बहस का विषय उन लोगों के लिए है, जो इस बहस से अपने लिए वोट का उपार्जन करना चाहते हैं.

वहीं, मंत्री के बयान पर धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा वोट की राजनीति नहीं करती. हम लोग भगवान शिव को मानने वाले लोग हैं. इसलिए आई लव महादेव कहते हैं. भाजपा वोट की राजनीति नहीं बल्कि समाज और देश की बात करती है और काम करती है. इसका उदाहरण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं.

पिस्टल जिसे देख पुलिस भी हैरान

झारखंड में एक्सटॉर्शन गैंग के अपराधियों के पास मिली

लातेहार, 28 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में एक गिरोह के छह सदस्यों को अमेरिका निर्मित पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी जबरन वसूली और व्यापारियों को धमकाने में शामिल थे। लातेहार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने बताया, 'शुक्रवार रात मनातू रेलवे स्टेशन के पास एक जंगली इलाके में छापेमारी के बाद गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। वे फिरौती, जबरन वसूली और व्यापारियों व ठेकेदारों को धमकाने में शामिल थे।'

एक साथ 6 अपराधियों को पुलिस ने धर दबोचा

एसपी ने बताया कि उन्होंने दो अगस्त को बरियातू पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत भटचतरा में एक ट्रांसमिशन लाइन कंपनी के श्रमिकों पर हमला किया और उन पर गोलीबारी की। पुलिस अधीक्षक ने बताया, 'पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही थी। हमें सूचना मिली कि सात अपराधी मनातू रेलवे स्टेशन के पास जंगल में एकत्र हुए हैं। सूचना के आधार पर एक टीम ने इलाके में छापा मारा और गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।'

गैंग के पास मिली अमेरिकी पिस्टल

गिरफ्तारी के बाद पुलिस भी अपराधियों के पास मिले एक हथियार को देख दंग रह गई। आमतौर पर ऐसी पिस्टल देश में कम ही मिलती है। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि अपराधियों के पास से एक मेड इन अमेरिका पिस्टल भी मिली है। इसके अलावा अपराधियों के पास एक देसी कट्टा और साढ़े 28 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस इसे एक बड़ी कामयाबी मान रही है।

लाल चंदन तस्करी कांड: नागपुर से रायपुर तक फैला था तस्करी नेटवर्क

ईडी ने कुर्क की करोड़ों की संपत्ति

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल चंदन की तस्करी में शामिल आरोपी अब्दुल जाफर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने आरोपी की 8.6 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। आरोप है कि जाफर ने यह संपत्ति तस्करी से कमाए गए अवैध धन से खरीदी थी।

जांच में सामने आया कि वर्ष 2016 में अब्दुल जाफर ने रायपुर के एक गोदाम में 576 लाल चंदन के लट्ठे छिपाकर रखे थे। इन लट्ठों का कुल वजन करीब 11 टन था और इन्हें दुबई भेजने की योजना बनाई जा रही थी।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को सूचना मिली थी कि जाफर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल चंदन की तस्करी में सक्रिय है। इसी सूचना पर 2 अक्टूबर 2016 को नागपुर में एक कंटेनर रोका गया। जांच में उसमें से 1,324 लाल चंदन के लट्ठे (करीब 14 टन) बरामद हुए, जिन्हें स्पंज आयरन के नीचे छिपाकर रखा गया था।

रायपुर में भी बरामद हुआ लाल चंदन

नागपुर में हुई कार्रवाई के बाद 4 अक्टूबर 2016 को रायपुर के गोदाम पर छापा मारा गया। इस दौरान वहां छिपाकर रखे गए 576 लाल चंदन के लट्ठों को भी जब्त कर लिया गया।

आरोपी फिलहाल जेल में

इन कार्रवाइयों के बाद अब्दुल जाफर को गिरफ्तार किया गया था और वह वर्तमान में रायपुर जेल में बंद है। ईडी का कहना है कि तस्करी से कमाई गई रकम से खरीदी गई उसकी करोड़ों की संपत्ति अब कुर्क कर दी गई है।

राजभवन में नौकरी दिलाने के नाम पर 7.5 लाख रुपए की ठगी

तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज

रांची, 28 सितंबर (एजेंसियां)। डोरंडा थाना में विशाल कुमार ने सरकारी नौकरी का झांसा देकर ठगी करने का आरोप लगाते हुए केस किया है। राजभवन सचिवालय में क्लर्क की नौकरी दिलाने के नाम पर 7.5 लाख रुपये की ठगी किए जाने का आरोप लगाया गया है।

विशाल कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी मुलाकात शंभू चौधरी, परवेज खान और आशीष निशांत से हुई थी। इन तीनों ने मिलकर उन्हें राजभवन सचिवालय में क्लर्क की नौकरी दिलाने का झांसा दिया और साढ़े सात लाख की भारी रकम ऐंठ ली।

विशाल कुमार का आरोप है कि यह पैसा देने के दो साल बाद भी न तो उन्हें नौकरी मिली और न ही पैसा वापस किया गया। उल्टा, जब उन्होंने पैसे की मांग की तो धमकी, गाली गलौज और टालमटोल का सामना करना पड़ा। विशाल ने आगे बताया कि ठगी यहीं तक सीमित नहीं रही। आरोपित परवेज खान के कहने पर उन्होंने अपनी सोने की चेन आइआइएफएल शहीद चौक में गिरवी रखी, जिसके माध्यम से 33 हजार का लोन लिया गया। यह लोन परवेज खान के आधार कार्ड से पास हुआ, क्योंकि उसके पास स्थानीय (लोकल) आधार कार्ड था।

शिकायत में विशाल ने आरोप लगाया है कि इस ठगी गिरोह का सरगना शंभू चौधरी है, जो पहले किसी सरकारी विभाग में कार्यरत थे और अब दुमका सचिवालय से सेवानिवृत्ति के कगार पर हैं। वे रातू रोड, गैलेक्सी माल के समीप अपने निजी मकान में रहते हैं, जहां उनके नाम पर दुकानें भी किराये पर दी गई है। उनका दावा है कि शंभू चौधरी के माध्यम से ही परवेज और आशीष जैसे लोग भोले भाले लोगों को नौकरी का झांसा देकर पैसे ऐंठते हैं। इतना ही नहीं, शंभू चौधरी ने पीड़ित के दो अन्य परिचितों से भी तीन लाख रुपये लिए थे, जिन्हें दबाव बनाने पर वापस कर दिया गया, लेकिन विशाल का पैसा अब तक नहीं लौटाया गया है।

बाप रे! 19 साल की उम्र और करोड़ों का फ्रॉड

'कैंटीलॉन' फर्जी ट्रेडिंग ऐप से लगाया चूना

रांची, 28 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड सीआईडी की साइबर क्राइम सेल ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप के माध्यम से हुए करोड़ों रुपए के ऑनलाइन फ्रॉड का खुलासा किया है। इस मामले में, सीआईडी ने देवघर से 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। ये युवक 'कैंटीलॉन' नाम के ऐप से देशभर के निवेशकों को ठग रहा था। सीआईडी अब उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

देवघरः फर्जी ट्रेडिंग ऐप से करोड़ों के ऑनलाइन फ्रॉड का खुलासा हुआ। सीआईडी ने देवघर से 19 साल के लड़के को गिरफ्तार किया है। झारखंड के अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की साइबर क्राइम सेल ने एक सनसनीखेज ऑनलाइन फ्रॉड का खुलासा किया। देवघर में रहने वाला 19 वर्षीय युवक 'कैंटीलॉन' नाम के फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए देश भर के निवेशकों को करोड़ों रुपए का चूना लगा रहा था। सीआईडी ने उसे शुक्रवार को देवघर शहर में गिरफ्तार किया। सीआईडी उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

19 साल की उम्र में करोड़ों की ठगी

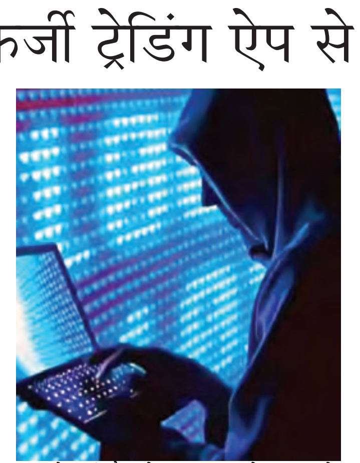

आरोपी की पहचान यशवर्धन कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के गयाजी का रहने वाला है और इन दिनों देवघर में रह रहा था। उसके खिलाफ देश के कई राज्यों में एफआईआर दर्ज है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड, ठगी से जुड़ी चैट और बैंक खाता विवरण बरामद किया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब एक पीड़ित की शिकायत पर 23 अगस्त 2025 को एफआईआर दर्ज करने के बाद सीआईडी ने तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू की।

'कैंटीलॉन' फर्जी ट्रेडिंग ऐप से धोखाधड़ी

फर्जी ट्रेडिंग ऐप मामले में आरोपी ने पीड़ित को व्हाट्सऐप चैट पर 'कैंटीलॉन' नाम के ट्रेडिंग ऐप में निवेश करने का लालच दिया गया। ऐप पर नकली प्रॉफिट दिखाकर पीड़ित को यकीन दिलाया गया कि उसे मोटा रिटर्न मिलेगा। इस झांसे में आकर उसने करीब 44 लाख रुपए अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। गृह मंत्रालय के नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज जानकारी के मुताबिक, आरोपी के बैंक खाते में झांसा देकर ऑनलाइन रकम ट्रांसफर कराने की 46 शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं।

अलग-अलग राज्यों में 46 केस दर्ज

इनमें तेलंगाना (04), उत्तराखंड (01), झारखंड (01), छत्तीसगढ़ (02), पश्चिम बंगाल (01), तमिलनाडु (04), राजस्थान (01), मध्य प्रदेश (01), महाराष्ट्र (04), कर्नाटक (08), केरल (01), हिमाचल प्रदेश (01), गुजरात (06), दिल्ली (02), बिहार (02), आंध्र प्रदेश (02) और उत्तर प्रदेश (05) की शिकायतें शामिल हैं। सीआईडी का कहना है कि गिरफ्तार युवक महज इस नेटवर्क की एक कड़ी है। पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इसके पीछे कौन-सा गैंग सक्रिय है।

मोदी-जिनपिंग की मुलाकात से भी नहीं बनी बात?

भारत–चीन व्यापार में आ रही बड़ी रुकावट

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हाल ही में भारत और चीन के बीच हुई उच्च स्तरीय बातचीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सात साल बाद चीन यात्रा से उम्मीद जागी थी कि दोनों देशों के व्यापारिक संबंध बेहतर होंगे। लेकिन जमीनी स्तर पर इस दिशा में बहुत कम सुधार देखने को मिला है। विशेषकर ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके कारोबार को नुकसान पहुंचा रही हैं।

सबसे बड़ी समस्या भारी दुर्लभ मृदा चुम्बकों के आयात की है। ये चुम्बक इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटरों और कई इलेक्ट्रॉनिक घटकों में अहम भूमिका निभाते हैं। अप्रैल से चीन ने इन दुर्लभ मृदा चुम्बकों का निर्यात बंद कर दिया है, जिससे भारत की कई कंपनियां मजबूर होकर मोटर आयात करने लगी हैं। भारतीय कंपनियों के 51 आवेदन अभी भी बीजिंग के पास लंबित हैं, और भारत की ओर से भी इस मामले में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है।

व्यापारिक प्रतिबंध और नियामक चुनौतियां

भारत में चीन से आयातित माल के लिए प्रेस नोट 3 के नियम अब भी लागू हैं, जिनके तहत सीमा साझा करने वाले देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर सख्त नियंत्रण है। कई भारतीय कंपनियों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा के बाद इस नियम में नरमी आएगी ताकि वे चीनी पार्टनर्स के साथ मिलकर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में काम कर सकें, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि इस मामले में अभी कोई बदलाव नहीं होगा और भारतीय साझेदार का बहुमत होना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा, चीन में बने उत्पादों को भारतीय मानक ब्यूरो से मंजूरी लेना जरूरी है। हालांकि बीआईएस अभी भी चीनी फैक्ट्रियों को मंजूरी नहीं दे रहा है, जिससे आयात में बाधा आ रही है। इस वजह से कई कंपनियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

उद्योग जगत की प्रतिक्रिया और उम्मीदें

एट की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ ऑटो उद्योग अधिकारी ने बताया कि उच्च स्तरीय वार्ता के बावजूद दुर्लभ मृदा चुम्बकों की सप्लाई में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। चीनी पक्ष ने शुरू में इस निर्यात को फिर से शुरू करने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपना रुख बदल दिया। भारतीय कंपनियां इस समस्या से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तलाश रही हैं। कुछ कंपनियां पहले से ही भारी दुर्लभ मृदा चुम्बकों से सुसज्जित सब-असेंबली का आयात शुरू कर चुकी हैं। वहीं, दोपहिया वाहन निर्माता हल्के चुंबकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन यह तिपहिया वाहनों के लिए पर्याप्त नहीं है क्योंकि उन्हें ज्यादा टॉर्क की जरूरत होती है।

अमेरिका को भारत ने किया खोखला?

बर्बादी का ठीकरा हम पर फोड़ने के पीछे एजेंडा समझिए

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका पर 'उलटा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत सही साबित होने लगी है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने अपने उद्योगों की बर्बादी का ठीकरा भारत पर फोड़ा है। रविवार को एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि भारत को अमेरिका के प्रति 'सही प्रतिक्रिया' देनी चाहिए।

इसमें बाजारों को खोलना और अमेरिका को 'नुकसान' पहुंचाने वाले कामों को रोकना शामिल है। इस पर पूर्व विदेश सचिव कंवल सिबल ने पलटवार किया। उन्होंने लुटनिक पर भारत की व्यापार प्रथाओं और टैरिफ नीतियों के बारे में झूठे नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया। यह सबकुछ भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से हाल ही में हुई उच्च-स्तरीय चर्चाओं के बाद हुआ है। लुटनिक ने कहा है कि अमेरिका को स्विट्जरलैंड, ब्राजील और भारत जैसे कई देशों को 'ठीक' करना है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास स्विट्जरलैंड, ब्राजील जैसे कई देश हैं जिन्हें ठीक करना है, है न? इसमें एक समस्या है।

भारत, ये ऐसे देश हैं जिन्हें वास्तव में अमेरिका के प्रति सही प्रतिक्रिया देनी चाहिए। अपने बाजार खोलें, ऐसे काम करना बंद करें जो अमेरिका को नुकसान पहुंचाते हैं और इसीलिए हम उनसे अलग हैं।' उन्होंने आगे कहा कि मुद्दे सुलझ जाएंगे। लेकिन, भारत को अमेरिका के साथ 'तालमेल बैठाना' होगा। लुटनिक ने इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि वे सुलझ जाएंगे, लेकिन इसमें समय लगेगा। इन देशों को यह समझना होगा कि अगर आप अमेरिकी उपभोक्ता को बेचना चाहते हैं तो आपको अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ तालमेल बैठाना होगा। तो वे अभी भी आ रहे हैं। कई देश चले गए। लेकिन, बड़े वाले आप जानते हैं, भारत, हम इसे समय के साथ सुलझा लेंगे।'

झूठा नैरेटिव बना रहा है अमेरिका

पूर्व विदेश सचिव कंवल सिबल ने हॉवर्ड लुटनिक पर भारत की व्यापार प्रथाओं और टैरिफ नीतियों के बारे में झूठे नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाते हुए उनकी आलोचना की। सिबल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अमेरिका भारत के साथ 'सही' क्या कर रहा है और उसने भारत को विशेष रूप से क्या रियायतें दी हैं। सिबल ने एक्स पर लिखा, 'अमेरिका भारत के साथ 'सही' क्या कर रहा है? अमेरिका ने विशेष रूप से भारत को क्या रियायतें दी हैं? आपके कम टैरिफ सभी देशों के लिए थे, न कि विशेष रूप से भारत के लिए।' उन्होंने कहा, 'लुटनिक को भारत के खिलाफ इस निंदनीय प्रचार अभियान को बंद करना चाहिए।' सिबल ने तर्क दिया कि अमेरिकी टैरिफ कटौती अपने खुद के उपभोक्ताओं और निवेशकों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन की गई थी। उन्होंने कहा, 'आपके लिए कम टैरिफ होना उपयुक्त था ताकि दुनिया भर से सस्ते सामान अमेरिकी उपभोक्ता को लाभ पहुंचाने और घरेलू महंगाई को कम रखने के लिए आयात किए जा सकें।'

भारत ने नहीं चीन ने किया खोखला

पूर्व विदेश सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग में गिरावट के लिए चीन जिम्मेदार था, न कि भारत। सिबल ने कहा, 'अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन काफी हद तक चीन में शिफ्ट हो गईं, भारत में नहीं। भारत ने अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को खोखला नहीं किया है, चीन ने किया है।' सिबल ने आगे कहा कि सेवाओं का व्यापार पारस्परिक रूप से लाभकारी रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने सेवाएं प्रदान की हैं और यहां अमेरिका को लाभ हुआ है। सेवा क्षेत्र में अमेरिका का भारत के साथ एक छोटा सरप्लस है।'

व्हिस्की, वोडका, रम... लेने वालों में दक्षिण सबसे आगे

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में बनी विदेशी शराब (आईएमएफएल) की बिक्री में दक्षिणी राज्य सबसे आगे हैं। उद्योग निकाय सीआईएबीसी की ताजा रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में देश की कुल आईएमएफएल बिक्री में दक्षिण भारत की हिस्सेदारी 58 फीसदी रही।

इस दौरान पूरे देश में आईएमएफएल व्हिस्की की बिक्री में 1.4 फीसदी की गिरावट देखी गई। व्हिस्की की बिक्री अब 40.17 करोड़ पेटी पर पहुंच गई है। सीआईएबीसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में चुनाव और कुछ राज्यों की शराब नीतियों के कारण बिक्री धीमी रही। कर्नाटक 6.88 करोड़ पेटियों की बिक्री के साथ देश में पहले स्थान पर रहा। तमिलनाडु 6.47 करोड़ पेटियों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। सीआईएबीसी के महानिदेशक अनंत एस अय्यर ने कहा कि आईएमएफएल मार्केट पर दक्षिण भारत का लगभग पूरा कब्जा है। देश के बाकी हिस्सों की हिस्सेदारी सिर्फ 42 फीसदी है। पूरे देश में आईएमएफएल व्हिस्की की बिक्री में 1.4 फीसदी की कमी आई है। यह बिक्री अब 40.17 करोड़ पेटी पर आ गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 39.62 करोड़ पेटी था। आईएमएफएल में कई तरह की शराब शामिल होती है। इसमें व्हिस्की, वोडका, रम, जिन और ब्रांडी मुख्य हैं। इसे देशी शराब और पारंपरिक पेयों से अलग माना जाता है। अय्यर ने कहा, 'वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही चुनाव और कुछ राज्यों की शराब नीति के कारण कमजोर रही, जिससे बिक्री धीमी रही।'

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश ने कुल बिक्री में लगभग नौ-नौ फीसदी का योगदान दिया। केरल इस सूची में सातवें स्थान पर रहा। दक्षिण भारत में कुल मिलाकर बिक्री में लगभग एक फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई है। एक दिलचस्प बात यह है कि पुडुचेरी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 0.28 करोड़ पेटियों की बिक्री की। इसने 10 फीसदी की वृद्धि दर्ज की और 19वें स्थान पर रहा।

उत्तरी क्षेत्र ने आईएमएफएल की कुल बिक्री में 20 फीसदी का योगदान दिया। यहां उत्तर प्रदेश 2.50 करोड़ पेटियों की बिक्री के साथ सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश छह फीसदी की वृद्धि दर के साथ छठे स्थान पर रहा। इसके बाद राजस्थान का स्थान का नंबर है। इसने 1.37 करोड़ पेटियों की बिक्री की और नौवें स्थान पर रहा। दिल्ली ने 1.18 करोड़ पेटियों की बिक्री के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने, ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-09
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 18-05
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल सोमवार 29 September
तिथि - सप्तमी 16-32 तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - मूल 06-17 तक उपरान्त
योग - सौभाग्य 01-00 तक उप
वणिज - तैतिल 14-27 तक उप विष्टि (भद्रा)
त्योहार नवरात्रि सरस्वती आह्वानं
व्रत। नवपद ओली प्रा.जैन

गृह स्थिति		लग्नारभ समय	
सुर्य	कन्या	कन्या	05-19 बजे
चंद्र	धनु	तुला	07-25 बजे
मंगल	तुला	वृश्चिक	09-36 बजे
बुध	कन्या	धनु	11-48 बजे
गुरु	मिथुन	मकर	13-54 बजे
शुक्र	सिंह	कुंभ	15-45 बजे
शनि	मीन	मीन	17-23 बजे
राहु	कुंभ	मेष	19-00 बजे
केतु	सिंह	वृष	20-44 बजे
		मिथुन	22-44 बजे
		कर्क	00-57 बजे
		सिंह	03-09 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-37 से 09 -07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-09 - 07-37	शुभ	चंचल	18-05 - 19-36	शुभ
काल	07-37 - 09-07	अशुभ	रोग	19-36 - 21-06	अशुभ
शुभ	09-07 - 10-36	शुभ	काल	21-06 - 22-36	अशुभ
रोग	10-36 - 12-06	अशुभ	लाभ	22-36 - 00-06	शुभ
उत्पात	12-06 - 13-36	अशुभ	उत्पात	00-06 - 01-37	अशुभ
चंचल	13-36 - 15-06	शुभ	शुभ	01-37 - 03-07	शुभ
लाभ	15-06 - 16-36	शुभ	अमृत	03-07 - 04-37	शुभ
अमृत	16-36 - 18-05	शुभ	चंचल	04-37 - 06-09	शुभ

जीएसटी 2.0 से कई साल का टूटा रिकॉर्ड, जरूरी चीजों के दाम धड़ाम तब भी क्यों टेंशन?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दाल, प्याज, सोयाबीन और कपास जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम इस समय कई सालों के निचले स्तर पर हैं। प्याज, अरहर, मूंग और उड़द के दाम पिछले तीन साल में सबसे कम हैं। वहीं, पीली मटर के दाम छह साल के निचले स्तर पर आ गए हैं। सोयाबीन और कपास के दाम भी दो साल में सबसे कम हो गए हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा दालों और खाने के तेलों के बहुत ज्यादा आयात और प्याज के कम निर्यात के कारण हुआ है। सरकार की ओर से प्याज का बफर स्टॉक बाजार में छोड़ने और ज्यादा बारिश से फसलों की क्वालिटी खराब होने से भी दाम गिरे हैं। इस वजह से कई खरीफ फसलें एमएसपी से भी नीचे बिक रही हैं। यह टेंशन की बड़ी वजह है। फसलों का एमएसपी से नीचे बिकना किसानों और देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं होता है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, दालों और खाने के तेलों का आयात बहुत बढ़ गया है। प्याज का निर्यात भी कम हुआ है। इसी वजह से इन चीजों के दाम कई सालों के निचले स्तर पर आ गए हैं। पीली मटर का भारी आयात हो रहा है। इससे भारत में उगाई जाने वाली लगभग सभी दालों के दाम कम हो गए हैं। आईग्रेन इंडिया के डायरेक्टर राहुल चौहान इकनॉमिक टाइम्स (ईटी) को बताया कि कई देशों ने भारतीय उपभोक्ताओं के लिए रिकॉर्ड मात्रा में दालों का उत्पादन करना शुरू कर दिया है। राहुल चौहान ने कहा, 'बड़ी संख्या में देशों ने भारतीय उपभोक्ताओं को दालों का रिकॉर्ड उत्पादन देना शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल भारत के लिए चने की बंपर फसल उगाई थी, जबकि इस साल उसके पास मसूर की रिकॉर्ड फसल है।' अफ्रीका ने भारत को सप्लाई के लिए बड़ी मात्रा में अरहर (तुअर) की फसल काटी है। म्यांमार में भी उड़द की बड़ी फसल हुई है। यहां तक कि ब्राजील ने भी हाल ही में भारतीय उपभोक्ताओं के लिए उड़द उगाना शुरू किया है। अनुमान है कि ब्राजील में 80,000 टन से ज्यादा उड़द की फसल हुई है। इस समय ज्यादातर दालों, कपास और सोयाबीन सहित मुख्य खरीफ फसलों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 10% से 20% कम चल रहे हैं। नासिक के लासलगांव बाजार में प्याज के दाम इस समय तीन साल के सबसे निचले स्तर पर हैं। हॉर्टिकल्चर एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के उपाध्यक्ष विकास सिंह ने बताया कि बांग्लादेश प्याज के लिए हमारा सबसे बड़ा खरीदार है।

प्याज की कीमतों में भारी गिरावट की वजह

विकास सिंह ने कहा, 'बांग्लादेश प्याज के लिए हमारा सबसे बड़ा खरीदार है। हालांकि, पिछले छह महीनों के दौरान बांग्लादेश को हमारा निर्यात न के बराबर रहा है।' इस बीच, सरकारी एजेंसियां नेफेड और एनसीसीएफ ने प्याज के दाम स्थिर करने के लिए प्याज खरीदा था। अब उन्होंने त्योहारी सीजन में बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए बफर स्टॉक बाजार में बेचना शुरू कर दिया है। इससे भी प्याज के दाम और कम हुए हैं। विकास सिंह ने कहा, 'सरकार की बिक्री ने प्याज की कीमतों पर दबाव डाला है।' महाराष्ट्र के लातूर के एक दाल प्रोसेसर नितिन कलांत्री ने बताया कि ज्यादा बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। इससे खराब क्वालिटी वाली फसलों का अनुपात बढ़ जाएगा। इनके दाम कम होते हैं। नितिन कलांत्री ने कहा, 'अत्यधिक बारिश से हुए नुकसान से खराब क्वालिटी वाली फसलों का अनुपात बढ़ जाएगा जिनकी कीमतें कम होती हैं। इससे अच्छी गुणवत्ता और खराब गुणवत्ता वाली फसलों की कीमतों की सीमा बढ़ जाती है।'

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज आप अपनी प्रतिभा दिखाने और ज़िम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। अकेले काम करने से आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद मिल सकती है, लेकिन खुद पर ज़रूरत से ज़्यादा ज़ोर न डालें। आप बड़े काम पूरे करने की क्षमता रखते हैं, हालाँकि ज़ोर-ज़बरदस्ती करना उल्टा भी पड़ सकता है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है , दिखानी होगी ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी तीक्ष्ण बुद्धि काम और पढ़ाई दोनों में प्रगति को गति देती है, जिससे आपको उन बारीकियों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरे नज़रअंदाज़ कर देते हैं। हालाँकि, आलोचना करने की प्रवृत्ति अनावश्यक बहस को जन्म दे सकती है। आत्मविश्वास आपके कार्यों को सशक्त बनाता है, जबकि जुनून आपकी महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आतिथ्य । परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

मकर (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एलपीजी सप्लायर से हैं परेशान? मोबाइल की तरह पोर्ट करा पाएंगे गैस सिलेंडर, जानें कब से मिलेगी सुविधा?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। क्या आप अपने रसोई गैस सप्लायर से नाराज हैं? अगर ऐसा है तो जल्द ही आपको राहत मिलने वाली है। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी की तरह ही, रसोई गैस ग्राहकों को जल्द ही अपने मौजूदा कनेक्शन को बदले बिना सप्लायर को बदलने की इजाजत मिल जाएगी।

इससे उन्हें अधिक विकल्प और बेहतर सेवा मिलेगी। तेल नियामक पीएनजीआरबी ने 'एलपीजी इंटरऑपरेबिलिटी' मसौदे पर हितधारकों और उपभोक्ताओं से सुझाव मांगे हैं पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने नोटिस में कहा कि ऐसी स्थितियों में जहां किसी स्थानीय वितरक को परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, उपभोक्ताओं के पास अक्सर सीमित विकल्प होते हैं और उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। टिप्पणियां मिलने के बाद पीएनजीआरबी एलपीजी पोर्टेबिलिटी के लिए नियम और दिशानिर्देश तैयार करेगा और देश में इसे लागू करने की तारीख तय करेगा।

कब शुरू हुई थी योनजा

इसमें कहा गया, "अन्य कारण भी हो सकते हैं, और उपभोक्ता को एलपीजी कंपनी या डीलर चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, खासकर जब सिलेंडर की कीमत समान हो।" तत्कालीन सरकार ने अक्टूबर 2013 में 13 राज्यों के 24 जिलों में एलपीजी कनेक्शनों की पायलट पोर्टेबिलिटी शुरू की थी और जनवरी 2014 में इसे पूरे भारत में विस्तारित करते हुए 480 जिलों को इसमें शामिल किया था। हालांकि, उपभोक्ताओं को 2014 में केवल अपने डीलर बदलने के सीमित विकल्प दिए गए थे, तेल कंपनी नहीं।

पहले क्या थी दिक्कत

उस समय कंपनियों के बीच पोर्टेबिलिटी कानूनी रूप से संभव नहीं थी, क्योंकि कानून के अनुसार किसी विशेष कंपनी के एलपीजी सिलेंडर को रिफिल के लिए केवल उसी कंपनी को जमा करना होता था। पीएनजीआरबी अब कंपनियों के बीच पोर्टेबिलिटी की अनुमति देने की बात कर रहा है। नियामक ने कहा, "पीएनजीआरबी, एलपीजी आपूर्ति की निरंतरता को मजबूत करने और उपभोक्ताओं के विश्वास की रक्षा के लिए उपभोक्ताओं, वितरकों, नागरिक समाज संगठनों और अन्य हितधारकों से ऐसे उपायों पर विचार और सुझाव आमंत्रित करता है जिनसे समय पर रिफिल की सुविधा मिल सके।"

लाइफ इंश्योरेंस पर जीएसटी हटने से एलआईसी हुआ मालामाल

मिला 1100 करोड़ रुपये का बूस्ट

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी की नई दरें लागू होने का फायदा जीवन बीमा कंपनी एलआईसी को मिला है। लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी पर से टैक्स जीरो करने के बाद पहले ही दिन कंपनी को 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश मिला। जो कि पिछले महीने से करीब दोगुना है। इस साल अगस्त में रिटेल पॉलिसीधारकों से 5,000 करोड़ रुपये का मासिक प्रीमियम आया था। ज्यादातर बिक्री नियमित एंडोमेंट प्रोडक्ट्स से हुई, कोई नया प्रोडक्ट लॉन्च नहीं हुआ। एलआईसी के अधिकारियों ने बताया कि सितंबर की शुरुआती बिक्री पिछले साल की तुलना में कम थी, क्योंकि एजेंट और ग्राहक 22 सितंबर से लागू होने वाले टैक्स बदलाव का इंतजार कर रहे थे। टैक्स हटने के बाद दबी हुई डिमांड सामने आई। हालांकि, पूरे बीमा उद्योग का ट्रेंड कुछ महीनों बाद ही साफ होगा। जीएसटी परिषद ने सभी व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों को जीरो टैक्स कैटेगरी में डाल दिया है, जो 22 सितंबर, 2025 से लागू हो गया। यह छूट एक नई दो-दर वाली संरचना के तहत मिलेगी। इसमें टर्म, यूनिट-लिंक्ड, और पारंपरिक जीवन बीमा के साथ-साथ फैमिली फ्लोटर और सीनियर सिटीजन हेल्थ कवर जैसी योजनाएं शामिल हैं।पिछले कुछ महीनों में बीमा कंपनियों का प्रीमियम बढ़ा है। टैक्स छूट की वजह से बीमा कंपनियां उम्मीद कर रही हैं कि कम कीमतें कुछ ग्राहकों को अपनी सालाना प्रीमियम राशि बढ़ाने के लिए प्रेरित करेंगी। लेकिन टर्म प्लान में ऐसा होने की संभावना कम है, क्योंकि वहां कवरेज आय और सुरक्षा जरूरतों पर ज्यादा निर्भर करता है।

अप्रैल-अगस्त के दौरान नए बिजनेस प्रीमियम में पिछले साल की तुलना में 6.12% की बढ़ोतरी हुई। इसका कारण प्रीमियम की राशि बढ़ना था, भले ही पॉलिसियों की संख्या में बढ़ोतरी धीमी रही। जीवन बीमा परिषद के मुताबिक, प्राइवेट बीमा कंपनियों में 10% की बढ़ोतरी हुई, जबकि एलआईसी में 3% की। कुल मिलाकर, अप्रैल-अगस्त 2025 में नया बिजनेस प्रीमियम बढ़कर 1,63,461 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल 1,54,193 करोड़ रुपये था। लेकिन पॉलिसियों की संख्या में 8.9% की कमी आई।

पीएम किसान की 21वीं किश्त जारी

किसानों के खाते में पहुंचा पैसा, चेक करें स्टेटस

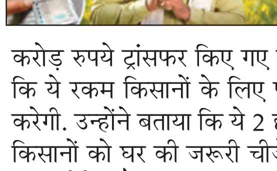

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के तीन बड़े राज्यों (हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड) के किसानों को 21वीं किश्त भेज दी गई है. कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को ये राशि समय से पहले जारी की. खास बात ये है कि ये पैसे उन राज्यों के किसानों के लिए भेजे गए हैं, जहां हाल ही में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से काफी नुकसान हुआ है. सरकार ने इस बार 27 लाख से ज्यादा किसानों के खाते में सीधे बैंक के जरिए कुल 540 करोड़ रुपये से ज्यादा भेजे हैं. इनमें करीब 2.7 लाख महिला किसान भी शामिल हैं.पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड के किसानों को बड़ी रकम मिली है. इस बार हिमाचल प्रदेश के 8 लाख 1 हजार 45 किसानों के खातों में 160.21 करोड़ रुपये भेजे गए हैं. वहीं पंजाब के 11 लाख 9 हजार 895 किसानों को 221.98 करोड़ रुपये मिले हैं और उत्तराखंड के 7 लाख 89 हजार 128 किसानों के खाते में 157.83 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए हैं. कृषि मंत्री ने कहा कि ये रकम किसानों के लिए फौरन मदद का काम करेगी. उन्होंने बताया कि ये 2 हजार रुपये की किश्त किसानों को घर की जरूरी चीजें खरीदने, बीज और खाद लेने और अगली फसल की तैयारी करने में मदद करेगी.प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत, जो किसान इसके हकदार हैं, उन्हें हर साल 6 हजार रुपये की मदद मिलती है. ये रकम तीन बराबर किश्तों में आती है, मतलब हर चार महीने में 2 हजार रुपये दिए जाते हैं.

अब विदेश में यूरेनियम का खनन करेगा भारत? खदानों की पहचान के लिए एनटीपीसी नियुक्त करेगी सलाहकार

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अब परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए जरूरी यूरेनियम की सप्लाई सुनिश्चित करने के कदम उठा रही है। इसके तहत कंपनी विदेशों में यूरेनियम खदानों की पहचान करने के लिए एक सलाहकार नियुक्त करेगी। यह कदम यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद उठाया जाएगा।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह फैसला एनटीपीसी के भविष्य के स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को कच्चा माल उपलब्ध कराने की योजना का हिस्सा है। अभी एनटीपीसी का फोकस न सिर्फ थर्मल और सोलर ऊर्जा पर है, बल्कि वह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है। फिलहाल एनटीपीसी, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ ज्वाइंट वेंचर के तहत राजस्थान में एक बड़ा परमाणु ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित कर रही है। इस प्रोजेक्ट में एनटीपीसी की 49% हिस्सेदारी होगी, जबकि एनपीसीआईएल की 51% हिस्सेदारी रहेगी। इस प्रोजेक्ट का कुल निवेश लगभग 42000 करोड़ रुपये है।

देश का सबसे चमत्कारिक मंदिर

देवी मां साक्षात देती है हर सवाल का जवाब..!

राजस्थान के अजमेर जिले के बिजयनगर का बाड़ी माता का मंदिर दैवीय आस्था का अनूठा केन्द्र हैं। कहते हैं पाती के जरिए माता अपने भक्त की हर मुराद पूरी करती हैं।

राजस्थान के अजमेर जिले के बिजयनगर का बाड़ी माता का मंदिर दैवीय आस्था का अनूठा केन्द्र हैं। कहते हैं पाती के जरिए माता अपने भक्त की हर मुराद पूरी करती हैं।

अजमेर जिले के बिजयनगर के राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल में वाणिज्य के व्याख्याता चुन्नी लाल टांक देवी दुर्गा के उपासक रहे। वे सादगी से जीवन जीते और छात्रों को पढ़ाते थे। बताया जाता है कि बिजयनगर में सालों से मौजूद बाड़ी माता मंदिर के पुजारी को एक दिन सपना आया कि चुन्नी लाल टांक को बुलाओ और उससे कहो कि फूल-पाती के जरिए मुझसे प्रश्न पूछे। अगली स्लाइडों पढ़ें आगे क्या हुआ?

अजमेर जिले के बिजयनगर के राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल में वाणिज्य के व्याख्याता चुन्नी लाल टांक देवी दुर्गा के उपासक रहे। वे सादगी से जीवन जीते और छात्रों को पढ़ाते थे। बताया जाता है कि बिजयनगर में सालों से मौजूद बाड़ी माता मंदिर के पुजारी को एक दिन सपना आया कि चुन्नी लाल टांक को बुलाओ और उससे कहो कि फूल-पाती के जरिए मुझसे प्रश्न पूछे। अगली स्लाइडों पढ़ें आगे क्या हुआ?

टांक मंदिर पहुंचे और माता की मूर्ति से अंग्रेजी में पाती लिखकर प्रश्न पूछा। उनको लगा कि माता क्या अंग्रेजी शब्द में उत्तर दे पाएंगी। उसी रात सपने में माता ने उन्हें जवाब दिया और ये भी कहा अंग्रेजी मैंने ही तुम्हें सिखाई है। इस घटना के बाद 1970 को एक दिन टांक ने खुदको बिजयनगर से चार किलोमीटर दूर बाड़ी माता मंदिर के प्रांगण में पड़ा पाया, जबकि वे वहां गए ही नहीं थे।

टांक मंदिर पहुंचे और माता की मूर्ति से अंग्रेजी में पाती लिखकर प्रश्न पूछा। उनको लगा कि माता क्या अंग्रेजी शब्द में उत्तर दे पाएंगी। उसी रात सपने में माता ने उन्हें जवाब दिया और ये भी कहा अंग्रेजी मैंने ही तुम्हें सिखाई है। इस घटना के बाद 1970 को एक दिन टांक ने खुदको बिजयनगर से चार किलोमीटर दूर बाड़ी माता मंदिर के प्रांगण में पड़ा पाया, जबकि वे वहां गए ही नहीं थे।

इसके बाद टांक माता के मंदिर समर्पित हो गए। उन्होंने पैंट-शर्ट और जूते-चप्पल पहनना त्याग दिया। कुर्ता-धोती और नंगे पैर रहना ही उनकी पहचान हो गया। इसी वेश में वे छात्रों को पढ़ाने स्कूल भी जाते हैं। बस यहीं से बाड़ी माता मंदिर की ख्याति चहुंओर फैली। वे आज दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा स्थापित भक्ति के मानकों ने बाड़ी माता मंदिर को धाम बना दिया। मंदिर भव्य बना और गौशाला स्थापित हुई।

इसके बाद टांक माता के मंदिर समर्पित हो गए। उन्होंने पैंट-शर्ट और जूते-चप्पल पहनना त्याग दिया। कुर्ता-धोती और नंगे पैर रहना ही उनकी पहचान हो गया। इसी वेश में वे छात्रों को पढ़ाने स्कूल भी जाते हैं। बस यहीं से बाड़ी माता मंदिर की ख्याति चहुंओर फैली। वे आज दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा स्थापित भक्ति के मानकों ने बाड़ी माता मंदिर को धाम बना दिया। मंदिर भव्य बना और गौशाला स्थापित हुई।

बाड़ी माता मंदिर की विशेषता है कि यहां फूल-पाती के जरिए माता की मूर्ति तक अपनी बात पहुंचाना होती है। चमत्कार ऐसे होता है कि कुछ ही देर में पाती पर आपके लिखे प्रश्नों के हल का जवाब मूर्ति पर लगे सिंदूर से गिरे अंश के जरिए मिल जाते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं जो इन सब बातों को अंधविश्वास मानते हैं।

बाड़ी माता मंदिर की विशेषता है कि यहां फूल-पाती के जरिए माता की मूर्ति तक अपनी बात पहुंचाना होती है। चमत्कार ऐसे होता है कि कुछ ही देर में पाती पर आपके लिखे प्रश्नों के हल का जवाब मूर्ति पर लगे सिंदूर से गिरे अंश के जरिए मिल जाते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं जो इन सब बातों को अंधविश्वास मानते हैं।

बताया जाता है कि मंदिर में चमत्कार ऐसे हैं कि जो सच्चे मन से यहां आता है, उसकी मुराद जरूर पूरी होती है। शिक्षा विभाग में डिप्टी डायरेक्टर रहे बीएल मरडिया, समाजसेवी हगामी लाल शर्मा, लालचंद पोखरना, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांवर लाल जाट के साथ ऐसा ही हुआ जो मुराद की वो प्राप्त हुई। चाहे वो रोगी ही क्यों ना हो। माता की विलक्षण पाती से मिला उत्तर श्रद्धालु के चक्षु खोल देता है।बताया जाता है कि मंदिर में चमत्कार ऐसे हैं कि जो सच्चे मन से यहां आता है, उसकी मुराद जरूर पूरी होती है। शिक्षा विभाग में डिप्टी डायरेक्टर रहे बीएल मरडिया, समाजसेवी हगामी लाल शर्मा, लालचंद पोखरना, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांवर लाल जाट के साथ ऐसा ही हुआ जो मुराद की वो प्राप्त हुई। चाहे वो रोगी ही क्यों ना हो। माता की विलक्षण पाती से मिला उत्तर श्रद्धालु के चक्षु खोल देता है।राजस्थान में देवी का यही शायद एकमात्र मंदिर है, जहां नवरात्रा की अष्टमी को महिषासुर मर्दर का दहन होता है। साथ ही शरद पूर्णिमा को सर्वरोगनाशक खीर श्रद्धालुओं की दी जाती है। राजस्थान ही नहीं देश के कोने-कोने से नवरात्रा में विशेष तौर पर श्रद्धालु माता के दर्शनों के लिए बाड़ी माता आते हैं और अपनी आंखों से देखते हैं माता की महिमा।

राजस्थान में देवी का यही शायद एकमात्र मंदिर है, जहां नवरात्रा की अष्टमी को महिषासुर मर्दर का दहन होता है। साथ ही शरद पूर्णिमा को सर्वरोगनाशक खीर श्रद्धालुओं की दी जाती है। राजस्थान ही नहीं देश के कोने-कोने से नवरात्रा में विशेष तौर पर श्रद्धालु माता के दर्शनों के लिए बाड़ी माता आते हैं और अपनी आंखों से देखते हैं माता की महिमा।

नवरात्रि के आठवें दिन मां महागौरी के इन मंत्रों का करें जाप

आज शारदीय नवरात्रि का आठवां दिन है। नवरात्रि के आठवें दिन को महाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। आज अष्टमी तिथि में मां दुर्गा की आठवीं शक्ति माता महागौरी की उपासना की जाएगी।

मां गौरी की उपासना करने से अन्न-धन और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। इसके अलावा आज आज देवी मां की पूजा के साथ ही ब्राह्मणों को भोजन भी कराना चाहिए। भोजन कराने के कुछ न कुछ दक्षिणा देकर उनके पैर छूकर आशीर्वाद भी जरूर लें। इससे देवी मां बहुत प्रसन्न होती हैं और मन की सभी मुरादें पूरी करती हैं। तो आइए जानते हैं नवरात्रि की अष्टमी के दिन माता रानी को क्या भोग अर्पित करें और पूजा के दौरान किन मंत्रों का जाप करें।

मां महागौरी का स्वरूप

माता दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी एवं देवी शैलपुत्री दोनों का वाहन बैल है और इसी कारण से उन्हें वृषारूढ़ा के नाम से भी जाना जाता है। देवी महागौरी को चतुर्भुज रूप में दर्शाया गया है। वह अपने एक दाहिने हाथ में त्रिशूल धारण करती हैं और दूसरे दाहिने हाथ को अभय मुद्रा में रखती हैं। वह एक बायें हाथ में डमरू धारण करती हैं और दूसरे बायें हाथ को वर मुद्रा में रखती हैं। माता गौरी का रंग गोरा होने के कारण ही इन्हें महागौरी या श्वेताम्बरधरा भी कहा जाता है। इनके रंग की उपमा शंख, चंद्र देव और कंद के फूल से की जाती है।

माता महागौरी पूजा मंत्र

ॐ देवी महागौर्यै नमः॥
सर्वमङ्गल माङ्गल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणी नमोऽस्तुते।।
श्वेते वृषेसमारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः। महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा॥
या देवी सर्वभूतेषु माँ महागौरी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

मां महागौरी के प्रिय भोग और फूल

नवरात्रि के आठवें दिन यानी अष्टमी को मां महागौरी को नारियल का भोग लगाएं। माता रानी को नारियल अति प्रिय है। इसके अलावा माता गौरी को नारियल की बर्फी और लड्डू का भोग भी जरूर लगाएं। वहीं मां महागौरी को मोगरा के फूल, रात की रानी अर्पित करें।

शक्तिपीठ नैना देवी मंदिर से जुड़ी हैं ये पौराणिक कथाएं

नैना देवी पौराणिक कथा: एक पौराणिक कथा के अनुसार देवी सती ने स्वयं का अंत कर लिया था, जिससे भगवान शिव व्यथित हो उठे। उन्होंने सती के शव को कंधे पर उठाया और तांडव नृत्य शुरू कर दिया। जिससे सभी देवता भयभीत हो उठे, भोलेनाथ का यह रूप प्रलय ला सकता था। सभी देव गणों ने भगवान विष्णु से यह आग्रह किया कि अपने चक्र से सती के शरीर को टुकड़ों में विभक्त कर दें। श्री नैना देवी मंदिर वह स्थान है जहां देवी सती के नेत्र गिरे थे।

मंदिर से संबंधित एक अन्य कहानी नैना नाम के गुज्जर लड़के की है। एक बार वह अपने मवेशियों को चराने गया और देखा कि एक सफेद गाय अपने थनों से एक पत्थर पर दूध बरसा रही है। उसने अगले कई दिनों तक इसी बात को देखा। एक रात जब वह सो रहा था, उसने देवी मां को सपने मे यह कहते हुए देखा कि वह पत्थर उनकी पिंडी है। नैना ने पूरी स्थिति और उसके सपने के बारे में राजा बीर चंद को बताया। तब राजा ने उसी स्थान पर श्री नैना देवी नाम के मंदिर का निर्माण करवाया। श्री नैना देवी मंदिर महापीठ नाम से भी प्रसिद्ध है क्योंकि यहां पर मां श्री नैना देवी जी ने महिषासुर का वध किया था। किंवदंतियों के अनुसार, महिषासुर एक शक्तिशाली राक्षस था जिसे श्री ब्रह्मा द्वारा अमरता का वरदान प्राप्त था लेकिन उस पर शर्त यह थी कि वह एक अविवाहित महिला द्वारा ही परास्त हो सकता था। इस वरदान के कारण, महिषासुर ने पृथ्वी और देवताओं पर आतंक मचाना शुरू कर दिया। राक्षस का सामना करने के लिए सभी देवताओं ने अपनी शक्तियों को संयुक्त किया और एक देवी को बनाया जो उसे हरा सके। देवी को सभी देवताओं द्वारा अलग-अलग प्रकार के शस्त्रों की भेंट प्राप्त हुई। महिषासुर देवी की असीम सुंदरता से मंत्रमुग्ध हो गया और उसने शादी का प्रस्ताव देवी के समक्ष रखा। देवी ने उसे कहा कि अगर वह उसे हरा देगा तो वह उससे शादी कर लेगी। लड़ाई के दौरान, देवी ने दानव को परास्त किया और उसकी दोनों आंखें निकाल दी। नैना देवी मंदिर का इतिहासः नैना देवी मंदिर हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में है। यह शिवालिक पर्वत श्रेणी की पहाड़ियों पर स्थित एक भव्य मंदिर है। यह देवी के 51 शक्तिपीठों में शामिल है। यह तीर्थ स्थल हिंदूओं के पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। यह समुद्र तल से 11000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मान्यता है कि इस स्थान पर देवी सती के नेत्र गिरे थे।

मंदिर में पीपल का पेड़ मुख्य आकषर्ण का केंद्र है जो शताब्दियों पुराना है। मंदिर के मुख्य द्वार के दाई ओर भगवान गणेश और हनुमान कि मूर्ति है। मंदिर के गर्भ ग्रह में मुख्य तीन मूर्तियां हैं। दाई तरफ माता काली की, मध्य में नैना देवी की और बाई ओर भगवान गणेश की प्रतिमा है। यहां एक पवित्र जल का तालाब है, जो मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। मंदिर के समीप एक गुफा है जिसे नैना देवी गुफा के नाम से जाना जाता है।

अमरावती नगरी और राजा अमरीश की कहानी

सिरोही जिले के आबूरोड शहर के मानपुर क्षेत्र के पास स्थित उमरणी गांव में एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जिसे राजा अमरीश की नगरी अमरावती के रूप में जाना जाता है। मंदिर के पुजारी के अनुसार, इस स्थल का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों शिव पुराण और भागवत पुराण में भी मिलता है। यह स्थान राजा अमरीश की तपस्या और भगवान विष्णु की कृपा से जुड़ी हुई अनेक कहानियों का साक्षी है !

राजा अमरीश का तपस्वी जीवन

राजा अमरीश एक महान तपस्वी और धर्मनिष्ठ राजा थे। उन्होंने कई वर्षों तक कठोर तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए। भगवान विष्णु ने राजा अमरीश को वरदान मांगने को कहा कि हे राजन जो तुम मांगोगे वो तुम्हे मिलेगा ! राजा अमरीश ने निस्वार्थ भाव से वरदान में अपनी पूरी नगरी अमरावती के जीव-जंतुओं और प्रजा को स्वर्ग में जीवित अवस्था में ले जाने की इच्छा प्रकट की। भगवान विष्णु ने उनकी इस भक्ति और निस्वार्थता को देखकर उनकी इच्छा पूर्ण करने का वचन दिया !

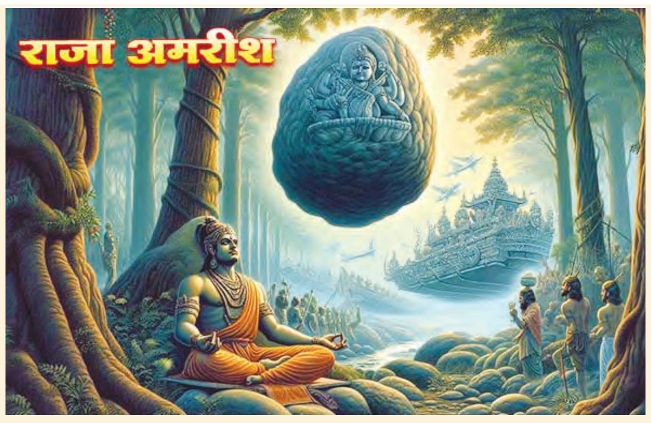

भगवान विष्णु ने सभी को स्वर्ग लेके जाने के लिए बड़ा विमान अमरावती नगरी में उतारा था ऐसा माना जाता है की वो विमान बहुत ही विशालकाय था और उसके 84 पैर थे, उस विमान के पैरो के निशान आज भी मंदिर के पिछले हिस्से जंगल में मौजूद है !

अमरावती नगरी के प्रजा के साथ राजा अमरीश विमान में बैठकर स्वर्ग के लिए रवाना हो गए, के आधे रास्ते पहुचते पहुचते राजा अमरीश के मन में विचार आया की मेरे जैसा तपोबली राजा और कौन ? में कितना भाग्यशाली हु मेरे जैसा और कोई तपस्वी नहीं जो मानव शरीर के साथ जीवित स्वर्ग में जा रहा हु !

राजा के मन में ऐसा विचार आते ही विमान बिच में ही रुक गया भगवान विष्णु ने राजा अमरीश से कहा हे राजन तुम्हे अपनी भक्ति पर अहम् आ गया मेरा तुम्हाहरा वचन ख़तम हो गया, अब तुम निचे धरती पर वापस जा सकते हो, राजा अमरीश ने भगवान से प्रार्थना की और कहा की हे भगवान् ये गलती मैंने की है तो आप मुझे अकेले को ही सजा दो मेरी प्रजा सब खुशिया मनाते हुए जा रहे उन्हें जाने दो और मुझे वापस धरती पर भेज दो ! राजा अमरीश को निचे भेज दिया और प्रजा सब गए स्वर्ग में !

राजा अमरीश ने धरती पर आकार फिर से भगवान विष्णु की तपस्या शुरू कर कर दी, राजा अमरीश की कठोर तपस्या से स्वर्ग के राजा इंद्र का सिहासन डोलने लगा और राजा इंद्र को यह डर सताने लगा कि राजा अमरीश इतनी तपस्या करके मेरा राज न छीन लेवे ! इंद्र देव ने राजा अमरीश की तपस्या भंग करने के लिए ऊपर से बड़ा सा पत्थर राजा अमरीश पर ऊपर से फेका, राजा अमरीश के कठोर तपोबल से वह बड़ा पत्थर राजा अमरीश के सर पर जटाओ से टकरा कर उनके ऊपर अधर ही रुक गया ! वही बड़ा पत्थर जो एक बड़ी शिला आज भी ऋषिकेश भगवान मंदिर के सामने पहाड़ पर अधर मौजूद है और उस शिला में राजा अमरीश के सर से टकराया वहा खड्डे के निशान आज भी उस शिला में मौजूद है !

इंद्र देव जब राजा अमरीश की तपस्या भंग नहीं कर पाए तो वो भगवान विष्णु के पास गए और कहा भगवान आप कुछ करो हमारे बस की बात है नहीं राजा बहुत तपोबली है ! भगवान् विष्णु वापस धरती पर दुबारा आये राजा अमरीश को लेने के लिए, राजा अमरीश ने भगवान विष्णु को कहा भगवान मुझे स्वर्ग नही देखना है, इस जगह आप स्वयं आओ ताकि मै आपके दर्शन रोज़ करता रहू, भगवान विष्णु स्वयं आये, भगवान भोलेनाथ स्वयं आये, माँ भद्रकाली स्वयं आई !

उमरणी गांव में भगवान विष्णु का मंदिर स्थित है, जिसे ऋषिकेश भगवान के नाम से जाना जाता है। इसके पास ही भगवान भोलेनाथ का कर्णीकेश्वर महादेव मंदिर और मां भद्रकाली का मंदिर भी है। ये मंदिर इस ऐतिहासिक कथा और राजा अमरीश की भक्ति का प्रमाण हैं और यहां हर साल श्रद्धालु भारी संख्या में दर्शन करने आते हैं।

असुरत्व पर देवत्व की विजय का प्रतीक है दशहरा

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला विजयदशमी सनातन संस्कृति का प्रमुख त्यौहार है। इस पर्व को भगवान श्री राम की विजय के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन उन्होंने लंकापति नरेश रावण का वध किया था। श्री राम द्वारा लंका विजय भारत का सबसे बड़ा पराक्रम माना जाता है। उनकी विजय यात्रा इसी दिन आरंभ हुई इसलिए सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए यह दिन विजय मुहूर्त बन गया। यह पर्व भारतीय संस्कृति में समावेशित वीरता, पराक्रम तथा शौर्य का उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता तथा शौर्य प्रकट हो इसलिए दशहरे के उत्सव का विधान किया गया। विजयदशमी का पर्व क्षत्रियों की विजय शौर्य का त्यौहार है। यह शक्ति पूजा का पर्व है।

अर्थात जिस राष्ट्र में शौर्य, पराक्रम और वीरता की पूजा होती है उस राष्ट्र में शास्त्रों एवं धर्म ग्रंथों का पठन-पाठन नियमित रूप से चलता है। यही इस पर्व का वैदिक स्वरूप है। भगवान श्री राम ने भी युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक शक्ति और शौर्य की देवी दुर्गा की उपासना की और दसवें दिन अहंकारी रावण का वध किया था। राम की विजय और शक्ति साधना पूरी होने की तिथि एक ही है।

विजयदशमी पर आसुरी आतंक के प्रतिनिधि रावण की पराजय हुई। भगवान श्री राम शक्ति, विजय, मर्यादा, और दिव्य गुणों के पर्याय हैं। मानव धर्म की पूरी पराकाष्ठा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम में दृष्टिगोचर होती है। शस्त्र और शास्त्र दोनों ही श्री राम के हाथ

में आकर अपने आप को धन्य अनुभव करते हैं। क्षात्र्य धर्म और ब्राह्मणत्व दोनों का संतुलन भगवान श्री राम के जीवन में दृष्टिगोचर होता है। विजयदशमी का यह पर्व असुरत्व पर देवत्व की विजय का प्रतीक है। भगवान श्री राम के शौर्य, शक्ति और मर्यादा को अपने जीवन में समावेशित करके हमें यह पर्व प्रत्येक विकट परिस्थिति में आसुरी शक्तियों से लड़ने को प्रेरित करता है।

प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। मराठा रणवीर शिवाजी ने भी इसी दिन प्रतिज्ञा करके निर्दयी औरंगजेब का प्रतिकार करने के लिए प्रस्थान किया था। दशहरा का पर्व हमारे मानसपटल में व्याप्त दस प्रकार के पापों काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसे अवगुणों का समूल विध्वंस करने की प्रेरणा देता है। विजयदशमी के इस पर्व का यह दिव्य संदेश है कि जब-जब आसुरी और दानवी शक्तियां संसार में प्रबल होती हैं, उनका विनाश भी अति शीघ्र होता है।

रावण आसुरी शक्ति के प्रतिनिधि हैं और भगवान श्री राम दैवी शक्ति के। हमारे मनीषियों ने इस उत्सव के सूक्ष्म संदेश का वर्णन करते हुए इसे दस इंद्रियों पर विजय का पर्व माना है।

असत्य पर सत्य की, बहिर्मुखी पर अंतर्मुखी की, अन्याय पर न्याय की, दुराचारी पर सदाचारी की, तमोगुण पर दैवी गुणों की, दुष्कर्मों पर सत्कर्म की, भोग पर योग की, असुरत्व पर देवत्व की विजय का प्रतीक यह विजयदशमी पर्व है। इस दिन कुंभकरण, मेघनाद और रावण के पुतलों का दहन किया जाता है, जो हमें इस बात का संदेश देता है कि हमारे अंतर्मन में विद्यमान दुर्गुण-दुराचारों के दहन से ही हमें देवत्व की प्राप्ति होती है।

देशभर में विजयदशमी के त्योहार से पूर्व रामलीलाओं का मंचन होता है। जिसमें विशेष रूप से मर्यादा के स्तंभ श्री राम के जीवन से शक्ति और शौर्य के संतुलन से प्रत्येक भारतवासी अपने अंतःकरण में श्री रामचंद्र जैसे दिव्य गुणों को आत्मसात करने की प्रेरणा प्राप्त करता है। विजयदशमी का यह पावन पर्व हमें हृदय में व्याप्त निकृष्ट प्रवृत्तियों पर आध्यात्मिक साधना, शक्ति, शौर्य और पराक्रम की उपासना से विजय प्राप्त करने का दिव्य संदेश देता है।

सेट पर काम करते हुए मार खाई, ऋषि कपूर के बेटे की पहली फिल्म थी फ्लॉप, आज हैं सुपरस्टार

रणबीर कपूर का ताल्लुक ऐसे खानदान से है जो फिल्मी दुनिया से जुड़ा रहा है। इसके बावजूद उन्हें फिल्मों में आने के लिए संघर्ष करना पड़ा। वह नेपो किड हैं। हालांकि उन्हें फिल्मी दुनिया में बने रहने के लिए मेहनत करनी पड़ी। उनकी पहली फिल्म फ्लॉप रही। इसके बावजूद उनको फिल्ममेकर ने मौके दिए। आखिरकार उन्होंने अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया और कई कामयाब फिल्में दीं। आज उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ अहम बातें।

10वीं के बाद किया काम

बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार रणबीर कपूर आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। 28 सितंबर 1982 को मुंबई में ऋषि कपूर और नीतू कपूर के यहां उनका जन्म हुआ। रणबीर कपूर के मां के साथ अच्छे रिश्ते थे जबकि पिता के साथ अच्छे रिश्ते नहीं थे। 10वीं के बाद उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'आ अब लौट चलें' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इसके बाद पिता से उनके रिश्ते अच्छे हो गए।

फिल्म में काम करते हुए मार खाई

मुंबई में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद रणबीर कपूर न्यूयॉर्क चले गए। यहां उन्होंने फिल्म बनाना और अभिनय सीखा। पढ़ाई के दौरान उन्होंने दो छोटी फिल्मों का निर्देशन किया। मुंबई आने के बाद उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक (2005)' में असिस्टेंट डायरेक्टर के बतौर काम किया। रणबीर ने एक इंटरव्यू में बताया 'इस फिल्म में काम करते हुए हमसे साफ-सफाई कराई गई। हमें पीटा गया। हालांकि इस दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा।'

पहली फिल्म हुई फ्लॉप लेकिन मिला अवॉर्ड

फिल्म 'ब्लैक' की रिलीज के बाद संजय लीला भंसाली ने उन्हें अपनी फिल्म 'सावरिया' में कास्ट किया। हालांकि उनकी यह फिल्म फ्लॉप रही थी। दर्शकों और आलोचकों से भी फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली। हालांकि इस फिल्म में रणबीर कपूर के अभिनय की तारीफ की गई। उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू एक्टर के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया।

हिट रहीं कई फिल्में

'सावरिया' के फ्लॉप होने के बावजूद रणबीर कपूर को 'बचना ऐ हसीनो (2008)' में काम मिला। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कामयाब रही। साल 2009 में उन्होंने 'वेक अप सिड' में काम किया। यह फिल्म हिट रही। इसी साल रणबीर कपूर ने फिल्म 'अजब प्रेम की गजब कहानी' में अभिनय किया। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म हिट रही।

'बर्फी' और 'यह जवानी है दीवानी' से हुए मशहूर

साल 2010 में रणबीर कपूर ने प्रकाश झा की फिल्म राजनीति में काम किया। इसमें नाना पाटेकर, अजय देवगन, अर्जुन रामपाल और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार थे। हालांकि इस फिल्म में रणबीर के काम की काफी तारीफ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी कामयाब रही। रणबीर कपूर की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'बर्फी' रही। 2013 में रिलीज हुई रणबीर कपूर की फिल्म 'यह जवानी है दीवानी' ने बहुत अच्छा कारोबार किया।

लव एंड वॉर और रामायण में आएंगे नजर

रणबीर कपूर ने फिल्म 'रॉय' और 'बॉम्बे वेलवेट' में काम किया। यह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छी नहीं चलीं।

हालांकि उनकी फिल्म 'संजू (2018)' ने अच्छा कारोबार किया। आखिरी बार रणबीर कपूर फिल्म 'एनिमल (2023)' में नजर आए। इस फिल्म ने अच्छा कारोबार किया। अब वह फिल्म 'लव एंड वॉर' का हिस्सा होंगे। वह बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का भी हिस्सा होंगे।

मां ने कहा- प्यारा बेटा, बहन ने बताया रॉकस्टार

अभिनेता रणबीर कपूर आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनके करीबी उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर नीतू ने रणबीर और आलिया भट्ट के साथ एक तस्वीर साझा की। इसमें तीनों खुश नजर आ रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में नीतू ने लिखा 'जन्मदिन मुबारक हो प्यारे बेटे रणबीर। तुम्हें पाकर मैं बहुत खुश हूं।'

बहन रिद्धिमा ने शेयर की तस्वीरें

रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी उनके जन्मदिन के मौके पर कई तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने बचपन की एक तस्वीर साझा की है। इसमें रणबीर और रिद्धिमा अपने माता-पिता, दिवंगत ऋषि कपूर और नीतू कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा 'हमारे परिवार के रॉकस्टार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। लव यू।'

डेटिंग रूमर्स के बीच फिर साथ दिखे सामंथा-राज निदिमोरु, एक्ट्रेस के घटे हुए वजन को देख चौंके फैंस

सामंथा रूथ एक अवॉर्ड इवेंट में नजर आईं। इस मौके पर उनका लुक काफी चर्चा में रहा। साथ ही इसी इवेंट में कई सेलिब्रिटीज को देखा गया। सामंथा के रूमर्ड बॉयफ्रेंड और डायरेक्टर राज निदिमोरु भी यहां मौजूद दिखे।

राज ने सामंथा को गले लगाया

इवेंट के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। एक वीडियो में सामंथा को राज निदिमोरु गले लगाते हुए दिखे। सामंथा कुछ लोगों से राज की मुलाकात करवाती हैं। दोनों काफी देर तक बातें करते हैं। सामंथा राज के साथ काफी खुश नजर आ रही हैं।

अवॉर्ड इवेंट में नजर आए ये सेलेब्स

सामंथा रूथ जिस इवेंट में पहुंचीं उसमें कई और सेलेब्स भी दिखाई दिए। इस लिस्ट में 'बिग बॉस 18' फेम यामिनी मल्होत्रा, सिंगर कनिका कपूर, एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी, शामिल रही हैं। इन सभी के ग्लैमरस लुक ने अवॉर्ड नाइट की रौनक बढ़ा दी।

जुबीन गर्ग के परिवार ने असम सीआईडी में दर्ज की शिकायत सिंगर की मौत मामले में की गहन जांच की मांग

दिवंगत सिंगर जुबीन गर्ग के परिवार ने सिंगापुर में डूबने से हुई उनकी मौत को लेकर असम सीआईडी में शिकायत दर्ज कराई है। परिवार ने घटना की गहन जांच की मांग की है। बता दें कि 19 सितंबर को जुबीन गर्ग का सिंगापुर में निधन हो गया। कथित तौर पर जुबीन का निधन सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक असम के आइकॉनिंग सिंगर के परिवार ने अब राज्य सीआईडी में शिकायत दर्ज की है।

ईमेल के जरिए भेजी शिकायत

शिकायत पर हस्ताक्षर करने वालों में शामिल जुबीन गर्ग के चाचा मनोज कुमार बोरठाकुर ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि उन्होंने शनिवार को ईमेल के जरिए शिकायत सीआईडी को भेज दी थी। उन्होंने कहा, 'हम उनकी मौत की परिस्थितियों की गहन जांच चाहते हैं'।

एसआईटी के जरिए हो रही जांच

जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा और उनकी बहन पाल्मे बोरठाकुर भी हस्ताक्षरकर्ता हैं। शिकायत पर उनके भी साइन हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमें जुबीन गर्ग के परिवार से शिकायत मिली है और हम इसकी जांच कर रहे हैं'।

उन्होंने कहा कि सीआईडी का विशेष जांच दल (एसआईटी) 19 सितंबर को सिंगापुर में हुई गायक-संगीतकार की मौत से जुड़ी घटनाओं की जांच कर रहा है और परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर भी विचार किया जाएगा।

एसआईटी की टीम जुबीन के आवास पर पहुंची

अधिकारी ने बताया कि एसआईटी की एक टीम रविवार को गुवाहाटी के काहिलीपारा इलाके में जुबीन गर्ग के आवास पर गई। उन्होंने आगे कहा, 'हमें कुछ बातें पूछनी थीं और हमारे अधिकारियों ने परिवार से मुलाकात की। उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं'। बता दें कि जुबीन असम संगीत जगत का बड़ा नाम थे। उन्होंने न सिर्फ असमिया भाषा में गाने गाए, बल्कि कई चर्चित बॉलीवुड गानों को भी आवाज दी। इसके अलावा उन्होंने 40 अलग-अलग भाषा-बोलियों के गाने गाए।

सफेद साड़ी ही क्यों पहनती थीं लता मंगेशकर?

भारत की स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने सिनेमाई दुनिया को अलग पहचान दी थी। उनके संगीतमयी जीवन ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया। आज के आधुनिक बच्चे भी लता मंगेशकर की गायकी के दीवाने हैं। 28 सितंबर 1929 को जन्मी लता मंगेशकर की आज रविवार को जयंती मनाई जा रही है। इस अहम मौके पर हम उनके जीवन से जुड़े कुछ रोचक और अनुसुने प्रसंगों की बात करेंगे। चलिए जानते हैं।

सबसे पहले आपको हम लता मंगेशकर के नाम से जुड़ा किस्सा बताएंगे। उनका जन्म 28 सितंबर 1929 को इंदौर के मराठी परिवार में हुआ था। गायिका के पिता दीनानाथ मंगेशकर ने उनका नाम हेमा रखा था। लेकिन बाद में उनके पिता ने 'भावबंधन' नामक एक नाटक में काम किया, जिसमें वो 'लतिका' नाम के किरदार से प्रभावित हुए और हेमा का नाम बदलकर 'लता' रख दिया।

क्यों नहीं बनतीं लता सिंगर?

लता मंगेशकर ने एक इंटरव्यू में बहुत ही दिलचस्प बात का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर को पहले पता ही नहीं था कि वो गाना गाती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि अगर पिताजी जिंदा होते तो वो शायद सिंगर नहीं होती। गाना गाने के लिए उनकी मां से भी उन्हें डांट मिली थी।

लता मंगेशकर की अधूरी प्रेम कहानी

लता मंगेशकर के निजी जीवन को लेकर भी एक किस्सा है। बताया जाता है कि वो डूंगरपुर राजघराने के महाराजा राज सिंह को बेहद पसंद करती थीं और राज सिंह भी लता को पसंद करते थे। दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और दोनों एक-दूसरे को प्यार करने लगे थे। राज सिंह लता के भाई ह्रदयनाथ मंगेशकर के दोस्त भी थे। लता और राज की मुलाकात ह्रदयनाथ मंगेशकर के जरिए ही हुई थी। कहा जाता है कि राज सिंह ने अपने माता-पिता से वादा किया था कि वह किसी भी आम घर की लड़की को उनके घराने की बहू नहीं बनाएंगे। इस कारण से दोनों का प्रेम अधूरा ही रह गया था। लता जी ने कभी शादी नहीं की और जीवन भर संगीत को ही अपना साथी बना लिया।

सफेद साड़ी ही क्यों पहनती थीं?

हम सभी ने लता मंगेशकर को अक्सर सफेद साड़ी में ही देखा था, इसके पीछे का भी एक कारण हैं। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वे हमेशा सफेद साड़ी ही क्यों पहनती हैं? तो उन्होंने मुस्कुराते हुए बताया कि बचपन से ही उन्हें यह रंग बेहद प्रिय रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने एक वाकया बताया कि एकबार वह पीले-ऑरेंज रंग की साड़ी पहन स्टूडियो पहुंच गईं। वहां पहुंचने पर एक कलाकार ने उनसे मजाकिया अंदाज में पूछा, "ये आप क्या पहनकर आ गई हैं?" इसके बाद उन्होंने समझा की उनके ऊपर सफेद रंग ही जंचता है।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में नजर आएंगे अहान पांडे?

निर्देशक के ऑफिस के बाहर हुए स्पॉट

बॉलीवुड में अक्सर स्टार्स की डायरेक्टर्स संग मुलाकातों से उनकी आने वाली फिल्मों का अंदाजा लगाया जाता है। कुछ ऐसा ही हाल ही में हुआ जब 'सैयारा' से पहचान बनाने वाले अहान पांडे को फिल्मकार संजय लीला भंसाली के दफ्तर के बाहर देखा गया। जैसे ही उनकी तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई कि क्या अहान जल्द ही भंसाली की किसी फिल्म में नजर आने वाले हैं।

फिल्म 'सैयारा' से किया धमाकेदार डेब्यू

अहान पांडे ने अपने डेब्यू 'सैयारा' से ही दर्शकों का ध्यान खींचा था। दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी एक्टिंग की तारीफ की थी। यही वजह है कि अब अहान के अगले प्रोजेक्ट पर हर किसी की नजरें टिकी हैं। भंसाली जैसे दिग्गज निर्देशक के साथ काम करने का मौका मिलना किसी भी उभरते कलाकार के लिए करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। अहान के फैंस को लगता है कि यह मुलाकात महज संयोग नहीं बल्कि आने वाले समय की बड़ी घोषणा का इशारा है।

स्टाइलिश लुक से बढ़ी चर्चा

अहान को भंसाली के ऑफिस के बाहर कैप्चर किया। वो सिंपल लेकिन स्टाइलिश लुक में नजर आए। इस दौरान उन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए और फैंस के साथ फोटो खिंचवाई। अहान की यह तस्वीरें जैसे ही सामने आईं, फैंस ने ट्विटर और इंस्टाग्राम पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा करनी शुरू कर दीं।

भंसाली की फिल्मों का आकर्षण

संजय लीला भंसाली का नाम आते ही दर्शकों के सामने भव्य सेट्स, गहरी कहानियां और यादगार संगीत की तस्वीर उभर आती है। उनके साथ काम करना किसी भी कलाकार के लिए सम्मान की बात होती है। अब तक रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट जैसे कई सितारों के करियर को भंसाली की फिल्मों ने नई ऊंचाई दी है। ऐसे में अगर अहान इस लिस्ट में शामिल होते हैं, तो यह उनके लिए भी मील का पत्थर साबित होगा।

'कांतारा चैप्टर 1' देखने के लिए छोड़ना होगा नॉनवेज! वायरल पोस्टर पर क्या बोले ऋषभ शेट्टी?

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में अभिनेता ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ बातों का खुलासा किया है। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे नॉनवेज बैन के पोस्टर पर भी अपनी राय रखी है। आइए जानते हैं अभिनेता न क्या कहा।

फिल्म के लिए छोड़ा नॉनवेज

हाल ही में ऋषभ शेट्टी ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने 'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म में खुद के समर्पित किरदार पर प्रकाश डाला। अभिनेता ने कहा, 'उस समय, मैंने नॉनवेज नहीं खाया और न ही जूते पहने क्योंकि मुझे मन की स्पष्टता चाहिए थी। यह पूरी फिल्म के लिए नहीं, बल्कि कुछ दृश्यों के लिए था। मैंने यह फैसला अपने ईश्वर के लिए लिया, जिन्हें मैं मानता हूं।'

'सम्मान की उम्मीद करता हूं'

आगे उन्होंने कहा, 'आमतौर पर सेट पर हजारों लोग होते हैं। चूंकि ये सीन करना आसान नहीं होता, इसलिए मैं ज्यादा सावधान था। मैं किसी के भरोसे पर सवाल नहीं उठाना चाहता था। मैं सबके भरोसे का सम्मान करता हूं। बदले में मुझे भी इसी सम्मान की उम्मीद है।'

नॉनवेज बैन वायरल पोस्टर पर क्या बोले अभिनेता?

सोशल मीडिया पर एक पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें कहा गया है कि दर्शकों को 'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म देखने से पहले नॉनवेज भोजन नहीं करना चाहिए। ऋषभ शेट्टी ने स्पष्ट किया कि यह कोई आधिकारिक पोस्टर नहीं है, बल्कि एक किसी फैन द्वारा बनाया गया है। उन्होंने कहा, 'हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। हमें किसी की व्यक्तिगत खान-पान की आदतों या रीति-रिवाजों की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

'कांतारा चैप्टर 1' साल 2012 में आई फिल्म 'कांतारा' के बाद इस सीरीज की अगली फिल्म है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 2 अक्तूबर को रिलीज हो रही है। यह फिल्म कन्नड़ के अलावा हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी।

भगदड़ मामले पर विजय ने जताया दुख, मृतकों को देंगे 20 लाख मुआवजा; यूजर्स ने पूछा- रैली से भागे क्यों?

अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके की करूर रैली में भगदड़ की घटना घटी। इसमें 39 लोगों की जान चली गई है। कई घायल हैं, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में उपचार चल रहा है। इस बीच घटना के बाद करूर से तुरंत चेन्नई रवाना हुए विजय ने रविवार सुबह इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी और कार्यकर्ता सभी प्रियजनों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

विजय ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

अभिनेता विजय ने एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा, 'करूर में कल जो कुछ हुआ, वह कल्पना से परे है। उसके बारे में सोचते ही मेरा दिल और दिमाग गहरे बोझ से दब जाते हैं। अपने प्रियजनों को खोने के असीम दुख के बीच, मेरे पास अपने ह्रदय की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरी आंखें और मन शोक से ढंके हुए हैं'। आगे कहा, 'आप सबके चेहरे, जिनसे मैं मिला हूं बार-बार मेरी यादों में उभर रहे हैं। जैसे-जैसे मैं उन प्रियजनों के बारे में सोचता हूं, मेरा दिल और भी अस्थिर हो जाता है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि हमारे सभी प्रियजन जो घायल हैं और इलाज करा रहे हैं, वे शीघ्र स्वस्थ होकर अपने घर लौटें। मैं यह भी आश्वासन देता हूं कि हमारी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) इलाज करा रहे सभी प्रियजनों को दृढ़ता से आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी'।

मृतकों के परिवार को देंगे 20-20 लाख रुपये

पोस्ट में विजय ने आगे लिखा है, 'यह एक ऐसा नुकसान है, जिसकी भरपाई हम नहीं कर सकते। फिर भी, आपके परिवार का एक सदस्य होने के नाते मैं उन सभी प्रियजनों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये देना चाहता हूं, जिन्होंने अपने प्रिय सदस्य को खो दिया है। इस घटना में जो पीड़ति हैं और जो घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है, उन्हें दो-दो लाख रुपये देना चाहता हूं। इस नुकसान के सामने यह कोई बड़ी रकम नहीं है। हालांकि, इस समय, आपके परिवार के एक सदस्य के रूप में यह मेरा कर्तव्य है कि मैं आपके साथ खड़ा रहूं'।

यूजर्स ने किए सवाल

एक्टर विजय के इस पोस्ट पर यूजर्स के रिएक्शन आ रहे हैं। कुछ लोगों का गुस्सा फूट रहा तो कुछ ने सवालों की झड़ी लगा दी है। यूजर्स सवाल कर रहे हैं कि आप रैली से भागे क्यों? वहीं, कुछ ने लिखा है कि आप सिर्फ माफी मांगकर नहीं बच सकते। आपको परिवार वालों से मिलने जाना चाहिए। कुछ ने लिखा है, 'आपने 20 लाख रुपये दे दिए, लेकिन क्या आप जिंदगियां वापस कर सकते हैं'।

वहीं, कुछ विजय के सपोर्ट में हैं और लिख रहे हैं, 'हम खुश हैं कि आपने सांत्वना मैसेज डाला'। एक यूजर ने लिखा है, 'हालांकि देर हो गई है, फिर भी मुझे खुशी है कि आपका मैसेज आ गया। आपको मृतकों के घर व्यक्तिगत रूप से जाना चाहिए, जो सिर्फ आपके लिए आए थे। उनके दुःख में आपको शामिल होना चाहिए'।

अल्लू अर्जुन से जूनियर एनटीआर तक, विजय से पहले इन सितारों के कार्यक्रमों में भी हो चुकी है भगदड़

तमिलनाडु के करूर में टीवीके पार्टी के प्रमुख और साउथ फिल्मों के चर्चित अभिनेता विजय थलपति की रैली में भगदड़ मच गई। इसमें 39 लोगों के मरने और कई लोगों के घायल होने की खबर है। विजय ने इस घटना पर दुख जताया है। विजय से पहले अन्य फिल्मी सितारों के कार्यक्रमों एवं आयोजनों में भी भगदड़ की ऐसी दुखद घटनाएं हुई हैं।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान हुई थी भगदड़

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के इवेंट में भी भगदड़ की घटना घटी। दरअसल, अल्लू अपनी फिल्म 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान 04 दिसंबर को हैदराबाद स्थित संध्या थिएटर में पहुंचे थे। उनकी एक झलक के लिए फैंस का हुजूम उमड़ पड़ा।

भीड़ इतनी थी कि पुलिस प्रशासन के काबू से बाहर हो गई और वहां भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई और मृतक महिला का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल बच्चे को बेगमपेट के केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

भगदड़ के इस मामले में 13 दिसंबर को अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद एक्टर को नामपल्ली कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने एक्टर से करीब तीन घंटे पूछताछ की। अल्लू के वकीलों ने हाईकोर्ट में अपील की, जहां से उन्हें उसी दिन अंतरिम जमानत मिल गई थी।

जूनियर एनटीआर के इवेंट में फैन की मौत

साल 2013 में जूनियर एनटीआर की फिल्म 'बादशाह' के म्यूजिक लॉन्च इवेंट में भी ऐसी भगदड़ की घटना घटी थी। इसमें अभिनेता के फैंस भारी संख्या में जुटे। इसी दौरान भीड़ बेकाबू हुई और भगदड़ मच गई। कथित तौर पर इसमें जूनियर एनटीआर के एक फैन की मौत हो गई थी।

जूनियर एनटीआर अपने उस फैन के परिवार से मिले और पांच लाख रुपये दिए। इसके बाद उन्होंने उस परिवार की पूरी जिम्मेदारी उठाई। अभिनेता करीब 12 वर्षों से अपने उस फैन के परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उठा रहे हैं।

शाहरुख खान

साल 2017 में शाहरुख खान अपनी फिल्म ' रईस ' के प्रमोशन के लिए गुजरात के वड़ोदरा स्टेशन पहुंचे थे। वहां किंग खान के फैंस की भारी संख्या उमड़ पड़ी और भगदड़ मच गई। दरअसल, शाहरुख खान फिल्म 'रईस' के प्रमोशन के लिए मुंबई से दिल्ली ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान वड़ोदरा स्टेशन पर मची इस भगदड़ के में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। इसके बाद शाहरुख खान के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज कराया गया था।

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' (2024) का कार्यक्रम लखनऊ में आयोजित हुआ था। इस इवेंट में भी भगदड़ जैसी स्थिति बनी थी। दरअसल, लखनऊ में भीड़ के सामने दोनों सितारों ने एपने एक्शन की एक झलक दिखाई। लखनऊ के घंटाघर मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में कलाकारों के हवाई स्टंट देखकर भीड़ बेकाबू हो गई, जिसके बाद भगदड़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए थे। कथित तौर पर सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया था।

'शांति भंग करने वालों को हम छोड़ते नहीं'

राज्यपाल बागड़े सनातन पर भी बोले

सिरोही, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सिरोही में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया विंग के तत्वावधान में राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन 2025 का शुभारंभ हुआ। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया। इस आयोजन में देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े 1500 से अधिक पत्रकार, संपादक और संवाददाता भाग ले रहे हैं। चार दिन चलने वाले इस महासम्मेलन में शांति, एकता और विश्वास विषय पर मंथन और विचार-विमर्श होगा।

भारतीय संस्कृति पर राज्यपाल का दृष्टिकोण

समारोह में राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत की संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है, जिसे हजार वर्षों से छिन्न-भिन्न करने की कोशिशें की गईं। उन्होंने बताया कि 1835 में मैकाले ने

भारतीय शिक्षा पद्धति को बदलकर हमारी संस्कृति को कमजोर करने का प्रयास किया। बागड़े ने कहा कि जब विश्व में मात्र छह विश्वविद्यालय थे, तब भारत के पास नालंदा और तक्षशिला जैसे दो विशाल विश्वविद्यालय मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि जजिया कर लगाया गया, धर्म परिवर्तन कराए गए, लेकिन भारतीय संस्कृति नष्ट नहीं हुई, बल्कि और भी सशक्त हुई। इसका कारण यह है कि भारत ने हमेशा योगियों और महात्माओं की परंपरा को आगे बढ़ाया।

'शांति भंग करने वालों को नहीं छोड़ेंगे'

राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि भारत कभी किसी पर आक्रमण नहीं करता और न ही किसी की शांति भंग करता है। उन्होंने जोड़ा कि सनातन धर्म ने कभी दूसरों पर टिप्पणी नहीं की, लेकिन उस पर हमेशा टिप्पणी की गई। बागड़े ने कहा कि हम किसी की शांति भंग नहीं करते हैं। यदि इसके बाद भी कोई हमारी शांति बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो हम उसे छोड़ते नहीं हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ और मीडिया की भूमिका की सराहना

राज्यपाल ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से संस्कृति को संरक्षित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने समाज में शांति, एकता और विश्वास कायम करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी बल दिया।

सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर आगरा से आईं कत्थक और लोक नृत्य कलाकार श्वेता सागर ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि रायपुर से आईं गायिका सारदा नाथ ने स्वागत गीत से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन जयपुर की जोनल कोऑर्डिनेटर बीके चंद्रकला दीदी ने किया।

अन्य वक्ताओं ने भी रखे विचार

इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका बीके मोहिनी दीदी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मानसिंह परमार, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया विंग के अध्यक्ष बीके करुणाभाई, मीडिया विंग की उपाध्यक्ष बीके सरला दीदी, राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतनु भाई, ज्योतिषाचार्य डॉ. सोहिनी शास्त्री, पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजित पाठक समेत कई विशिष्ट अतिथियों ने भी विचार साझा किए।

हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस-बीजेपी पर लगाए मिलीभगत के आरोप, पंचायत और छात्र संघ चुनावों के मुद्दे उठाए

अजमेर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने अजमेर में प्रेस वार्ता की। कपासन जाते समय यहां रुके बेनीवाल ने पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश सरकार और विपक्ष दोनों पर कड़े आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और हालात ऐसे हैं कि अधिकारी भी मुख्यमंत्री की बात नहीं मान रहे।

कांग्रेस-भाजपा पर मिलीभगत का आरोप

बेनीवाल ने कांग्रेस और भाजपा पर एक-दूसरे से मिलीभगत का आरोप लगाया। बेनीवाल ने कहा कि अशोक गहलोत और वसुंधरा दोनों मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार पंचायत चुनाव कराने से पीछे हट रही है, जबकि कांग्रेस इस पर मौन है। उन्होंने दावा किया कि दोनों दलों

की यह नजदीकी जनता के हितों के खिलाफ है।

बाड़मेर पोस्ट विवाद पर प्रतिक्रिया

सांसद ने बाड़मेर पोस्ट विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि यह कांग्रेस का असली चेहरा उजागर करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण ने साबित कर दिया है कि पार्टी अपनी कथनी और करनी में अंतर रखती है।

छात्र संघ और भर्ती परीक्षाओं का मुद्दा

बेनीवाल ने कहा कि सरकार छात्र संघ चुनाव करवाने से बच रही है, जिससे युवाओं का विश्वास टूट रहा है। उन्होंने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आरएलपी ने इस विषय को जोर-शोर से उठाया था और सुप्रीम कोर्ट ने भी इसमें खामियों को स्वीकार किया है। उन्होंने युवाओं को न्याय दिलाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कब होंगे निकाय चुनाव ? मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने दी बड़ी जानकारी, 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा

झुंझुनू, 28 सितंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले में एक कार्यक्रम में स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार नगर निकाय चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार है। जैसे ही अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग अपने आंकड़े प्रस्तुत करेगा और निर्वाचन आयोग मतदाता सूची तैयार करेगा। उसी वक्त हम एक राज्य-एक चुनाव को लेकर आगे बढ़ेंगे।

मंत्री खर्रा पातुसरी गांव में 1965 के भारत-पाक युद्ध में अदम्य साहस दिखाने वाले लांस नायक रामकरण सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस के खून में रची-बसी है। इसलिए उन्हें बार-बार यह बात याद आती

है। वर्तमान में कांग्रेस का वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा जनता के बीच असर पैदा नहीं कर पाएगा। जनता जानती है कि कांग्रेस की नीतियों ने देश को किस स्थिति में पहुंचाया। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है।

झालावाड़ हादसे पर जताई चिंता

झालावाड़ में विद्यालय भवन हादसे पर मंत्री ने गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह प्रकृति जनक हादसा था, लेकिन इसमें विद्यालय प्रशासन की लापरवाही भी रही। यदि समय पर छत पर जमा मिट्टी, उगे पेड़ या मलबा हटाया जाता और कमजोर दीवारों पर ध्यान दिया जाता तो यह दर्दनाक घटना नहीं होती।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने हादसे के बाद सभी सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों की मरम्मत के आदेश जारी किए हैं। साथ ही अन्य विभागीय भवनों की भी जांच व मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना दोबारा न हो।

प्रतिमा का किया अनावरण

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शहीद लांस नायक रामकरण सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। समारोह में विधायक राजेंद्र भांबू, सैनिक कल्याण बोर्ड चेयरमैन प्रेम सिंह बाजौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, पूर्व सैनिक, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे। समारोह में चार वीरांगनाओं को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में मंत्री खर्रा ने कहा कि पातुसरी की यह वीर धरा हमेशा देशभक्ति और बलिदान की मिसाल रही है। यहां न केवल लांस नायक रामकरण सिंह बल्कि तीन अन्य जवानों ने भी अलग-अलग युद्धों में शहादत दी है। शहीदों की स्मृति को जीवित रखना ही नहीं बल्कि उनके अधूरे सपनों को पूरा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। लांस नायक रामकरण सिंह को उनकी वीरता के लिए सेना मेडल से नवाजा गया था।

नेता दिलीप गुर्जर की 45 करोड़ की बेनामी संपत्तियां उजागर, मकान-प्लॉट कब्जाने के आरोप

भीलवाड़ा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में पुलिस ने नेता दिलीप गुर्जर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 45 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्तियों का खुलासा किया है। गुर्जर पर आरोप है कि उसने ब्याज पर रकम देकर लोगों की संपत्तियों पर कब्जा किया और अवैध तरीके से मकान, प्लॉट व कृषि भूमि अर्जित की। कार्रवाई की भनक लगते ही गुर्जर फरार हो गया है।

शाहपुरा के डीएसपी ओमप्रकाश बिश्नोई ने बताया कि अगस्त और सितंबर माह में गुर्जर के खिलाफ कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं। आरोप था कि वह ब्याज पर पैसा देने के दौरान पीड़ितों से खाली स्टांप पेपर और चेक पर हस्ताक्षर करवा लेता था। पीड़ित जब मूलधन और ब्याज लौटा भी देते, तब भी उनकी संपत्ति वापस नहीं करता और कब्जा कर लेता।

बिना लाइसेंस चल रहा था धंधा

पुलिस जांच में सामने आया कि गुर्जर के पास ब्याज का कारोबार करने का कोई लाइसेंस या वैध अनुमति नहीं थी। उसके पास खेती-बाड़ी के अलावा कोई वैध आय का स्रोत नहीं है। न तो उसने कभी आयकर रिटर्न दाखिल किया और न ही उसके पास जीएसटी पंजीकरण है।

पुलिस के मुताबिक शाहपुरा नगर पालिका क्षेत्र में गुर्जर के पास 35 से अधिक मकान और प्लॉट हैं। कई जगहों पर बहुमंजिला इमारतें भी बना रखी हैं। इसके अलावा उसके पास करीब 300 बीघा कृषि भूमि है। इन संपत्तियों की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 45 करोड़ रुपये आंकी गई है।

डीएसपी बिश्नोई ने बताया कि नए नियमों के अनुसार आपराधिक तरीके से अर्जित संपत्तियों को पर्याप्त सबूतों के आधार पर कोर्ट में इस्तगासा पेश कर कुर्क किया जा सकता है। अगस्त माह में दर्ज प्रकरण में गुर्जर ने हाईकोर्ट से स्टे ले लिया था, लेकिन सितंबर के मामले में उसके खिलाफ मजबूत सबूत मिलने पर कार्रवाई तेज की गई। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

जांच में यह भी सामने आया कि नगर पालिका क्षेत्र में गुर्जर ने कई बहुमंजिला इमारतें खड़ी कीं, जिनके लिए न तो स्वीकृति ली गई और न ही कोई जानकारी दी गई। अब प्रशासन इन निर्माणों की भी गहराई से जांच कर रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शाहपुरा क्षेत्र में लंबे समय से ब्याज माफियाओं का दबदबा रहा है। गरीब और जरूरतमंद लोग मजबूरी में उनसे पैसा लेते और फिर वर्षों तक कर्ज के जाल में फंसे रहते। कई परिवार अपनी जमीन-जायदाद गंवा चुके हैं। गुर्जर पर भी यही आरोप लग रहे हैं कि उसने लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर भारी संपत्ति बनाई।

गुर्जर का राजनीतिक प्रभाव भी चर्चा में है। पहले वह कांग्रेस से जुड़ा था और ब्लॉक अध्यक्ष रह चुका है। नवंबर 2023 में उसने भाजपा का दामन थामा। राजनीतिक सक्रियता और प्रभाव के कारण लंबे समय तक उस पर सख्त कार्रवाई नहीं हो सकी। अब पुलिस की सख्ती से उसके कारनामे सामने आ रहे हैं।

बाल कलाकार और उसके भाई की दर्दनाक मौत

कोटा के अपार्टमेंट में लगी भीषण आग में घुटा दम, घर पर नहीं थे माता-पिता

कोटा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कोटा के अनंतपुरा थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दीपश्री अपार्टमेंट में शनिवार देर रात दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। एक फ्लैट में अचानक लगी आग और फैले धुएं में दम घुटने से 2 मासूम भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 15 साल के शौर्य शर्मा और 10 साल के वीर शर्मा के रूप में हुई है। हादसे के वक्त दोनों बच्चे फ्लैट में अकेले थे।

रात 2 बजे के करीब हुआ हादसा

अनंतपुरा थाना अधिकारी भूपेंद्र सिंह के अनुसार फ्लैट नंबर बी-403 में आग लगी जिससे धुआं पूरे घर में भर गया। उस वक्त बच्चे सो रहे थे और उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

मां और नाना ने मिलकर 15 दिन के बच्चे के मुंह में भरा था पत्थर और फेवीक्विक, पुलिस ने रिक्रिएट किया सीन

माता-पिता नहीं थे घर पर

मृत बच्चों के पिता जितेंद्र शर्मा कोचिंग संस्थान में फैकल्टी हैं और घटना के समय पास ही एक जागरण कार्यक्रम में शामिल थे। मां किसी काम से मुंबई गई हुई थीं। घर में बच्चों के अकेले होने के कारण उन्हें समय रहते बाहर नहीं निकाला जा सका।

जॉस्लिन नंदिता चौधरी ने उठाई छात्र संघ चुनाव की मांग

कहा- महिलाओं को राजनीति में आना होगा आगे

जोधपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में पहुंचीं दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्र नेता जोस्लिन नंदिता चौधरी ने कहा कि महिलाओं को राजनीति में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि यह निर्णय लेने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण स्थान है। जॉस्लिन रविवार

को जोधपुर पहुंचीं, जहां एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनका स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अभिभावकों को भी चाहिए कि वे बच्चों को सपोर्ट करें, चाहे वे लड़के हों या लड़कियां। उन्होंने अपने चुनावी अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें लोगों का बहुत प्यार और समर्थन मिला, जिससे काफी कुछ सीखने को भी मिला। जॉस्लिन ने कहा, "यह पहली बार हुआ जब राजस्थान से दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनाव में टिकट आई। इतनी दूर जाकर चुनाव लड़ने का अनुभव काफी प्रेरणादायक रहा। मैं ऐसे क्षेत्र से आती हूं, जहां वर्षा भी ठीक से नहीं होती, लेकिन वहां के किसान कभी आत्महत्या नहीं करते। यह अपने आप में बड़ी सीख है।" उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान में भी छात्र संघ चुनाव होने चाहिए क्योंकि यहां के छात्र-छात्राएं राजनीति में सक्रिय हैं और मध्यम वर्ग से आने वाले छात्र छात्र राजनीति के जरिए आगे बढ़ सकते हैं। जॉस्लिन ने बताया कि सभी नेता उनके प्रेरणा स्रोत हैं और उन्होंने उनसे सीखकर ही आगे बढ़ने का प्रयास किया है।

मेवाराम जैन के बाद अब बीजेपी नेता का पोस्टर वायरल, कालिख पोती; गरमाई सियासत

नागौर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर से तीन बार विधायक रहे कांग्रेस नेता मेवाराम जैन के बाद अब बीजेपी नेता का पोस्टर वायरल हो रहा है। दरअसल, मेड़ता में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दौरे को लेकर लगाए गए होर्डिंग पर विधायक लक्ष्मणराम मेघवाल की फोटो पर अज्ञात व्यक्ति ने कालिख पोत दी, जिससे स्थानीय राजनीति गरमा गई।

कालिख पोतने की घटना के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही अधिकारियों ने मौके से होर्डिंग को हटवा दिया। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई शिकायत नहीं दर्ज करवाई गई है, प्रशानिक अधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं।

बता दें कि मुख्यमंत्री भजनलाल

शर्मा का मेड़ता में कार्यक्रम था। उनके स्वागत को लेकर सोगावास स्थित हेलीपैड स्थल के मुख्य गेट के सामने सीएम के स्वागत और अभिनंदन के लिए एक होर्डिंग लगाई गई थी। इस होर्डिंग पर लगे विधायक कलरू की फोटो पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने कालिख पोत दी, जब कालिख लगी होर्डिंग की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो पुलिस अधीक्षक सहित अधिकारियों ने विधायक को इस मामले की जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर कालिख लगी विधायक की होर्डिंग वायरल होने के कुछ ही देर बाद प्रशासन ने इस होर्डिंग को मौके से हटवा दिया। इस घटना को अंजाम देने वाले की पहचान अभी तक उजागर नहीं हुई है। विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने इस पर प्रतिक्रिया दी, उन्होंने कहा कि राजनीति के क्षेत्र में ऐसा करना कतई शोभनीय नहीं है, यह निंदनीय कार्य है। विधायक ने बताया कि इस मामले में स्थानीय प्रशासन अपने स्तर पर कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने स्वयं मामला दर्ज नहीं कराया है।

मासूम बेटे को दीवार पर पटककर पिता ने ली जान

खुद को कुल्हाड़ी से काटा, फैली सनसनी

अलवर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। खैरथल जिले के तिजारा कस्बे में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे क्षेत्र को सन्न कर दिया। यहां एक पिता ने अपने ही दो वर्षीय बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी और फिर कुल्हाड़ी से खुद पर वार कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। थानाधिकारी विक्रम सिंह के अनुसार वारदात रामनगर गांव की है। मृतक बच्चे अरहान का पिता शाजिद गुस्सैल और हिंसक स्वभाव का व्यक्ति है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शाजिद ने गुस्से में आकर अपने बेटे को कमरे में बंद कर दिया और उसके सिर को कई बार दीवार से दे मारा। इस निर्मम हमले से मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद शाजिद ने कुल्हाड़ी से खुद पर वार कर लिया और लहूलुहान होकर गिर पड़ा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल शाजिद को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। फिलहाल वह उपचाराधीन है। पुलिस का कहना है कि शाजिद से पूछताछ उसकी स्थिति सामान्य होने के बाद ही की जा सकेगी, जिससे हत्या की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी। पड़ोसियों और ग्रामीणों ने बताया कि शाजिद का स्वभाव पहले से ही उग्र था। कहा जा रहा है कि वह मामूली बातों पर भी हिंसक हो जाता था।

कृषि विभाग ने की बड़ी कार्रवाई, भीलवाड़ा में अवैध यूरिया भंडारण का भंडाफोड़

भीलवाड़ा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले में खाद और उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासनिक सख्ती तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में आज कृषि विभाग, प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने फूलिया कलां तहसील के नई राज्यास गांव में एक किराना व्यापारी के गोदाम और दुकान से भारी मात्रा में अवैध यूरिया बरामद किया। मौके से जब्त किए गए उर्वरकों को सुरक्षित कर लिया गया और व्यापारी के खिलाफ फूलिया थाना पुलिस में मामला दर्ज किया गया।

संयुक्त निदेशक कृषि विभाग विनोद कुमार जैन ने बताया कि जिले में रबी मौसम पूर्व सघन गुणवत्ता नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत उर्वरक निरीक्षक नियमित रूप से दुकानों और गोदामों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। मुखबिर से सूचना मिली कि नई राज्यास गांव में एक व्यापारी बड़ी मात्रा में यूरिया और अन्य उर्वरकों का अवैध भंडारण कर रहा है। सूचना पर तुरंत एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम में सहायक निदेशक कृषि विस्तार गुलाबपुरा उषा मीणा, कृषि अधिकारी प्रशिक्षण रामलाल बलाई और कृषि अधिकारी पौध संरक्षण भगवत सिंह राणावत शामिल थे। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा।

रात में व्यापारी भागचंद जैन पुत्र लादूलाल जैन की दुकान और गोदाम पर छापा मारा गया। जांच के दौरान दुकान के सामने खड़ी पिकअप से चम्बल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स गढेपान, कोटा द्वारा निर्मित नीम कोटेड यूरिया के 65 बैग बरामद हुए। इसके अलावा निजी गोदाम से इंडियन पोटाश लिमिटेड अन्ना सलाई द्वारा निर्मित नीम कोटेड यूरिया के 70 बैग, भारत डीएपी के 2 बैग और पोटाश के 2 बैग जब्त किए गए।

कृषि विभाग की टीम ने यह कार्रवाई उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत की। जब्त किए गए सभी उर्वरकों को क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड शाहपुरा के रिटेल डिपो नई राज्यास में सुपुर्द कर दिया गया। संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि व्यापारी द्वारा किसानों के साथ धोखाधड़ी कर अवैध भंडारण किया गया था। इस पर कृषि विभाग ने फूलिया थाना पुलिस में FIR दर्ज करवाई है और भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं के तहत दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जैन ने बताया कि कृषि आयुक्तालय जयपुर के दिशा-निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता के कृषि आदान (उर्वरक, बीज आदि) समय पर और उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अवैध भंडारण और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी।

भीलवाड़ा जिला कलेक्टर द्वारा जिले में एक जिला स्तरीय फर्टिलाइजर टास्क फोर्स का गठन किया गया है। यह टास्क फोर्स समय-समय पर औचक निरीक्षण कर अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषी पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

कृषि विभाग का कहना है कि आकस्मिक जांच और किसानों की जागरूकता अभियान जारी रहेगा। किसानों से अपील की गई है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदें और किसी भी तरह की अवैध बिक्री या कालाबाजारी की सूचना तुरंत विभाग को दें।

पैंथर का आतंक, श्वान का शिकार कर पेड़ पर लटकाया, दहशत में ग्रामीण

दौसा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सिण्डोली सहित आसपास के क्षेत्र में पैंथर के आतंक से ग्रामीण दुखी हैं। पैंथर कई दिनों से आबादी क्षेत्र में घुसकर पालतू पशुओं का शिकार कर अपना निवाला बना रहा है। इससे ग्रामीण दहशत में हैं। शुक्रवार रात्रि भी पैंथर तकिया बाबा के समीप एक श्वान को शिकार की नियत से उठाकर ले गया। बाद में उसके क्षत-विक्षत शव को अरडू के पेड़ पर टांग दिया। ग्रामीण राजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि बीते कई दिनों से रात्रि 8 बजे बाद पैंथर क्षेत्र में खुलेआम विचरण करता है। क्षेत्र के दर्जनों श्वानों का शिकार कर चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में कई सालों से पैंथर का रात्रि के समय खुलेआम विचरण से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इससे पूर्व सिण्डोली गांव में भी पैंथर को खुलेआम विचरण करते देखा गया था। ग्रामीणों ने बताया कि कुण्डल में वनपाल नाका की चौकी होने के बाद भी रात्रि के समय चौकी पर कोई स्टाफ नहीं रुकता है। ऐसे में चौकी पर ताला लटका रहता है। सूचना देने के बाद भी वन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच पाते है। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति रोष व्याप्त है।

सिण्डोली में लेपर्ड द्वारा कुत्ते का शिकार कर शव को पेड़ पर टांगने की सूचना मिली है। स्टाफ को मौके पर गश्त करने के लिए पाबंद कर दिया है। घटना स्थल पर पिंजरा लगाकर पैंथर को पकडने का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में दिव्यांगों को उपकरण वितरित किए

जुबली हिल्स में खराब विकास के लिए कांग्रेस और बीआरएस पर निशाना साधा

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने रविवार को जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के अमीरपेट नागार्जुन नगर सामुदायिक भवन में मन की बात कार्यक्रम देखने के बाद दिव्यांगों को उपकरण वितरित किए। बाद में उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को देखा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देश भर में कई सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और उन्होंने आगे कहा कि इस महीने की 17 तारीख से गांधी जयंती तक, वे सेवा पक्ष के नाम से देश भर में कई सेवा कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, इस अवसर पर महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच, दिव्यांगजनों के लिए मास्टर स्वास्थ्य जांच और स्वयं सहायता समूहों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हम स्वच्छ भारत के नाम पर कई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

स्कूलों में शौचालय सफाई मशीनें वितरित की जा रही हैं। दिव्यांगजनों को सभी प्रकार के उपकरण वितरित किए जा रहे हैं। अकेले हैदराबाद शहर में, हम दिव्यांगजनों को दो करोड़ रुपये के उपकरण वितरित कर रहे हैं। हम पिछले दो महीनों से मूल्यांकन शिविर आयोजित कर रहे हैं। हम दिव्यांगजनों को पढ़ाई के लिए कुर्सियां, तिपहिया वाहन, मोबाइल फोन जैसे सभी प्रकार के उपकरण वितरित कर रहे हैं। ये कार्यक्रम आज से अगले महीने की 2 तारीख को गांधी जयंती तक सभी क्षेत्रों में जारी रहेंगे। पार्टी की ओर से देश भर के सभी क्षेत्रों में ये कार्यक्रम जारी रखे जा रहे हैं। विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के तत्वावधान में भी ये कार्यक्रम जारी हैं। यह देखते हुए कि लाखों लोग रक्तदान कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि एक गिनीज रिकॉर्ड भी दर्ज किया गया है। प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाने की आवश्यकता है और कहा कि लोग जानते हैं कि वे कौन हैं और भाजपा की विचारधारा क्या है। उन्होंने दावा किया कि लोग जानते हैं कि एमआईएम पार्टी के सांसद असदुद्दीन बीआरएस और कांग्रेस पार्टियों के बीच समन्वयक थे। मैं एक श्वेत पत्र लिखूंगा जिसका नेतृत्व दोनों दल करेंगे। वे अतीत में मिले थे और भविष्य में फिर से साथ काम करेंगे। हमें नैतिकता मत बताओ। सीएम रेवंत रेड्डी का कहना है कि भाजपा, बीआरएस पार्टियां एक हैं। अगर केटीआर कह रहे हैं कि भाजपा और कांग्रेस एक हैं, तो उनके शब्दों में यह डर दिखाई देता है कि हम भविष्य में तेलंगाना राज्य में सत्ता में आने वाले हैं। इसी वजह से वे अनावश्यक राजनीतिक आलोचना कर रहे हैं। हम अपनी भविष्य की यात्रा अकेले ही करेंगे, चाहे हम किसी से भी मिलें। तमिलनाडु की घटना पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है और मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। रेड्डी ने कहा कि जब भी राजनीतिक दल ऐसे कार्यक्रम आयोजित करें, उन्हें उचित सावधानी बरतनी चाहिए और एक योजनाबद्ध कार्यक्रम तैयार करके आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कार्यक्रमों की अनुमति देने वाले संगठनों को भी उचित सावधानी बरतनी चाहिए और सुझाव देने चाहिए। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनावों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स के लोग, जिन्होंने अतीत में कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों को सत्ता दी थी, इस बार भाजपा की जीत की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में सत्ता में रही टीआरएस और आज सत्ता में है कांग्रेस पार्टी ने निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी ढांचा भी उपलब्ध नहीं कराया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने स्वच्छ जल और जल निकासी की समस्या का समाधान नहीं किया है और स्ट्रीट लाइटें भी नहीं लगवाई हैं।

आरटीसी अधिकारियों को दशहरा जाने वाले यात्रियों के लिए व्यवस्था करने के निर्देश

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने रविवार को आरटीसी अधिकारियों के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आदेश दिया कि सद्दुला बतुकम्मा और दशहरा त्योहारों के दौरान अपने गृहनगर जाने वाले लोगों को परिवहन संबंधी कोई समस्या न हो, इसके लिए उपाय किए जाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि हैदराबाद के उप्पल, एलबी नगर और आरामगढ़ जैसे प्रमुख भीड़भाड़ वाले इलाकों में यात्रियों को सुविधाएं प्रदान की जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बस स्टेशन पर एक विशेष अधिकारी नियुक्त किया जाए और भीड़भाड़ के अनुसार विशेष बसें उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने आदेश दिया कि क्षेत्रीय प्रबंधक, उप क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला मजिस्ट्रेट सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्रीय स्तर पर मौजूद रहें और यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए 97 डिपो और 340 बस स्टेशनों के साथ समन्वय स्थापित करें। दशहरा उत्सव के मद्देनजर, आरटीसी अधिकारियों ने मंत्री के ध्यान में लाया कि टीजीएसआरटीसी राज्य भर में 7754 विशेष बसें चला रहा है। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि चूंकि सद्दुला बतुकम्मा इस महीने की 30 तारीख को है और दशहरा 2 अक्टूबर को है, इसलिए इस शनिवार से अपने गृहनगर जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ होने की संभावना है। उन्होंने आगे बताया कि इस लिहाज से विशेष बसें उपलब्ध कराई गई हैं।

भारत ने 9वीं बार एशिया कप जीता

पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया

तिलक वर्मा ने फिफ्टी लगाई

कुलदीप को 4 विकेट

दुबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने नौवीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया है। तिलक वर्मा की बेहतरीन पारी की बदौलत इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया।

रविवार को 147 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम ने 20वें ओवर की चौथी बॉल पर जीत हासिल की। रिंकू सिंह ने चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई। तिलक वर्मा 69 रन बनाकर नाबाद लौटे।

13वें ओवर में संजू सैमसन 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अबरार अहमद ने साहिबजादा फरहान के हाथों कैच कराया। अबरार ने फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की।

पावरप्ले में शुभमन गिल 12, सूर्यकुमार यादव 1 और अभिषेक शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुए। चौथे ओवर में फहीम ने गिल को और दूसरे ओवर में अभिषेक को हारिस रऊफ के हाथों कैच कराया। सूर्यकुमार यादव शाहीन अफरीदी ने आउट किया।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पाकिस्तान की टीम 19.1 ओवर में 146 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। कुलदीप यादव ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट लिए। पाकिस्तान से साहिबजादा फरहान ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए।

जीडीमेटला में युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला में शनिवार रात 24 वर्षीय युवक एम शरणदीप ने आत्महत्या कर ली। शरणदीप अपने माता-पिता के साथ एचएमटी कॉलोनी में रहते थे। रविवार सुबह उन्हें घर के पास एक खुले स्थान पर पेड़ से लटका हुआ पाया गया। जीडीमेटला पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को शक है कि पारिवारिक समस्याओं के कारण उन्होंने यह कदम उठाया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने पवन कल्याण से मुलाकात की

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण वायरल बुखार से पीड़ित हैं। इस संदर्भ में, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने उनसे मुलाकात की। चंद्रबाबू हैदराबाद स्थित पवन के आवास पर पहुंचे, उनसे बात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि पवन कल्याण पिछले पांच दिनों से तेज बुखार से पीड़ित हैं। यह भी बताया जा रहा है कि नेताओं के बीच ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई है। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण हाल ही में बुखार के साथ आंध्र प्रदेश विधानसभा गए थे। उन्होंने अपने विभागों की भी समीक्षा की। बाद में, उन्होंने डॉक्टरों से मुलाकात की और इलाज कराया। हालांकि, खबर है कि पवन कल्याण को बुखार कम न होने पर हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। उन्हें अभी भी बुखार है।

माँ भगवती का द्वितीय विशाल जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चम्पापेट सागर रोड़ स्थित मन्दा राम रेड्डी कन्वेन्शन हॉल में श्री खेतेश्वर सेवा दल के सानिध्य में शनिवार 27 सितंबर रात्रि 8.30 बजे से माँ भगवती का द्वितीय विशाल जागरण आयोजित किया गया।

विज्ञप्ति में मार्गदर्शक हरिसिंह राजपुरोहित ने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री खेतेश्वर सेवा दल के सानिध्य मे माँ भगवती का द्वितीय विशाल जागरण पूजा-अर्चना, खेतेश्वर महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण व ज्योत प्रज्वलितकर गाय, गरीब एवं असहाय लोगों की सेवार्थ आयोजित किया गया। जिसमें मरुधरा के भजन गायकार हेमराज गोयल, खेताखाजी, खुशबु कुम्भट, विशाल श्रीमाली ने गणेश वंदना के साथ भजनों पुष्प अर्पित किये। हेमराज गोयल ने राजस्थानी अंदाज में एवं खेताखाजी ने मारवाड़ी गीत प्रस्तुतकर भक्तों का देर रात तक मनोरंजन किया। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

अवसर पर मुख्य अतिथि मार्गदर्शक हरिसिंह राजपुरोहित, श्यामसिंह राजपुरोहित, पार्षद शांतिदेवी अक्का, युवा नेता सुरेन्दर रेड्डी, तेलंगाना भाजपा समन्वयक नवनीतसिंह राजपुरोहित, अशोकसिंह ढालोप, भबूतसिंह राजपुरोहित, किशोरसिंह राजपुरोहित, भोजनप्रसादी के लाभार्थी विजयसिंह जाणूंदा, डेकोरेशन के लाभार्थी शम्भूसिंह सांडिया, मोतीसिंह पड़सला, उत्तमसिंह राजपुरोहित, मोतीसिंह राजपुरोहित निमाज, देवेन्द्रसिंह राजपुरोहित, पत्रकार परबत सोलंकी, भामाशाहों, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, कार्यक्रम के विशेष सहयोगियों का आयोजकों द्वारा शॉल, राजस्थानी साफा, मोतियों की माला व मोमेन्टों से विशेष स्वागत किया गया।

समाज सेवी हरिसिंह सेवड़ ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर श्री खेतेश्वर सेवा दल के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सफल आयोजन में श्री खेतेश्वर सेवा दल के सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। भक्तगण सपरिवार उपस्थित रहे। मंच का संचालन विशाल श्रीमाली ने किया। यूट्युब एवं साउण्ड की व्यवस्था पी.एम.एल.सीरवी द्वारा की गयी। आरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

एक शाम माताजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारसिंगी स्थित श्री कृष्णा गौशाला में माताजी नवयुवक मंडल समाज बन्धुओं द्वारा एक शाम माताजी के नाम शनिवार 27 सितंबर रंगारंग डांडिया नृत्य व ज्योत प्रज्वलितकर रात्री 9.15 बजे से जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में रमेश हाम्बड़, जसवन्तकुमार देवड़ा, मुकेश गेहलोत ने संयुक्त रूप से बताया कि माताजी नवयुवक मंडल माधापुर, मनिकोन्डा, गच्चीबावली, टोलीचौकी, अंजयनगर, दरगा, खाजागुडा, नानकरामगुडा, नारसिंगी, पुपालगुडा, अलकापुर समाज बन्धुओं व भक्तों के सानिध्य में जागरण व डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। माँ भगवती की तस्वीर पर माल्यापर्ण व ज्योत प्रज्वलितकर सायं 5.15 बजे से महिलाओं द्वारा रंगारंग डांडिया नृत्य एवं रात्रि 9.15 बजे जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें शंकर टॉक डायलाना ने राजस्थानी अंदाज मे भजनों के पुष्प अर्पित किये, जिसका देर रात तक पधारे भक्तों ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया।

कार्यक्रम में पधारे मुख्यअतिथि सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जसवंत देवड़ा, सहसचिव हीराराम खंडाला, मनोनित सदस्य रामलाल, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्ष नीलु लचेटा, सलाहकार गवरीदेवी परिहारिया, प्रकाश सोयल, परबत सोलंकी का आयोजकों द्वारा राजस्थानी परमपरा से विशेष सम्मान किया गया। पधारे भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

सम्बोधन भाषण में सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ व लाबुराम पँवार, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा ने पधारे भक्तों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए गौसेवार्थ दान-पुण्य करने वाले भामासाहों का तहदिल से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में माताजी नवयुवक मंडल के मांगीलाल पंवार, जसवन्त कुमार देवड़ा, पुनाराम परिहार, मांगीलाल पँवार, नथाराम, चुन्नीलाल वरपा, जेठाराम सोलंकी, मुकेश गेहलोत, जेठाराम काग, गणेश खंडाला, बाबुलाल काग, भँवरलाल गेहलोत, अशोक सोयल, जसाराम काग, माधाराम गेहलोत, अशोक हाम्बड़, रमेश परमार एवं कार्यकर्ताओं का तन-मन-धन से विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन रमेश हाम्बड़ ने किया। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती मनाई

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने हैदराबाद के केंद्रीय गुरुद्वारा गौलीगुड़ा के सामने स्थित महान क्रांतिकारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

अवसर पर संबोधित करते हुए, लक्ष्मण राव ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह के अद्वितीय साहस और बलिदान को याद किया।

उन्होंने सभी को याद दिलाया कि भगत सिंह ने बहुत कम उम्र में ही देश की आजादी के लिए फाँसी के फंदे को गले लगा लिया था। उनकी देशभक्ति का जज्बा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। लक्ष्मण राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे भगत सिंह को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित करके राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान को मान्यता दें।

इस कार्यक्रम में संगठन से जुडे ए. सुदर्शन- तेलंगाना राज्य महासचिव, शिवसेना गणेश, दत्तू पटेल, दत्तात्रेय मन्नूसिंह, नन्नू सिंह, दत्ता दावुरंग, गुरुदयाल सिंह, महेंद्र गौड़, अनिल कुमार, विजय गोविंद सिंह, महेश, सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जीडीमेटला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) में नवरात्रि में गरबा व डांडिया नृत्य पर उपस्थित संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सलाहकार महेन्द्र देवड़ा, अर्जुनलाल बर्फा, समस्त कार्यकारणी सदस्यगण एवं समाज बन्धु।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सं. जीटीएल-इएम-26-2025-26 दि.26-09-2025 PUB/1201

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1, टेंडर नं. जीटीएल-इएम-26-2025-26, कार्य विवरणःगुण्टकल डिवीजनः 1. काटपाडी-तिरुपति सेक्शनः बाक्स पुशींग पध्दति द्वारा 1x6.00x5.00एम आरसीसी बाक्स नुसार पाकाला-पुथलपट्टु स्टेशनों के बीच किमी 56/35-37 पर एलसी नं.05 के एवज में पुल के नीचे सडक या रोड अंडर ब्रिज(आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 2. काटपाडी-तिरुपति सेक्शनः बाक्स पुशींग पध्दति द्वारा 1x6.00x5.00एम आरसीसी बाक्स नुसार पाकाला-पुथलपट्टु स्टेशनों के बीच किमी 51/17-19 पर एलसी नं.08 के स्थान पर पुल के नीचे सडक या रोड अंडर ब्रिज(आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 3. काटपाडी-तिरुपति सेक्शनः बाक्स पुशींग पध्दति द्वारा 1x6.00x5.00एम आरसीसी बाक्स नुसार रामापुरम-काटपाडी स्टेशनों के बीच किमी 4/9-5/0 पर एलसी नं.58 के स्थान पर पुल के नीचे सडक या रोड अंडर ब्रिज(आरयुबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 4. गुण्टकल डिवीजन में, मिड सेक्शन मानवजनित एलसी गेट्स एलसी नं.19 (वीकेआय-वायएलके), एलसी नं.21(सीसीआय-एमजीबी) तथा एलसी नं.125 (जेडपीएल-पीएसपीवाय) की प्रस्तावित इन्टरलाकिंग के लिए बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रू.66,29,724.86, अनुमानित निविदा मूल्य रू.28,79,28,057.00 पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.15,89,700.00, पूरा करने की अवधि महिनों मेः 15

मानक पात्रता से जुडे समान प्रकृति के माने जानेवाले कार्यः ए1. एर्थवर्क इन फार्मेशन या निर्माण में मिट्टी का कार्य तथा किसी भी प्रकार के पुलों के निष्पादन से जुडा कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

बोली बंद करने की तिथिः 30-10-2025

निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं एवं किसी भी मैन्युएल आफर्स पर कतई विचार नही किया जायेगा।

निविदा शर्ते/अन्य विवरण, आईआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in के निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा इसमें यदि कोई भी परिवर्तनों के होने पर उसे देखा जा सकता है।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, वे केवल आनलाइन पेमेन्ट्स द्वारा ही पूर्व धरोहर राशि-पूधरा जमा करें।

निविदा सूचना को, सीपीएम/जीएस/एससी का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद पर, स्थित नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेलवे के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को रध्द करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर के साथ प्रस्तुत करें।

हमारे वेबसाइटःwww.ireps.gov.in का अवलोकन करें

डीवाय.सीइ/गति शक्ति/सिकंदराबाद

बंद करने की तिथि व समयः 16-10-2025 के 15.00 बजे

टेंडर बिड्डींग या निविदा बोली लगाने तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

टिप्पणीः इन ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने के लिए, निविदादाता के पास वैध डिएससी (डिजिटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुण्टकल

निविदा सूचना PUB/1204

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दमरे, वैगन वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241 द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः एम241-बोगी-18-दि.25-09-2025, कार्य विवरणः वैगन वर्कशाप, रायनपाडू, दमरे के परिसरों में 24 महिनों की अवधि के लिए क्लीनींग, स्ट्रीपींग, बोगी शाप के सीएएसएनयुबी बोगीयों, बीवीजेडआय ट्रालीज एवं तत्संबंधित कम्पोनेन्ट्स की मरम्मत व ओवरहालिंग कार्य। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रू.4,43,05,226.52, (रु. चार करोड त्रियालीस लाख पांच हजार दो सौ छब्बीस व बावन पैसे मात्र), पूधरा रू.3,71,500.00, (रु.तीन लाख इकहत्तर हजार पांचसौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रू.शून्य, आफर की वैधताः खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः आईआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा, टेंडरिंग सिस्टमः खुली निविदा-एकल पैकेट, बोली बंद करने की तिथि व समयः 22-10-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज एवं शुद्धिपत्रः वेबसाइटःhttp://www.ireps.gov.in देखें।

पत्राचार हेतु डाक का पताः चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगन वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/वैगन वर्कशाप/गुंटुपल्ली

निविदा सूचना संख्या 10-एमइसीएच-एफयुआर-सीओआर-टीपीटी-25-26, दि.25-09-2025 PUB/1202

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निम्न विवरित निविदा संख्या की बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम संख्याः1, कार्य विवरणः निविदा सूचना संख्या 10-एमइसीएच-एफयुआर-सीओआर-टीपीटी-25-26, दि.25-09-2025, सीआरएस/टीपीटीवाय पर आइसीएफ कोचेस की संपूर्ण कोच फर्निशिंग तथा कोरोसन एटेन्शन का कार्य। अनुमानित मूल्य रू.6,54,86,475.60, बोली सुरक्षा रु.4,77,400.00, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथि व समयः 17-10-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्रों हेतु कृपया हमारे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा सूचना PUB/1205

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाओं के ई-प्रापण के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, निविदा सं. व दि.-सी_एसजी_36_574 दि.23-09-2025, बंद करने की तिथिः 15-10-2025, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन के माणिकगढ-गढचांदूर सेक्शन में एडीशनल 4 लाइन सहित राजूरा यार्ड रिमाडेलिंग के साथ तत्संबंधित सिग्नल्लींग व्यवस्था। अनुमानित मूल्य रु.8,53,68,846.77, बोली सुरक्षा/ पूधरा रु.5,76,900.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। बोली सुरक्षा/पूधरा का भुगतान जीसीसी 2022 नुसार करना चाहिए

आईआरएसजीसीसी-2022 नुसार, सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क रूप में दिये जायेंगे। (संदर्भःआईआरजीसीसी-2022 पार्ट-।, क्लाज-3)

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता/सिकंदराबाद

A1519

खुली ई-निविदा सूचना संख्या डीवाय.सीइ/जीएस/एससी/08/2025/ओटी, दि.24/09/2025 PUB/1203

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, ई-टेंडर नं. 08_जीएस_एससी_25_ओटी, कार्य विवरणः एसडबल्यू । -राजुरा यार्ड रिमाडेल्लिंग-एर्थवर्क इन फार्मेशन, मौजूदा पुलों का विस्तार/निर्माण, बीजी ट्रैक को बिछाना व जोडना, पाइंट्स व क्रासिंग्स की एसेंब्लींग व इनसर्शन, स्टोन बालास्ट की आपूर्ति, लीडींग व डम्पिंग, आरबीजी बिल्डिंग का निर्माण, एप्रोच रोड व्यवस्था तथा अन्य छिटपुट कार्य। एसडबल्यू ।। - फ्राइट एग्जामिनेशन सुविधाओं का विकास- इंसपेक्शन पिट सहित सिकलाइन शेड का निर्माण, सर्विस बिल्डिंग, इंसपेक्शन पाथवे, गैरेज शेड, जलापूर्ति, बागवानी या हार्टीकल्चर तथा अन्य छिटपुट कार्य।

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरण जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

मिथुन मन्हास बने बीसीसीआई के नए अध्यक्ष

राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) को उसका नया अध्यक्ष मिल गया है. दिल्ली की घरेलू क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास को इस पद की जिम्मेदारी दी गई है. वह रोजर बिन्नी की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था. लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं कि मिथुन मन्हास को यह अहम जिम्मेदारी मिल सकती है, और अब इन अटकलों पर विराम लगाते हुए उनका चयन कर लिया गया है.

केंद्रीय मंत्री ने की पुष्टि

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर मिथुन मन्हास की नियुक्ति की जानकारी दी. उन्होंने लिखा, आज जश्न का एक ऐतिहासिक दिन है! मिथुन मन्हास को बीसीसीआई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि यह दिन जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के लिए बेहद खास है, जो उनका अपना गृह जिला भी है. इस दिन पहले किश्तवाड़ की शीतल ने विश्व चैंपियन बनकर नाम रोशन किया और फिर भद्रवाह के मिथुन मन्हास बीसीसीआई के शीर्ष पद पर पहुंचे.

बीसीसीआई की नई टीम

राजीव शुक्ला अपने उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे, जबकि रघुराम भट्ट बीसीसीआई के नए कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं. वह कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के वर्तमान अध्यक्ष और पूर्व भारतीय स्पिनर हैं. उनका कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो रहा है. देवजीत सैकिया सचिव पद पर बने रहेंगे और प्रभतेज भाटिया को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई है. इन नियुक्तियों पर बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में अंतिम मुहर लगी.

घरेलू क्रिकेट से राष्ट्रीय मंच तक

मिथुन मन्हास का क्रिकेट करियर दिल्ली की टीम के साथ लंबे समय तक जुड़ा रहा. वे जम्मू-कश्मीर में जन्मे पहले क्रिकेटर हैं जो बीसीसीआई के अध्यक्ष बने हैं. उन्होंने 1997-98 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया और 157 फर्स्ट क्लास मैचों में 9714 रन बनाए. इसमें 27 शतक और 49 अर्धशतक शामिल हैं.

रणजी और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन

मन्हास ने रणजी ट्रॉफी 2007-08 में दिल्ली को खिताब दिलाया था और उस सीजन में उन्होंने 921 रन बनाए थे. उन्होंने 130 लिस्ट-ए मैच और 91 टी20 मैच भी खेले. हालांकि उन्हें भारत की सीनियर राष्ट्रीय टीम में खेलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि उनके दौर में सचिन, द्रविड़, लक्ष्मण और गांगुली जैसे दिग्गज मिडिल ऑर्डर में मौजूद थे.

आईपीएल का अनुभव

मन्हास ने आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), पुणे वॉरियर्स इंडिया और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीमों के लिए खेला. उन्होंने न सिर्फ बल्लेबाजी में योगदान दिया, बल्कि जब जरूरत पड़ी, तो ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी की.

बौखलाए पीसीबी ने कर दी अर्शदीप सिंह की शिकायत

इस्लामाबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में टीम इंडिया और पाकिस्तान की भिड़ंत होने वाली है. फाइनल मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसको लेकर दोनों टीमें तैयार है. वहीं फाइनल से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की भी आईसीसी से शिकायत कर दी है. अब देखने वाली बात होगी कि आईसीसी अर्शदीप को लेकर क्या फैसला सुनाती है?

पीसीबी ने क्यों की अर्शदीप सिंह की शिकायत?

पिछली बार भारत और पाकिस्तान के बीच सुपर-4 में मुकाबला खेला गया था. इस मैच में काफी बवाल देखने को मिला था. पहले तो पाकिस्तान के हारिस रऊफ और शाहीन अफरीदी टीम इंडिया के शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा से भिड़ते हुए दिखाई दिए थे. उसके बाद हारिस रऊफ ने दर्शकों की तरफ भड़काऊ इशारा किया था, जिसपर बीसीसीआई ने आपत्ति जताई थी और आईसीसी से हारिस की शिकायत भी की थी, जिनपर मैच फीस का 30 फीसदी जुर्माना भी लगा था. वहीं इस मैच के दौरान अर्शदीप सिंह का भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था. जिसपर पीसीबी ने आपत्ति जताते हुए आईसीसी से अर्शदीप सिंह की शिकायत कर डाली.

शिकायत में पीसीबी ने क्या कहा?

आईसीसी को शिकायत करते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने लिखा अर्शदीप सिंह ने आईसीसी की आचार संहिता का उल्लंघन किया है, उन्होंने मैच के दौरान अश्लील इशारे किए थे, जो खेल भावना धूमिल होती है. इसको लेकर आईसीसी ने अर्शदीप पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है.

सूर्यकुमार यादव लग चुका है फाइन

इससे पहले पीसीबी ने टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव की भी आईसीसी से शिकायत की थी. जिसके बाद आईसीसी ने सूर्या पर कार्रवाई करते हुए मैच फीस का 30 फीसदी जुर्माना लगाया था. हालांकि बीसीसीआई ने आईसीसी के इस फैसले को चुनौती दी थी. दरअसल पहले मैच में पाकिस्तान को हराने के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि हम इस जीत को पहलगाम आतंकी हमलें के पीड़ितों को समर्पित करते हैं, सूर्या की ये देशभक्ति पाकिस्तान को रास नहीं आई थी.

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

ऊंची कूद में शैलेश ने जीता स्वर्ण

वरुण सिंह भाटी ने कांस्य पदक नाम किया

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। शैलेश कुमार और वरुण सिंह भाटी ने पुरुषों की ऊंची कूद टी63-टी42 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेजबान भारत का खाता खोला। 25 वर्षीय शैलेश ने टी42 वर्ग में 1.91 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास से चैंपियनशिप रिकॉर्ड और एशियाई रिकॉर्ड तोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। पैरा एशियाई खेलों के पूर्व पदक विजेता भाटी ने कांस्य पदक जीता जबकि मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अमेरिका के एज्रा फ्रेच ने रजत पदक हासिल किया।

भाटी और फ्रेच दोनों ने 1.85 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद लगाई लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने 'काउंट-बैक' में भारतीय खिलाड़ी को हरा दिया। इस स्पर्धा में शामिल तीसरे भारतीय राहुल 1.78 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास से चौथे स्थान पर रहे। शैलेश, भाटी और राहुल टी42 एथलीट हैं जिनके घुटने के ऊपर एक अंग विच्छेदन हुआ हो या एक समान दिव्यांगता हो। टी63 वर्गीकरण उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके घुटने के पास दिव्यांगता हो। टी63 और टी42 एथलीटों को एक ही स्पर्धा में शामिल किया जा सकता है और भी यही प्रक्रिया अपनाई गई।

एशिया कप से बाहर रही नेपाली टीम ने किया बड़ा उलटफेर

दो बार की वर्ल्ड चैम्पियन वेस्टइंडीज को हराया

शारजाह, 28 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल क्रिकेट टीम ने विश्व क्रिकेट में सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए वेस्टइंडीज टीम को हराकर इतिहास रच दिया है. रोहित पौडेल की अगुवाई में नेपाल ने शारजाह में दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को 19 रन से हराकर अपने क्रिकेट इतिहास में पहली बार किसी फुल-मेंबर टीम को मात दी. तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में मिली इस जीत से नेपाल ने 1-0 की बढ़त बना ली. फुल-मेंबर टीम के खिलाफ अपनी पहली द्विपक्षीय सीरीज की शुरुआत नेपाल ने शानदार अंदाज में की. इससे पहले नेपाल ने 2014 में अफगानिस्तान को एक टी20 मैच में हराया था, लेकिन उस समय अफगानिस्तान अभी भी एसोसिएट सदस्य था.

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. लेकिन नेपाल ने इतिहास रचने का ही फैसला किया था. पहले बल्लेबाजी

करते हुए उसने 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए. हालांकि नेपाल की शुरुआत बेहद खराब रही जब 12 रन पर ही दोनों ओपनर कुशल भुर्तेल और आसिफ शेख पवेलियन लौट गए. लेकिन इसके बाद कुशल मल्ला (21 गेंदों पर 30 रन) ने कप्तान पौडेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 58 रन की साझेदारी की. लेकिन डेब्यू लेग स्पिनर नवीन बिदैसी ने पौडेल और मल्ला दोनों को आउट कर दिया. बिदैसी ने 3 विकेट लेकर 29 रन दिए. लेकिन गुलशन झा (16 गेंदों पर 22 रन) और दिपेंद्र सिंह (19 गेंदों पर 17 रन) ने टीम को 140 के पार पहुंचा दिया. गेंदबाजी में जेसन होल्डर सबसे सफल गेंदबाज रहे, उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि नवीन बिदैसी ने 3 विकेट निकाले. अंतिम से पहले ओवर में जेसन होल्डर ने तीन विकेट लिए और नेपाल का स्कोर 8 विकेट के नुकसान पर 149 रन पर ही रुक गया.

वेस्टइंडीज की पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने काइल मेयर्स के चौके से शुरुआत की, लेकिन वे जल्दी ही आउट हो गए. भुर्तेल की शानदार डायरेक्ट हिट ने मेयर्स को पवेलियन भेजा. वहीं डेब्यू कर रहे अकीम ऑगस्टे ने दो छक्के जरूर लगाए, लेकिन पावरप्ले में वे भी चलते बने. 40/2 पर वेस्टइंडीज अभी भी मुकाबले में थी, मगर नेपाल के स्पिनरों ने दबाव बना दिया. दीपेंद्र ऐरी की बेहतरीन फील्डिंग ने केसी कार्टी को रन आउट कर दिया, जबकि भुर्तेल ने होल्डर को सस्ते में निपटा दिया.

वेस्टइंडीज नेपाल को चुनौती देने में नाकाम रही और लगातार विकेट गंवाती रही. वेस्टइंडीज के लिए नवीन बिदैसी (25 गेंदों पर 22 रन) सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. अंत में फैबियन एलन (14 गेंदों पर 19 रन) और कप्तान अकील होसैन (9 गेंदों पर 18 रन) ने कुछ ताबड़तोड़ शॉट खेले, लेकिन टीम लक्ष्य से दूर रह गई. फैबियन एलन को आखिरी 20 गेंदों पर 28 रन चाहिए थे, मगर लक्ष्य बहुत बड़ा साबित हुआ. पूरी वेस्टइंडीज टीम 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 129 रन ही बना सकी.

नेपाल ने किया डॉमिनेट

नेपाल ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 27 सितंबर को खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को चौंकाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की. नेपाल ने इस मैच में हर विभाग में योगदान देकर वेस्टइंडीज को चौंका दिया. उसके छह बल्लेबाजों ने छक्के लगाए, छह गेंदबाजों ने विकेट लिए और फील्डिंग भी इतनी तेज रही कि मैच का रुख नेपाल की ओर ही झुका रहा. यह नेपाल की किसी फुल-मेंबर देश पर पहली जीत रही. 19 रन की इस जीत के बाद फैन्स ने जमकर जश्न मनाया. अब नेपाल और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा मुकाबला 29 सितंबर को खेला जाएगा.

'उन्हें समझदारी से टूर्नामेंट चुनने होंगे'

पीवी सिंधू को साइना नेहवाल की सलाह

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल का मानना है कि पीवी सिंधू को अब टूर्नामेंट चुनने में समझदारी दिखानी होगी। जैसे-जैसे सिंधू 30 की उम्र में पहुंच रही हैं, लगातार हर टूर्नामेंट खेलने का दबाव उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। साइना ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि एक निश्चित उम्र के बाद आप अच्छा नहीं कर सकते। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन आपको उन टूर्नामेंटों पर ध्यान देना होगा जिनमें आप अच्छा करना चाहते हैं।'

लगातार टूर्नामेंट खेलना मुश्किल

साइना का कहना है कि रैंकिंग बनाए रखने के लिए सभी टूर्नामेंट खेलना थकाऊ हो सकता है। उन्होंने कहा, 'आप सभी टूर्नामेंटों में अच्छा नहीं कर सकते क्योंकि यह मुश्किल होता है। इस उम्र में जब आप अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए लगातार इतने सारे टूर्नामेंट खेल रहे होते हैं तो जाहिर है आपको एक निश्चित दौर तक तो पहुंचना ही होगा।'

साइना का मानना है कि सिंधू को बड़े टूर्नामेंट जैसे विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप जीतना चाहते हैं जैसे विश्व चैंपियनशिप या एशियाई चैंपियनशिप तो आपको उन टूर्नामेंटों में पूरी ताकत लगानी होगी।'

उम्र के साथ बढ़ती चुनौतियां

साइना ने यह भी बताया कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर की रिकवरी पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 28-29 साल की उम्र के बाद शरीर की उबरने की क्षमता काफी धीमी होती है। निश्चित रूप से आपको बहुत कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी, लेकिन पांच दिनों तक हर दिन जोर लगाना आसान नहीं है।'

सिंधू की फॉर्म पर नजर

2024-25 का साल सिंधू के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है क्योंकि कई टूर्नामेंटों में वह पहले या दूसरे राउंड में हार गईं। हालांकि, हाल ही में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर बेहतर प्रदर्शन के संकेत दिए। साइना ने कहा, 'अगले कुछ टूर्नामेंटों में देखते हैं उसका प्रदर्शन कैसा रहता है क्योंकि विश्व चैंपियनशिप के बाद उसने अच्छा प्रदर्शन किया है।'

साइना ने सिंधू की क्षमता पर भरोसा जताया

साइना ने कहा, 'आप नहीं जानते कि चीजें कब बदल जाएंगी क्योंकि वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह जानती है कि टूर्नामेंट कैसे जीते जाते हैं। कभी-कभी एक निश्चित उम्र के बाद शरीर के लिए मुश्किलें आती हैं। लेकिन मुझे यकीन है कि वह अच्छा कर सकती हैं।'

जूनियर विश्व कप में चमकी रश्मिका-कपिल की जोड़ी

एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता सोना

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किए। हाल ही में कजाखस्तान में एशियाई चैंपियनशिप की महिला और पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली रश्मिका और कपिल ने इस प्रतियोगिता के तीसरे दिन एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। रश्मिका और कपिल ने खिताबी दौर में वंशिका चौधरी और एंटोनी जोनाथन गेविन की एक अन्य भारतीय जोड़ी को 16-10 से हराया। इनेस ओर्टेगा कास्त्रो और लुकास सांचेज की स्पेन की जोड़ी ने पेरिमाह अमीरी मोहम्मद रेजा अहमदी की ईरान की जोड़ी को 16-14 से हराकर कांस्य पदक जीता।

रश्मिका-कपिल ने शुरुआत से बनाया दबाव

रश्मिका और कपिल की जोड़ी ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया और क्वालिफिकेशन में 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। दोनों ने समान 291 अंक जुटाए। वंशिका और गेविन की जोड़ी ने क्रमशः 287 और 291 अंक से कुल 578 अंक के साथ फाइनल में प्रवेश किया। एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में क्वालिफिकेशन दौर के बाद शीर्ष दो जोड़ियां स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला करती हैं जबकि अगली दो जोड़ियां कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करती हैं।

फाइनल में भी एकतरफा मुकाबला देखने को मिला। रश्मिका और कपिल ने शुरुआती बढ़त बनाई और फिर विरोधी जोड़ी को वापसी करने का मौका नहीं दिया। शुक्रवार को पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल खिताब जीतने वाले गेविन ने काफी गलतियां कीं। उन्होंने 9.9 के बाद 10.5 और 10.6 अंक जुटाए लेकिन इसके बाद लगातार तीन प्रयास में 9.7, 9.8 और 9.5 ही हासिल कर पाए। वंशिका ने भी तीन निशाने नौ अंक से कम पर मारे जिससे स्वर्ण पदक इस जोड़ी के हाथों से फिसल गया।

जूनियर पुरुष स्कीट में पदक से चूका भारत

जूनियर पुरुष स्कीट में भारत पदक से चूक गया जब छह निशानेबाजों के फाइनल में हरमेहर सिंह लाली और अतुल सिंह राजावत 35 और 25 अंक के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। इटली के मार्को कोको ने 56 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि फिनलैंड के लेनी मतियास कोपिनेन (53) और साइप्रस के ओंद्रियास पोटिकिस (43) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किया। भारत अभी तीन स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल नौ पदक जीतकर शीर्ष पर है। व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि इटली एक स्वर्ण और एक रजत के साथ तीसरे स्थान पर है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में कौन होगा जॉन सीना का अंतिम विरोधी?

हॉल ऑफ फेमर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

खेल डेस्क, 28 सितंबर (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में इस समय जॉन सीना का रिटायरमेंट टूर चल रहा है. फैंस उन्हे लेकर काफी उत्साहित हैं. वह अपने कुछ पुराने फेवरेट विरोधियों का सामना कर चुके हैं. दिसंबर, 2025 में सीना अपने करियर का अंतिम मैच लड़ेंगे. सभी के दिमाग में एक ही सवाल है कि उनका अंतिम विरोधी कौन होगा. कुछ लोग यंग स्टार्स का नाम ले रहे हैं. कुछ ने दिग्गजों के नाम बताएं है. खैर अब एक हॉल ऑफ फेमर ने उनके आखिरी विरोधी के रूप में चौंकाने वाला नाम बताया है.

डब्ल्यूडब्ल्यूई दिग्गज जॉन सीना को लेकर क्या कहा?

जॉन सीना 13 दिसंबर, 2025 को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में करियर का अंतिम मैच लड़ने वाले हैं. सीना अभी तक कोडी रोड्स, ब्रॉक लैसनर, सीएम पंक, रैंडी ऑर्टन, लोगन पॉल और आर-ट्रुथ का सामना कर चुके हैं. हाल ही में उन्हें ब्रॉक लैसनर ने बुरी तरह हराया था. कई लोगों को लगता है कि सीना के अंतिम विरोधी भी लैसनर ही होंगे. घंटों बाद सड़क यात्रा पॉडकास्ट पर दिग्गज टेडी लॉन्ग से सवाल पूछा गया कि क्या

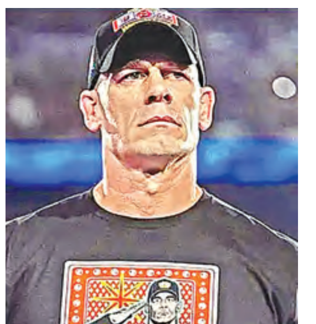

वह लैसनर को सीना के साथ अंतिम मैच देखना चाहेंगे और क्या द वीस्ट के ऊपर जॉन की जीत देखना चाहेंगे.

टेडी लॉन्ग ने कहा कि वह जॉन सीना और स्टोन कोल्ड स्टीव ऑस्टिन के बीच मैच देखना चाहेंगे. लॉन्ग ने कहा,"आपको पता है कि मैं क्या चाहता हूं? मैं किसी खास को लाना चाहूंगा. मैं स्टोन कोल्ड स्टीव ऑस्टिन को लाना चाहूंगा. मैं इनके बीच अंतिम मुकाबला देखना चाहूंगा".

रतन जड़ित मुकुट 2025 का आयोजन 11 अक्टूबर को पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में होने वाला है. कंपनी द्वारा कुछ मैचों का ऐलान कर दिया गया है. जॉन सीना भी वहां पर एक्शन में दिखेंगे. उनका सामना एजे स्टाइल्स के साथ होगा. स्टाइल्स और सीना का इतिहास काफी तगड़ा रहा है. 2016 और 2017 में इनके बीच जबरदस्त दुश्मनी रही थी. सीना ने ही सोशल मीडिया पर स्टाइल्स के खिलाफ मैच की मांग की थी. बाद में ट्रिपल एच ने इसका ऑफिशियल ऐलान किया था.

भारत ने सातवां सैफ अंडर-17 खिताब जीता

पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को हराया

कोलंबो, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम ने पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को 4-1 से हराकर सातवां सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप खिताब जीता।

भारत ने दल्लामुओन गंगटे (चौथे मिनट) और अजलान शाह केएच (38वें मिनट) के गोल की मदद से पहले हाफ में 2-1 की बढ़त बनाई हुई थी लेकिन बांग्लादेश ने आखिरी मिनट में इहसान हबीब रिदुआन के बराबरी के गोल से वापसी कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया जिससे शूटआउट से नतीजा निकला।

भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा। दल्लामुओन गंगटे, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम और इंद्र राणा मगर ने शानदार गोल किए। इसके बाद शुभम पूनिया ने निर्णायक चौथा किक गोल में डाला। वहीं बांग्लादेश की टीम दबाव में बिखर गई। उसके लिए केवल मोहम्मद माणिक ही गोल कर सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.